THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष–31 अंक : 168 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.7 2083 शुक्रवार, 18 सितंबर–2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❋ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

‘बंगाल में ‘लाल आतंक’ को दोबारा पनपने नहीं देंगे’

कोलकाता, 17 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि कोलकाता पुलिस की एक स्पेशल टास्क फोर्स ने पूर्व मेदिनीपुर जिले में एक टॉप माओवादी नेता को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार राज्य में ‘लाल आतंक’ को दोबारा पनपने नहीं देगी। शुभेंदु अधिकारी ने जिले के पटशपुर इलाके के लालत से पश्चिम बंगाल स्टेट कमेटी–I के सेक्रेटरी और सेंट्रल कमेटी मेंबर असीम मंडल उर्फ आकाश को सफलतापूर्वक ट्रैक करने और पकड़ने के लिए फोर्स की तारीफ की। शुभेंदु अधिकारी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 15 साल से ज़्यादा समय तक अलग–अलग राज्यों के जंगल वाले इलाकों में पुलिस को चकमा देते हुए, तेज टेक्निकल इंटेलिजेंस के आधार पर उसका पकड़ा जाना हमारी पुलिस फोर्स की बहुत अच्छी ऑपरेशनल काबिलियत दिखाता है। >14

‘भारत पर दुनिया का भरोसा बढ़ा है’

> पीएम मोदी ने सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में गिनाई देश की ताकत

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को आगे बढ़ाने वाले बड़े आयोजनों में से एक सेमीकॉन इंडिया 2026 का आगाज हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के यशोभूमि में इसके पांचवें संस्करण का उद्घाटन किया।

तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में दुनिया भर की सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री एक मंच पर जुट रही हैं। कार्यक्रम के शुरुआत में पीएम मोदी ने यशोभूमि में युवाओं से भारत के सेमीकंडक्टर मिशन पर संवाद किया। इस कार्यक्रम में 52 देशों से 600 से ज्यादा कंपनियां शामिल हो रही हैं। पीएम मोदी ने कहा, ‘आज विश्वकर्मा जयंती भी है, मैं सभी देशवासियों को विश्वकर्मा जयंती की बहुत–बहुत शुभकामनाएं देता हूं। हमारी परंपरा में भगवान विश्वकर्मा को निर्माण और सृजन की शक्ति का प्रतीक माना गया है और संयोग देखिए, आज से ही सेमीकॉन इंडिया की शुरुआत हो रही है। एक तरफ हमारी सदियों पुरानी निर्माण की परंपरा और दूसरी तरफ 21वीं सदी की टेक्नोलॉजी और विजन, यही आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की प्रेरणा भी है।’

पीएम मोदी ने कहा, ‘अब भारत के प्लांट से चिप निकलकर दुनिया भर में पहुंच रहे हैं। हाल ही में, मोहाली और सूरत में दो सेमीकंडक्टर प्लांट्स में कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू हुआ है। किसी भी देश के लिए इस स्तर तक पहुंचना आसान नहीं है।” उन्होंने कहा कि इतने कम समय में किसी भी देश के लिए ये करना आसान नहीं है, लेकिन भारत ने यह उपलब्धी हासिल की। मोदी ने इंडस्ट्री लीडर्स को देश की नींव बताया और कहा की आप हमारे पार्टनर हैं। उन्होंने बताया कि इसी सितंबर में 10 दिन पहले मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट हुआ। इसमें एजेंटिक एआई, टोकनाइजेशन और क्वांटम टेक्नोलॉजी के जरिए इंक्लूसिव फाइनेंस पर चर्चा हुई। इसी दौरान भारत में करीब 3,000 किमी का डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पूरी तरह ऑपरेशनल हो गया। इससे देश में फ्रेट मूवमेंट तेज होगा, लॉजिस्टिक्स बेहतर होगा और मैन्युफैक्चरिंग को ताकत मिलेगी। >14

दवाओं की बिक्री पर सरकार सख्त

बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं मिलेंगे दवाएं

सीसीटीवी लगाना होगा अनिवार्य

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दवाओं की बिक्री पर सख्त निगरानी के लिए बड़ा कदम उठाया है। मंत्रालय ने शेड्यूल एच, एच1 और एक्स दवाओं की रेगुलेटरी निगरानी को मजबूत करने के लिए ड्रग्स रूल्स, 1945 में बदलाव का प्रस्ताव दिया है। इस बदलाव के तहत देश भर के मेडिकल स्टोर्स पर सीसीटीवी निगरानी अनिवार्य करने की योजना है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इस संबंध में 8 सितंबर 2026 को ड्राफ्ट गजट नोटिफिकेशन जारी किया है।

प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य बिना डॉक्टर के पर्चे के प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री पर रोक लगाना और फार्मास्युटिकल सप्लाई चेन में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाना है। मंत्रालय के मुताबिक, शेड्यूल एच, एच1 और एक्स श्रेणी की दवाएं बेहद संवेदनशील हैं। इनमें एंटीबायोटिक्स, साइकोट्रॉपिक दवाएं, नशीली दवाओं वाले पेनकिलर और कई अन्य शक्तिशाली दवाएं शामिल हैं, जिनका गलत इस्तेमाल सेहत के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। अक्सर शिकायतें मिलती हैं कि मेडिकल स्टोर पर बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन के इन दवाओं को बेच दिया जाता है।

इसी चिंता को दूर करने के लिए सीसीटीवी को एक अतिरिक्त सुरक्षा उपाय के तौर पर लागू करने की सिफारिश की गई है। यह प्रस्ताव पहले ड्रग्स कंसल्टेटिव कमेटी (डीसीसी) के सामने रखा गया था, जहां इस पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके बाद इसे ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (डीटीएबी) के पास भेजा गया। डीटीएबी के सदस्यों ने सभी पहलुओं पर विचार–विमर्श के बाद इस प्रस्ताव को मंजूरी देने की सिफारिश की है। मंत्रालय का मानना है कि मेडिकल स्टोर में सीसीटीवी कैमरे लगने से हर बिक्री का रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा। इससे यह पता लगाना आसान होगा कि कौन सी दवा किस पर्चे पर और किसे बेची गई। >14

‘कोर्ट को वही मिलता है, जो पुलिस पेश करती है’

❋ दिशा सालियान केस के बीच जांच में गड़बड़ी की भरपाई असंभव : सीजेआई

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा है कि अगर किसी आपराधिक मामले की जांच प्रक्रिया में शुरू में ही गड़बड़ी हो जाए, तो उससे हुए नुकसान की भरपाई कोई भी अदालत नहीं कर सकती। बॉम्बे हाई कोर्ट की ओर से दिशा सालियान संदिग्ध मौत की हाल ही में सीबीआई जांच के आदेश दिए जाने की घटना को देखते हुए सीजेआई सूर्यकांत की यह टिप्पणी बहुत मायने रखती है।

सीजेआई सूर्यकांत ने बुधवार को पूर्व आईपीएस ओपी मिश्रा की एक किताब के लॉन्च के मौके पर यह बात कही है। ओपी मिश्रा की किताब ‘बियोंड द यूनिफॉर्म: ड्यटी, डिस्क्रेशन एंड पब्लिक ट्रस्ट’ का विमोचन दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में किया गया। न्याय सुनिश्चित करने में पुलिस और कोर्ट का काम एक निरंतर कड़ी के रूप में होता है। न्यायपालिका को असल में वही प्राप्त होता है, जो पुलिस की ओर से उसके सामने पेश किया जाता है।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार सीजेआई सूर्यकांतने स्पष्ट तौर पर कहा कि अगर एफआईआर दर्ज करने में सावधानी बरती जाए और जांच निष्पक्ष तरीके से हो तो कोर्ट से न्याय मिलने की संभावना ज्यादा बेहतर होती है। उन्होंने किताब के शीर्षक का एक शब्द ‘विवेक’ को लेकर कहा कि पुलिस के लिए विवेक का इस्तेमाल सामान्य बात नहीं है, यह न्याय की सबसे पहली और बुनियादी चीज है। उन्होंने पुलिस और नागरिकों के बीच भरोसा बहाली के लिए इनके बीच सामान्य बातचीत पर भी फोकस भी किया।

पीएम के जन्मदिन पर सरकार की विशेष सौगात बंगाल में अन्नपूर्णा योजना

कोई कटमनी नहीं, कोई बिचौलिया नहीं : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में अन्नपूर्णा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो संदेश के जरिए संबोधित किया। उन्होंने बंगाल की माताओं और बहनों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन्हें हमेशा महिलाओं से स्नेह, विश्वास और अपनापन मिला है, जो उनके लिए बड़ी शक्ति है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस पावन अवसर पर बंगाल में महिलाओं के लिए एक नई परंपरा मजबूत हो रही है। अन्नपूर्णा योजना के तहत राज्य की करीब डेढ़ करोड़

महिलाओं के बैंक खातों में चौथी किस्त की राशि पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं की रोजमर्रा की जरूरतों और घरेलू जिम्मेदारियों को पूरा करने में मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री ने लोगों को विश्वकर्मा पूजा की भी शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि परिवार की देखभाल से लेकर रोजमर्रा के फैसलों तक माताओं और बहनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जरूरी खर्चों को लेकर उनकी चिंता कम होने से आत्मविश्वास भी बढ़ता है। उन्होंने कहा कि अन्नपूर्णा योजना महिलाओं को आर्थिक मजबूती देने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयास है। योजना के तहत हर महीने निश्चित राशि सीधे महिलाओं के बैंक खातों में पहुंच रही है, जिससे उन्हें आर्थिक सहायता के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि 3000 की राशि किसी मां के बच्चे की पढ़ाई, किसी बहन की दवा या परिवार की अन्य जरूरी वस्तुओं की खरीद में मददगार हो सकती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक संसाधनों के साथ–साथ निर्णय लेने की ताकत और आगे बढ़ने का हौसला देना है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और रक्षा मंत्रालय को जमकर सुनाया

❋ दिव्यांग सैनिकों को उनके लाभ नहीं देने पर फटकार

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। दिव्यांग सैनिकों से जुड़े मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और रक्षा मंत्रालय को कड़ी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने रक्षा मंत्रालय की 2015 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए नाराजगी जाहिर की। इस रिपोर्ट में माना गया था कि भारत में कई दिव्यांग सैनिकों को बहुत ही तकनीकी कारणों से अब भी दिव्यांगता लाभ नहीं मिल पा रहा है।

नाराज होते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और रक्षा मंत्रालय को फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि वे (सरकार) इन सैनिकों के खिलाफ न्यायपालिका के सभी स्तरों ट्रिब्यूनल से लेकर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक मुकदमे लड़ रहे हैं। कोर्ट ने यह भी बताया कि ज्यादातर मामलों में सरकार ने बहुत देर से अपील दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि रक्षा मंत्री की रिपोर्ट में विकलांग सैनिकों के विकलांगता और पेंशन लाभ से जुड़े लंबित मामलों में अपीलें तुरंत वापस लेने की सिफारिश की गई थी, लेकिन इस सिफारिश को ठीक से लागू नहीं किया गया। सरकार की ओर से दायर 270 से ज्यादा अपीलों को खारिज करते हुए बेंच ने कहा कि रक्षा मंत्रालय की इस तरह के मुकदमों को वापस लेने की समिति की सिफारिश को स्वीकार करने के बाद भी ऐसी अपीलें दायर की जा रही हैं। बेंच ने अलग–अलग अदालती मंचों पर ऐसे मामलों के नतीजों की भी समीक्षा की। इस कानूनी लड़ाई की दुखद बात यह है कि लगभग 271 सिविल अपीलों और स्पेशल लीव याचिकाओं में से ज्यादातर समय–सीमा (लिमिटेशन) के कारण खारिज होने की स्थिति में हैं। समय–सीमा खत्म होने के कारण ऐसी कई अपीलें पहले ही खारिज की जा चुकी हैं।

एकता के लिए एकरूपता की आवश्यकता नहीं : राधाकृष्णन

उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए समान अधिकारों का आह्वान किया

79 वां हैदराबाद मुक्ति दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को कहा कि राजनीतिक एकीकरण क्षेत्रों को एकजुट कर सकता है, लेकिन संवैधानिक लोकतंत्र ही वह चीज है जो नागरिकों को एक साथ लाती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय एकता केवल भूगोल के आधार पर कायम नहीं रह सकती, और सभी के लिए समान अधिकार, समान गरिमा और समान अवसर के माध्यम से एकता को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में आयोजित 79वें हैदराबाद मुक्ति दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए उपराष्ट्रपति ने टिप्पणी की कि भारत की एकता के लिए उसके नागरिकों के बीच एकरूपता की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि यद्यपि भारतीय अलग–अलग भाषाएँ बोलते हैं, विविध परंपराओं का पालन करते हैं, विभिन्न धर्मों का अनुसरण करते हैं और विविध राजनीतिक विचार रखते हैं, फिर भी वे संविधान और इस मूलभूत सिद्धांत से एक साथ बंधे हुए हैं कि संप्रभुता अंततः जनता में निहित है। इस अवसर के महत्व पर विचार करते हुए, राधाकृष्णन ने कहा कि हैदराबाद मुक्ति दिवस केवल एक ऐतिहासिक मील के पत्थर का स्मरणोत्सव नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की यात्रा और भारत को बनाए रखने वाले मूल मूल्यों की एक स्थायी याद दिलाता है। उन्होंने आग्रह किया कि हैदराबाद की विरासत एक निरंतर अनुस्मारक के रूप में काम करे कि एकीकरण से वास्तविक समावेश होना चाहिए, और देशभक्ति राष्ट्र के प्रति समर्पित सेवा में अपनी सर्वोच्च अभिव्यक्ति पाती है।

बाद में, उपराष्ट्रपति ने परेड का निरीक्षण किया और परेड ग्राउंड में प्रभावशाली मार्च पास्ट और भावपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को देखा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में हैदराबाद की मुक्ति और एकीकरण के दौरान लोगों के संघर्ष, वीरता और बलिदानों को दर्शाया गया, साथ ही भारत के राष्ट्र निर्माण के इस ऐतिहासिक अध्याय में योगदान देने वालों के साहस और दृढ़ता को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

अगले हफ्ते कैबिनेट बैठक : सभी मंत्रियों को दिल्ली में रहने का आदेश

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते केंद्रीय मंत्रियों के साथ दो दिवसीय 'चिंतन बैठक' करेंगे। 23 और 24 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाली इस बैठक में सरकार के कामकाज, नीतियों और सुधारों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर मंथन होगा। सूत्रों के मुताबिक, सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्रियों को अगले हफ्ते दिल्ली में मौजूद रहने को कहा गया है। बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री शामिल होंगे या नहीं, इसे लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है।

बैठक में कुछ मंत्री अपने–अपने मंत्रालयों में किए गए काम और अलग–अलग क्षेत्रों में सुधारों को लेकर उठाए गए कदमों पर प्रेजेंटेशन दे सकते हैं। इस दौरान यह चर्चा भी हो सकती है कि सरकारी नीतियों को ज्यादा असरदार कैसे बनाया जाए और उनका फायदा आम लोगों तक तेजी से कैसे पहुंचाया जाए। प्रधानमंत्री मोदी पहले भी मंत्रियों से कह चुके हैं कि लोगों की समस्याओं का समाधान करना और उनका जीवन आसान बनाना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। ‘चिंतन बैठक’ में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रगति और उनके जमीन पर क्रियान्वयन की भी समीक्षा हो सकती है। चर्चा इस बात पर होगी कि योजनाओं का लाभ लोगों तक किस तरह और बेहतर तरीके से पहुंचाया जाए। इसके अलावा सरकारी सेवाओं को ज्यादा प्रभावी बनाने और अलग–अलग मंत्रालयों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने के तरीकों पर भी मंथन होने की संभावना है। दो दिन चलने वाली इस बैठक में समय प्रबंधन, मंत्रालयों के बीच समन्वय और नीतियां बनाने की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने जैसे मुद्दे भी उठ सकते हैं। अब तक किए गए काम की समीक्षा के साथ आगे की प्राथमिकताओं और सरकार के अगले रोडमैप पर भी चर्चा होने की संभावना है। माना जा रहा है कि बैठक का बड़ा फोकस शासन व्यवस्था को और प्रभावी बनाने, सुधारों को गति देने और सरकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक बेहतर तरीके से पहुंचाने पर रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट : मणिपुर के राहत शिविरों में मौत

सरकार के रवैये पर अदालत सख्त, पूछा-सिर्फ 20 पोस्टमार्टम क्यों?

- 30 से ज्यादा मौतों पर मुख्य सचिव से मांगा जवाब।
- अप्राकृतिक मौतों में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश।
- पोस्टमार्टम और मुआवजे पर मांगा स्पष्टीकरण।

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर के राहत शिविरों में हुई 30 से अधिक मौतों, खासकर अप्राकृतिक मौतों को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। अदालत ने मुख्य सचिव से हलफनामा मांगा है और सभी अप्राकृतिक मौतों में एफआईआर, तेज जांच तथा राहत शिविरों में रह रहे विस्थापितों की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। अदालत ने मुआवजे की राशि और पोस्टमार्टम से जुड़े मामलों पर भी राज्य से जवाब मांगा है। इसके साथ ही वहां रह रहे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी अदालत को दें।

जस्टिस गीता मित्तल समिति की रिपोर्ट पर उठे सवाल

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल हैं, ने राज्य के शीर्ष अधिकारी से पूछा कि राहत शिविरों में हुई मौतों के संबंध में जस्टिस गीता मित्तल समिति की ओर से दी गई जानकारी के बावजूद कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया गया। पीठ ने अपने आदेश में कहा,'हम मणिपुर के मुख्य सचिव को राहत शिविरों में हुई मौतों, खासकर अप्राकृतिक मौतों के संबंध में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश देते हैं।' अदालत ने यह भी सवाल किया कि 34 मौतों में से केवल 20 मामलों में ही पोस्टमार्टम क्यों कराया गया।

अप्राकृतिक मौतों पर मुआवजे को लेकर भी सवाल

पीठ ने कहा कि राज्य सरकार को यह भी स्पष्ट करना होगा कि राहत शिविरों में रह रहे आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की अप्राकृतिक मौत होने पर केवल 20,000 से 30,000 रुपये का मुआवजा क्यों दिया गया। अदालत ने इस मामले में मणिपुर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एमएसएलएसए) को भी अलग से स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। सीजेआई ने एमएसएलएसए से यह सुनिश्चित करने को कहा कि अप्राकृतिक मौत के सभी मामलों में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की जाए।

मोदी के जन्मदिन पर उज्जैन में जगमगाए 35 लाख दीये

उत्तराखंड में पीएम के नाम की पूजा; वडनगर से बनारस तक बाइक रैली

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। पीएम मोदी का गुरुवार को 76वां जन्मदिन मनाया गया। इस मौके पर देशभर में सेवा–संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम हो रहे हैं। मध्य प्रदेश में दीपोत्सव मनाया जा रहा है। सबसे बड़ा आयोजन उज्जैन में है, जहां शिप्रा नदी के घाटों और महाकाल लोक में 25 लाख जबकि मकानों–दुकानों में 10 लाख दीपक जलाए गए। उत्तराखंड के देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यमुना घाट पर पीएम मोदी के नाम से पहली पूजा और आरती कराई। मोदी के जन्मदिन पर पूरे बिहार में 21 लाख दीये जलाए गए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गुजरात के सीएम भूपेन्द्र पटेल ने कांकरिया झील पर आरती की। इससे पहले शाह ने वडनगर में कहा कि मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेताओं में हैं।

सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु से बोला : हिंदी को लेकर सोच बदलें

वहां हिंदी न पढ़ाई जाए ऐसा नहीं हो सकता; चेन्नई और दिल्ली अलग-थलग नहीं

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि हिंदी को लेकर आपको अपनी सोच बदलने की जरूरत है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि तमिलनाडु की धरती पर हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान चेन्नई और दिल्ली को एक–दूसरे से अलग–थलग करने की सोच पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि चेन्नई में बैठे लोगों को दिल्ली में बैठे लोगों से अलग नहीं होना चाहिए और न ही दिल्ली को चेन्नई से।

तमिलनाडु सरकार नवोदय विद्यालयों की स्थापना का विरोध कर रही

पूरा मामला तमिलनाडु में नवोदय विद्यालयों की स्थापना को लेकर विवाद का है। तमिलनाडु सरकार राज्य में नवोदय विद्यालयों की स्थापना का विरोध करती रही है। इन स्कूलों को केंद्र सरकार से वित्तीय मदद मिलती है। ये सह–शिक्षा और आवासीय स्कूल हैं, जिनका संचालन नवोदय विद्यालय समिति करती है। समिति केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के तहत काम करती है। राज्य सरकार की सबसे बड़ी आपत्ति इन स्कूलों में लागू भाषा व्यवस्था को लेकर है। नवोदय विद्यालयों में तीन भाषा की व्यवस्था है, जिसमें हिंदी भी शामिल है। वहीं, राज्य में लंबे समय से दो भाषा की नीति लागू है। इसके तहत तमिल और अंग्रेजी को पढ़ाया जाता है। सरकार का कहना है कि नवोदय विद्यालयों का मॉडल उसकी इस नीति से मेल नहीं खाता।

मामला सुप्रीम कोर्ट तक कैसे पहुंचा?

नवोदय विद्यालयों की स्थापना का मामला पहले मद्रास हाईकोर्ट में पहुंचा था। हाईकोर्ट ने कहा था कि इन स्कूलों की स्थापना तमिलनाडु के तमिल भाषा कानून का उल्लंघन नहीं करती। हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि ऐसे स्कूलों को स्थापित करने से पूरी तरह इनकार करने पर छात्रों की अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान चुनने की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। कोर्ट ने राज्य सरकार को हर जिले में नवोदय विद्यालय शुरू करने के लिए जरूरी अस्थायी व्यवस्था करने का निर्देश दिया था। इसके तहत हर जिले में 240 छात्रों के लिए जगह उपलब्ध कराने की बात कही गई थी। इसके बाद राज्य सरकार ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।

राज्य सरकार ने क्या दलील दी?

सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता ने कहा कि नवोदय विद्यालयों की व्यवस्था राज्य की शिक्षा नीति के खिलाफ है। उन्होंने दलील दी कि इसमें हिंदी को ज्यादा महत्व मिलने की स्थिति बनती है और यह राज्य की दो–भाषा नीति से अलग है। गुप्ता ने कहा कि शिक्षा नीति राज्य के अधिकार क्षेत्र का विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान का उद्देश्य इस तरह का एकीकरण करना नहीं है। उनके मुताबिक, नवोदय विद्यालय सीधे केंद्र सरकार के स्कूल नहीं हैं।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में मुठभेड़

सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को किया ढेर

जम्मू, 17 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के उधमपुर के मजल्टा इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। इस ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने दो आतंकियों को मार गिराया है। ऑपरेशन अभी भी जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार रात करीब 9 बजे मजल्टा के सुदूर इलाकों (ब्रातेल सोआन और खुब्बन) में आतंकवादियों की मौजूदगी की खबर मिली थी। इसके बाद सेना, पुलिस और सीआरपीएफ ने मिलकर तलाशी अभियान शुरू किया।

अभियान शुरू होते ही जंगल में गोलीबारी और धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के ठिकाने पर हमला किया। रात भर इलाका शांत रहा। लेकिन गुरुवार को यानी आज सुबह आतंकवादियों ने घेरा तोड़कर भागने की कोशिश में तेज गोलीबारी करने लगे। सुरक्षा बलों ने भी जवाब में फायरिंग की और दो आतंकियों को मार गिराया। मुठभेड़ अभी भी जारी है। इलाके में और सुरक्षा बल भेजे गए हैं।

मुठभेड़ के बीच पुलिस गाड़ियों की चेकिंग कर रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस का कहना है कि संदिग्ध गतिविधि दिखने के बाद सुरक्षा बलों ने कल देर शाम इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। इससे कुछ दिन पहले 4 और 5 सितंबर को जम्मू-कश्मीर के बडगाम के जंगली इलाके में मुठभेड़ हुई थी, जहां सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा के एक टॉप कमांडर को मार गिराया था। उसके पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद हुए थे। जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकी गतिविधि के चलते 12 सितंबर को राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने कुपवाड़ा, बारामूला, सोपोर और कुलगाम सहित कुल 10 ठिकानों पर छापेमारी की थी और लश्कर के ओवर ग्राउंड वर्कर्स के नेटवर्क को खंगाला था।

हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

10 पिस्टल समेत तीन आरोपी गिरफ्तार, पाकिस्तान से आया जखीरा

फरीदकोट, 17 सितंबर (एजेंसियां)। फरीदकोट जिला पुलिस के सीआईए स्टाफ ने अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह से जुड़े तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 पिस्टल बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमृतसर निवासी राजबीर सिंह उर्फ अमित, अमर सिंह उर्फ अमर और दीप सिंह उर्फ दीपक के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गिरोह पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियार मंगवाने की गतिविधियों में शामिल है।

पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर केंद्रीय मॉडर्न जेल के आसपास कार्रवाई कर आरोपियों को काबू किया। थाना सिटी फरीदकोट में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरोह के अन्य सदस्यों और हथियारों की सप्लाई नेटवर्क की जांच की जा रही है। पुलिस को बड़ी वारदात की साजिश से जुड़े अहम सुराग मिलने की संभावना है।

दिल्ली वोटर लिस्ट से नाम हटाने के खिलाफ़ याचिका पर एससी 21 सितंबर को सुनवाई करेगा

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली में 'स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न' (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत वोटर लिस्ट से नाम हटाने के खिलाफ़ दायर याचिका पर 21 सितंबर को सुनवाई करने पर सहमति जताई। चीफ़ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी। मोहना की बेंच ने कहा कि वह इस मामले पर सुनवाई करेगी क्योंकि एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े अन्य मामले भी अगले हफ़्ते लिस्टेड हैं। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि दिल्ली में वोटर लिस्ट से जिन 47 लाख लोगों के नाम हटाए गए हैं, उनमें से चुनाव आयोग ने 33 लाख लोगों को नोटिस जारी किया है। उन्होंने यह नहीं बताया है कि किन लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं या किन आधारों पर उनके नाम हटाए गए हैं।

उन्होंने यह खुलासा नहीं किया है कि किन लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। इसमें क्या तार्किक विसंगतियां हैं और उन्हें कैसे अनमैप किया गया है? भूषण ने कहा। 31 अगस्त को चुनाव आयोग ने एक ड्राफ़्ट वोटर लिस्ट जारी की, जिसके तहत कुल 1.45 करोड़ वोटरों की लिस्ट से 47 लाख वोटरों के नाम हटा दिए गए। वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न' के तहत जारी ड्राफ़्ट वोटर लिस्ट से दिल्ली में लगभग हर तीन में से एक वोटर का नाम हटा दिया गया। चुनाव आयोग ने कहा था कि एसआईआर के दौरान 43.32 लाख से ज़्यादा वोटर या तो कहीं और चले गए थे या अनुपस्थित पाए गए, 2.82 लाख से ज़्यादा वोटर मृत पाए गए, जबकि 1.41 लाख से ज़्यादा वोटर कई जगहों पर रजिस्टर्ड थे।

एनआईए कोर्ट ने पहलगाम हमले से जुड़े एलईटी कमांडर सैफुल्ला के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया

जम्मू, 17 सितंबर (एजेंसियां)। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि जम्मू की एक विशेष एनआईए कोर्ट ने पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) कमांडर सैफुल्ला के खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया है। सैफुल्ला का नाम अप्रैल 2025 के पहलगाम नरसंहार सहित कई बड़े आतंकी हमलों से जुड़ा है।पाकिस्तान के कसूर जिले के चंगा मांगा गांव का रहने वाला सैफुल्ला कई नामों से भी जाना जाता है, जिनमें साजिद जट्ट, अली भाई, हबीबुल्लाह मलिक, लंगड़ा, नूमी, नुमान, उस्मान हबीब और शानी शामिल हैं।

उसे इस आतंकी संगठन की गतिविधियों में एक अहम व्यक्ति माना जाता है और वह दो दशकों से अधिक समय से सक्रिय है। यह एनबीडब्ल्यू तब जारी किया गया है जब एनआईए ने पाकिस्तानी आतंकवादी अब्दुल्ला (उर्फ अबू हुरैरा) के नेतृत्व वाले एलईटी के एक गहरे पैठ वाले मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। अब्दुल्ला को इस साल की शुरुआत में एक अन्य पाकिस्तानी साथी उस्मान (उर्फ खुबैब) और तीन स्थानीय सहयोगियों के साथ गिरफ्तार किया गया था।

8 सितंबर को विशेष एनआईए कोर्ट द्वारा जारी आदेश का हवाला देते हुए अधिकारी ने बताया कि यह मामला तब सामने आया जब जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मार्च में श्रीनगर के पंडाच इलाके में एक एलईटी ऑपरेटिव को पकड़ा। इसके बाद पूरे समूह की सफल गिरफ्तारी हुई, खासकर अब्दुल्ला की, जो 16 साल से फरार था और जिसने केंद्र शासित प्रदेश के बाहर अपने ठिकाने बना लिए थे।आतंकी मॉड्यूल में अपनी भूमिका के लिए एलईटी कमांडर के खिलाफ एनबीडब्ल्यू की मांग करते हुए, एनआईए ने कोर्ट को बताया कि सैफुल्ला - जिसे यूएपीए की चौथी अनुसूची के तहत एक आतंकवादी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है - पाकिस्तान से काम कर रहा है और कश्मीर घाटी में आतंकवादियों को हथियार, फंड और निर्देश मुहैया करा रहा है।

बंगाल में आईपीएस अधिकारी का ट्रांसफर

महबूबा ने बीजेपी को असुरक्षित बताया, मुसलमानों की शब्दावली पर नज़र रखने का आरोप लगाया

जम्मू, 17 सितंबर (एजेंसियां)। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ़्ती ने गुरुवार को बीजेपी पर असुरक्षित होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र में सत्ताधारी पार्टी अब देश में मुस्लिम समुदाय की शब्दावली (बोलचाल के शब्दों) पर भी नज़र रख रही है।पश्चिम बंगाल के खड़गपुर में एएसपी का पद संभालने के सिर्फ़ ढाई महीने बाद ही आईपीएस अधिकारी बुशरा बानो का ट्रांसफर कर दिया गया था। आरोप है कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि उन्होंने एक वीडियो में मुसलमानों वाले अभिवादन (ग्रीटिंग्स) का इस्तेमाल किया था।

इस मामले का ज़िक्र करते हुए महबूबा ने कहा कि ऐसी घटनाओं से अब अल्पसंख्यक समुदाय को हैरानी नहीं होती।जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'अस्सलाम-ओ-अलैकुम', 'इंशाअल्लाह' और 'जाज़ाकल्लाह' कहने पर बुशरा बानो का ट्रांसफर, और उसके बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री (सुवेंदु अधिकारी) का चुनाव को मुसलमानों की वफ़ादारी का 'टेस्ट' बताना – जो पूरे समुदाय के लिए एक छिपी हुई धमकी थी इन बातों से अब हमें हैरानी नहीं होती।

उन्होंने कहा कि यह मज़ेदार बात है कि शांति और ईश्वर के आशीर्वाद की कामना करने वाले साधारण शब्दों ने एक बड़ी राजनीतिक पार्टी को हिलाकर रख दिया है। हैरानी की बात तो यह है कि तीन साधारण शब्द 'आप पर शांति हो', 'ईश्वर की मर्ज़ी से', और 'ईश्वर की तारीफ़ हो' ज़ाहिर तौर पर इतनी बड़ी और ताकतवर पार्टी को हिला सकते हैं। पहले हमारे खाने, कपड़ों और शादी पर नज़र रखी गई, और अब हमारी शब्दावली और हमारे वोटों पर भी नज़र रखी जा रही है। असुरक्षा का दूसरा नाम ही बीजेपी है, महबूबा ने कहा।

ईडी ने गोपाल कांडा के ठिकानों पर की छापेमारी, रियल स्टेट में हेराफेरी के आरोप

गुरुग्राम, 17 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा के पूर्व राज्य मंत्री गोपाल कांडा के ठिकानों पर गुरुवार को छापेमारी की है। जांच एजेंसी गुरुग्राम स्थित वाटिका लिमिटेड द्वारा किए गए बड़े पैमाने पर रियल एस्टेट में हुई हेराफेरी की जांच कर रही है। इस मामले में निवेशकों को कमर्शियल प्रोजेक्ट्स में निवेश करने के लिए लुभाया गया था। उन्हें समय पर कब्जा, पक्का रिटर्न, लीज रेंटल और सेल डीड पूरा करने का भरोसा दिया गया था। जांच के दायरे में आए चार प्रोजेक्ट्स में 661 निवेशकों से लगभग 248.46 करोड़ जमा किए गए, लेकिन आज तक न तो कब्जा दिया गया और न ही सेल डीड पूरी की गई। इसी मामले में ईडी ने पीएमएलए की धारा 17 के तहत गुरुग्राम में गोपाल कांडा से जुड़ी तीन जगहों पर छापेमारी की है।

इनमें उनका घर, फार्महाउस और ऑफिस शामिल है। आरोप है कि डायवर्ट किए गए फंड का बाद में गोपाल कांडा से जुड़ी अलग-अलग कंपनियों में ट्रांसफर कर दिया गया था। यह कोई पहला मौका नहीं है। इससे पहले भी सिरसा से पूर्व विधायक के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी हुई थी। अगस्त 2023 में ईडी की टीमों ने 21 घंटे तक उनकी संपत्तियों के

दस्तावेज खंगाले थे। ईडी के अधिकारियों ने सिविल लाइन स्थित उनके घर और एमडीएलआर एयरलाइंस के कार्यालय में एक साथ कार्रवाई शुरू की थी।

आपको बता दें कि गोपाला कांडा का सिरसा जिले में काफी प्रभाव है। 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के गोकुल सेतिया ने उन्हें हराया था। मौजूदा भारतीय जनता पार्टी कैंडिडेट ने अपना नाम वापस ले लिया था। इसके बाद भी वह चुनाव हार गए थे। गोपाल कांडा पहली बार तब सुर्खियों में आए थे जब 2012 में पूर्व एयर होस्टेस गीतिका शर्मा की आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में उनका नाम सामने आया था। उस समय वह 23 साल की थीं। कांडा को दिल्ली पुलिस ने इस मामले गिरफ्तार किया था, लेकिन 2023 में एक अदालत ने उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया था।

किरण बेदी भी सत्य निकेतन हादसे पर पहुंच गईं अदालत, केंद्र सरकार ने किया विरोध

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसे से जुड़ी जनहित याचिका में खुद को पक्षकार बनाए जाने की मांग की है। इसका केंद्र सरकार ने विरोध किया है। हाई कोर्ट में सरकार का तर्क है कि मामले में वह अपनी राय पहले ही बना चुकी है। अदालत ने सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए तीन दिन का समय दिया है। बता दें कि सत्य निकेतन इलाके में पीजी इमारत के गिरने से पांच छात्रों समेत सात लोगों की मौत हो गई थी।

इमारत काफी जर्जर थी और नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए इमारत में मंजिलें चढ़ाने का काम चल रहा था। बार एंड बेंच के मुताबिक, मामले की सुनवाई हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की खंडपीठ कर रही है। अदालत ने कहा कि प्रशासन के तौर पर किरण बेदी के व्यापक अनुभव का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, केंद्र, दिल्ली सरकार और एमसीडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने इसका विरोध किया है। उन्होंने कहा कि

सरकार सत्य निकेतन हादसे को लेकर किरण बेदी को जनहित याचिका में पक्षकार बनाए जाने का विरोध करती है। शर्मा ने अदालत को बताया कि वह बेदी की ओर से दायर पक्षकार बनाए जाने की अर्जी पर आपत्ति दर्ज करते हुए जवाब दाखिल करेंगे। मामले में अदालत ने कहा कि किरण बेदी देश की एक सजग नागरिक हैं और उनके पास व्यापक अनुभव है। यह बड़े जनहित का मामला है। अदालत ने कहा कि उनके लंबे अनुभव का इस्तेमाल किया जा सकता है और सरकार को मामले को विरोधात्मक तरीके से नहीं लेना चाहिए। हालांकि, एएसजी चेतन शर्मा ने बेदी की अर्जी का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने इस मामले में पहले ही अपनी राय बना ली है।

पति से झगड़ा सुलझाने के नाम पर ऑफिस बुलाया

फिर किया गैंगरेप; बीजेपी के पूर्व एमएलए के खिलाफ एफआईआर

मुंबई, 17 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में सनसनी फैलाने वाली एक खबर सामने आ रही है। कल्याण की रहने वाली एक महिला के साथ गैंगरेप के आरोप में कल्याण से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक नरेंद्र पवार और बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटिल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। गुरुवार को पड़घा पुलिस स्टेशन में यह मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि महिला को मदद के बहाने एक ऑफिस में बुलाया गया। यहां से उसे भिवंडी तालुका के बापगांव ले जाया गया। आरोपियों ने हथियार दिखाकर महिला को धमकाया, जबरन शराब पिलाई और उसके साथ गैंगरेप किया।

पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आगे की जांच कर रही है। शिकायत के मुताबिक, पूर्व विधायक नरेंद्र पवार ने 22 साल की विवाहित महिला को अपने पति के साथ चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए अपने ऑफिस बुलाया था। 13 सितंबर को पवार और उनके सहयोगी

शैलेश पाटिल उसे भिवंडी तालुका के बापगांव में एक निजी प्रॉपर्टी पर ले गए। पूर्व विधायक के रात 2:00 बजे वहां से चले जाने के बाद शैलेश पाटिल ने भी पीड़िता का यौन शोषण किया। बाद में सुबह 4:00 बजे शैलेश पाटिल की प्रॉपर्टी के केयरटेकर ने पीड़िता को उसके घर छोड़ दिया। महिला द्वारा दिखाए गए वीडियो और लिखित सबूतों की जांच करने के बाद कंचन कुलकर्णी बुधवार देर रात उसे पड़घा पुलिस स्टेशन ले गईं। पड़घा पुलिस स्टेशन ने शिकायत की पुष्टि करने के बाद पवार और पाटिल के खिलाफ गैंगरेप और हथियारों के साथ आपराधिक धमकी देने जैसे आरोपों में एफआईआर दर्ज कर ली है।

10वी में अच्छे नंबर का झांसा देकर 45 दिन किया था दुष्कर्म, हाईकोर्ट ने उम्रकैद की सजा को रखा बरकरार

कोच्चि, 17 सितंबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के एक पूर्व कर्मचारी को दोषी ठहराए जाने और उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। उस कर्मचारी पर 2009 में केरल और तमिलनाडु में कई जगहों पर 45 दिनों तक एक स्कूली छात्रा के साथ दुष्कर्म करने का आरोप था।

जस्टिस राजा विजयराघवन वी और केवी जयकुमार की बेंच ने पाया कि सिंचाई विभाग के तत्कालीन 36 वर्षीय कर्मचारी (आरोपी) ने 14-15 साल की लड़की का अपहरण किया। उसे केरल और तमिलनाडु में कई जगहों पर ले गया और लगभग 45 दिनों तक उसके साथ दुष्कर्म किया। बेंच ने कहा कि आरोपी ने नाबालिग लड़की का अपहरण इस बहाने से किया था कि अगर वह किसी खास चर्च में कुछ प्रार्थनाओं में शामिल होगी, तो उसे भगवान का आशीर्वाद मिलेगा और वह 10वीं कक्षा की परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सकेगी।

इसके बाद आरोपी उसे कई जगहों पर ले गया, जबरदस्ती और चोट पहुंचाने का डर दिखाकर उसकी मर्जी के बिना उसके साथ दुष्कर्म किया। हाई कोर्ट ने आरोपी की सजा और दोषसिद्धि के खिलाफ अपील को खारिज करते हुए कहा, 'इस मामले के तथ्यों, परिस्थितियों और सबूतों पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, हमें लगता है कि अपीलकर्ता सजा के मामले में किसी भी नरमी का हकदार नहीं है।' आरोपी ने दावा किया था कि उसे झूठे मामले में फंसाया गया था और लड़की अपनी मर्जी से उसके साथ गई थी। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि उसे झूठे बहाने से अगवा किया गया था और फिर चोट पहुंचाने की धमकी देकर कई जगहों पर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। आरोपी के दावों को खारिज करते हुए बेंच ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपीलकर्ता के खिलाफ आरोप को बिना किसी उचित संदेह के साबित करने में सफल रहा है।

बेंच ने आगे कहा कि पीड़िता का बयान पूरी तरह से विश्वसनीय, स्वाभाविक और सच्चा माना जा सकता है। उसके बयान की पुष्टि मेडिकल सबूतों से भी होती है। हाई कोर्ट ने कहा, 'बचाव पक्ष की झूठे मामले में फंसाने की कहानी बहुत ही अविश्वसनीय है। सेशंस जज ने मौखिक और दस्तावेजी दोनों तरह के सबूतों की बारीकी से जांच करने के बाद सही निष्कर्ष निकाला है। अपील में कोई दम नहीं है और इसे खारिज किया जाना चाहिए।

कांग्रेस नेता की कार रोककर जमकर पीटा, फायरिंग की चर्चा; आरोपी फरार

रामनगर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। रामनगर में युवा कांग्रेस पूर्व नगर अध्यक्ष गोपाल सिंह अधिकारी की कार को रोककर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने कार को क्षतिग्रस्त गोपाल अधिकारी के साथ मारपीट कर उसे बुरी तरह घायल कर दिया। इस दौरान आसपास मॉर्निंग वॉक पर गए लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों की भीड़ देख आरोपी फरार हो गए। बताया जा रहा इस दौरान फायरिंग करने की भी चर्चा है। वहीं पुलिस ने पीड़ित को काशीपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, रामनगर निवासी गोपाल सिंह अधिकारी अपनी कार संख्या यूके 06 एडब्लू 7879 से ट्रांसपोर्ट नगर स्थित अपने ऑफिस से कोसी बैराज की ओर जा रहा था। इस दौरान कुछ आरोपियों ने इनका पीछा करते हुए कार को रोका। इसके बाद आरोपी ने ईंट से कार का शीशा तोड़ते हुए गोपाल अधिकारी पर पत्थर से हमला कर दिया। इसके बाद आसपास मौजूद लोगों की भीड़ लग गए। जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। वहीं सूचना पर पहुंचे ने पुलिस पीड़ित को काशीपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जबकि मौका मुआयना कर मामले की जांच शुरू कर दी। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा में आरोपियों की पहचान की जा रही है।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने 'आरक्षण विरोधी प्रदर्शन' रोकने पर लगाई फटकार, कहा- बैन कैसे लगा सकते हैं?

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने 'आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन' के लिए दिल्ली में इजाजत नहीं देने पर पुलिस को फटकार लगा दी है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने क्षत्रिय करणी सेना की ओर से दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए सवाल उठाया कि इस तरह ब्लैंकेट बैन (पूर्ण प्रतिबंध) कैसे किया जा सकता है।

करणी सेना की ओर से पेश हुए अधिवक्ता रोशन धनाई ने अदालत को बताया कि दो याचिकाएं उनकी ओर से दायर की गई हैं। पहली मेटा, फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप की ओर से अकाउंट सस्पेंड किए जाने को लेकर है। उन्होंने कहा कि बाद में इंस्टाग्राम अकाउंट को बहाल कर दिया गया। लेकिन फेसबुक अकाउंट पर लाइव वीडियो और वॉट्सऐप नंबर अभी तक सस्पेंड हैं। दूसरी याचिका जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति को लेकर है। अदालत ने दिल्ली पुलिस से आवेदन पर विचार करने को कहा था। धनाई ने कहा, 'एसीपी ने हमें बुलाया और कहा कि अनुमति दी जाएगी।

इसके बाद उन्होंने 15 तारीख को एक लेटर भेजकर कहा कि इजाजत नहीं दी जा सकती है क्योंकि हमें आशंका है कि आप जितना दावा कर रहे हैं उससे अधिक लोग आ सकते हैं और इन्हें नियंत्रित नहीं किया जा सकेगा।' इस पर

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने दिल्ली पुलिस से पूछा, 'आपने खारिज कर दिया? क्यों? क्या इस तरह का आदेश दिया जा सकता है? बस इसलिए कि आपको आशंका हैं कि कुछ लोग आ सकते हैं? आप ऐसा आदेश कैसे दे सकते हैं?' जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने आगे कहा, 'पिछली तारीख पर मैंने भी साफतौर पर कहा था कि आप शर्तें और कुछ बंदिशें लगा सकते हैं और फिर उन्हें इजाजत दे सकते हैं और यह सिर्फ कुछ घंटों के लिए है। आप कुछ शर्तें लगा दीजिए और अनुमति दीजिए।

आप मना कैसे कर सकते हैं?' दिल्ली पुलिस की ओर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए एएसजी चेतन शर्मा ने कहा, 'हमने सुप्रीम कोर्ट के कुछ दिशानिर्देशों का जिक्र किया है। हम उसी के मुताबिक काम कर रहे हैं। यह संवेदनशील इलाका है। दूसरों को भी लगातार मना किया जा रहा है।' उन्होंने जगह की कमी और सोशल मीडिया पर लाइक्स का जिक्र करते हुए आशंका जताई कि भीड़ जंतर-मंतर की क्षमता से अधिक हो सकती है। इस पर धनाई ने कहा कि दर्शक सिर्फ दिल्ली से नहीं बल्कि पूरी दुनिया से हैं। जितने व्यू हैं उतने लोग जंतर-मंतर पर नहीं आ जाएंगे। जंतर-मंतर ऐतिहासिक रूप से धरना-प्रदर्शन की जगह है।

यहां दिल्ली पुलिस का अच्छा नियंत्रण है। जस्टिस शर्मा ने कहा, 'क्या आप यह भी कह रहे हैं कि स्थान को बदला जा सकता है और तब इसकी अनुमति दी जा सकती है?' एएसजी ने कहा कि इस पर विचार किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जब भी जंतर-मंतर पर जुटान होता है तो यह पूरे सेंट्रल दिल्ली को प्रभावित करता है।

जस्टिस शर्मा ने कहा, 'मैं पूछ रही हूं कि पूर्ण प्रतिबंध कैसे हो सकता है।' अदालत ने पूछा कि क्या कुछ बंदिशों और स्थान बदलकर अनुमति दी जा सकती है जिस पर एएसजी ने कहा कि वह निर्देश लेकर आएंगे। मामले की अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी।

असम से फर्जी कागज बनवा केरलम पहुंचीं

एक छापे से खुल गया राज, कन्नूर में बांग्लादेश की चार महिलाएं गिरफ्तार

कन्नूर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। केरलम के कन्नूर में अवैध रूप से रहकर शहर के एक स्पा में काम करने के आरोप में बांग्लादेश की चार महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान नाजमा अख्तर (40), तस्लीमा खातून (25), मोयना खातून (29) और नसरी बीबी (28) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ अवैध प्रवासी कन्नूर के ओडेनपरम्बु इलाके में स्थित एक किराए के मकान में रह रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने अदालत से तलाशी वारंट हासिल किया और मकान पर छापा मारा। तलाशी के दौरान पुलिस को महिलाओं के पास से बांग्लादेश में जारी पहचान पत्र मिले। इसके अलावा उनके पास से फर्जी भारतीय पहचान दस्तावेज भी बरामद किए गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन दस्तावेजों के आधार पर उनके भारत में रहने की स्थिति की जांच की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, चारों महिलाएं पिछले कई महीनों से कन्नूर शहर के एक स्पा में काम कर रही थीं। पूछताछ के दौरान उन्होंने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि भारत आने से पहले उन्होंने असम से फर्जी दस्तावेज हासिल किए थे। इसके बाद वे काम की तलाश में केरलम पहुंचीं। चारों महिलाओं के खिलाफ इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद चारों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि कन्नूर में मंगलवार को भी बांग्लादेश की एक अन्य महिला को भारत में कथित तौर पर अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस अब इन मामलों की आगे जांच कर रही है।

सु वि चा र
सबके प्रति समान स्नेह रखने से आप धैर्य का जीवन जी सकते हैं

दक्षिण मध्य रेलवे ने शुरू किया 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान-2026

> महाप्रबंधक ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे की ओर से 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक 'स्वच्छता ही सेवा' -2026 अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष अभियान की थीम 'स्वच्छता में सहभागिता; स्वच्छ भारत, विकसित भारत' रखी गई है।

इसी क्रम में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार शीवास्तव ने गुरुवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के प्रधान प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे। अभियान का समापन 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर 'सेवा दिवस' (कम्युनिटी सर्विस डे) के रूप में किया जाएगा। रेलवे की ओर से स्वच्छता से जुड़े दो अन्य अभियान भी चलाए जाएंगे। स्वच्छता पखवाड़ा-2026 का आयोजन 1 से 15 अक्टूबर तक और विशेष अभियान 6.0 का आयोजन 2 से 31 अक्टूबर तक किया जाएगा। स्वच्छता ही सेवा और स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान रेलवे परिसर में जनभागीदारी बढ़ाने, स्वच्छता को मजबूत करने और नियमित रूप से स्वच्छता गतिविधियां जारी रखने पर जोर रहेगा।

वहीं विशेष अभियान 6.0 के तहत संस्थागत स्तर पर स्वच्छता, लंबित मामलों के निस्तारण, स्थान प्रबंधन और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस वर्ष ई-कचरे के प्रभावी संग्रह, पृथक्करण और निस्तारण को भी अभियान में प्रमुखता दी गई है। अभियान के दौरान रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों और रेलवे कार्यालयों में विभिन्न स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने और स्वच्छ आदतें अपनाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे।

इस मौके पर महाप्रबंधक संजय कुमार शीवास्तव ने अधिकारियों और कर्मचारियों से स्वच्छता ही सेवा अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल विशेष अभियानों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन का नियमित हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों से अपने परिवार, पड़ोस और आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने तथा रेलवे परिसरों और उनके आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने में योगदान देने का आह्वान किया।

2 किलो गांजा सहित एक व्यक्ति गिरफ्तार

आदिलाबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को नड्डुमगुडा गांव में गांजा तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके पास से 5 लाख रुपये कीमत का दो किलो सूखा गांजा ज़ब्त किया।

नर्नूर इंस्पेक्टर अंजम्मा ने बताया कि नड्डुमगुडा में वाहनों की जांच के दौरान चोरगांव गांव के तकाडा मोहन सिंह को गांजा रखने के आरोप में हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान, मोहन सिंह ने आसानी से पैसे कमाने के लिए गांजा बेचने की बात कबूल की।

पुलिस ने गांजा की खेती, परिवहन और बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

गौलीगुडा गुरुद्वारा 100 वर्ष का हुआ सिख शताब्दी समारोह की भव्य तैयारियां

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गौलीगुडा स्थित ऐतिहासिक सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब 19 और 20 सितंबर, 2026 को धार्मिक और सामुदायिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के साथ अपनी शताब्दी मनाएगा। 1926 में स्थापित, यह गुरुद्वारा हैदराबाद में सिख धर्म, सामुदायिक जीवन और सेवा के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में 100 वर्ष पूरे कर चुका है। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा तेलंगाना भर के सिख गुरुद्वारों के सहयोग से आयोजित शताब्दी समारोह में हैदराबाद और राज्य के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं और सिख समुदाय के सदस्यों के शामिल होने की उम्मीद है। शताब्दी समारोह का मुख्य कार्यक्रम, विशाल दीवान, 20 सितंबर को नामपल्ली रोड स्थित प्रदर्शनी मैदान में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा ।

इस सामूहिक धार्मिक आयोजन में प्रख्यात रागी जत्थे और उपदेशक भाग लेंगे और शबद कीर्तन प्रस्तुत करेंगे। कई प्रमुख सिख आध्यात्मिक और सामुदायिक नेताओं के भाग लेने की उम्मीद है, जिनमें नांदेड़ के तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब के जत्थेदार सिंह साहिब संत बाबा कुलवंत सिंहजी और नांदेड़ और दिल्ली के अन्य धार्मिक नेता शामिल हैं। 19 सितंबर को रात 8 बजे से 11:30 बजे तक सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब में विशेष कीर्तन दरबार आयोजित किया जाएगा । उसी दिन सुबह 9 बजे अमृत संचार कार्यक्रम भी होगा। समारोह के दौरान श्रद्धालुओं को गुरु का लंगर परोसा जाएगा। सिख समुदाय इस शताब्दी को आध्यात्मिक विरासत, सामुदायिक सेवा और हैदराबाद के साथ गुरुद्वारे के अटूट संबंध के एक शताब्दी के उत्सव के रूप में देख रहा है।

'कोमरम भीम और चकली ऐलम्मा ने विद्रोह क्यों किया?' : किशन रेड्डी

> केन्द्रीय मंत्री ने रेवंत द्वारा निज़ाम की प्रशंसा पर सवाल उठाया

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से विधानसभा में निज़ाम काल के प्रशासनिक रिकॉर्ड की प्रशंसा करने वाली अपनी टिप्पणी पर स्पष्टीकरण मांगा है और सवाल उठाया है कि इस तरह की प्रशंसा को निज़ाम शासन के अंतिम वर्षों से जुड़े प्रतिरोध आंदोलनों और अत्याचारों के साथ कैसे मेल खाया जा सकता है।

हैदराबाद मुक्ति दिवस की पूर्व संध्या पर 16 सितंबर को विधानसभा में रेवंत रेड्डी की टिप्पणियों ने एक राजनीतिक विवाद को जन्म दिया। खबरों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि रजाकारों के शासनकाल के अंतिम 10 से 12 वर्षों को छोड़कर, निज़ामों ने दो शताब्दियों से अधिक समय में महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्य किए थे।

गुरुवार को सिकंदराबाद परेड ग्राउंड में हैदराबाद मुक्ति दिवस समारोह में की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, किशन रेड्डी ने पूछा कि अगर निजाम शासन उतना ही अनुकरणीय था जितना बताया गया है, तो कोमाराम भीम और चकाली ऐलम्मा जैसी हस्तियों ने विद्रोह क्यों किया था। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर प्रशासन वास्तव में उदार था, तो तत्कालीन हैदराबाद राज्य के गांवों में लोगों ने सुरक्षा के लिए 'बुरुजुलु' (पहरेदारी मीनारें) क्यों बनाई थीं। उन्होंने मुख्यमंत्री को तेलंगाना की जनता के सामने अपनी टिप्पणियों का स्पष्टीकरण देने की चुनौती दी। किशन रेड्डी ने विशेष रूप से तेलंगाना संघर्ष से जुड़े प्रतिरोध साहित्य का आह्वान किया, जिसमें उन्होंने जन कवि बंदी यादगिरी और निजाम सरकार पर सवाल उठाने वाली उनकी प्रसिद्ध पंक्तियों का उल्लेख किया। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस और बीआरएस पर निजाम और रजाकार काल से जुड़ी पीड़ाओं को पर्याप्त रूप से स्वीकार करने में विफल रहने का आरोप लगाया, और कहा कि राजनीतिक विचारों ने उस काल के इतिहास को प्रस्तुत करने के तरीके को प्रभावित किया था। किशन रेड्डी ने कहा कि निज़ाम शासन और रजाकारों के खिलाफ लड़ने वालों के बलिदान को याद रखा जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दौरान हुए अत्याचारों, मंदिरों पर हमलों और हिंसा को राजनीतिक कारणों से नजरअंदाज किया गया या उन पर अपर्याप्त चर्चा की गई।

वित्तीय विवाद में युवक ने की अधेड़ की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चिलकलगुडा पुलिस ने मायलारगड्डा में इम्मड़ी शीनिवास की चाकू मारकर हत्या के मामले में मोहम्मद निजामुद्दीन उर्फ निजाम (36) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 15 सितंबर की शाम शीनिवास एक्टिवा घर से बाहर निकले थे।

इसी दौरान मायलारगड्डा रोड पर आरोपी ने कथित तौर पर चाकू से उनके पेट पर हमला कर दिया। गंभीर हालत में उन्हें पहले आरटीसी अस्पताल और फिर गांधी अस्पताल ले जाया गया,

जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जांच में सामने आया कि आरोपी का शीनिवास के बेटे सुमन के साथ कारोबारी और आर्थिक लेन-देन था। शेयर बाजार में नुकसान के बाद सुमन नवंबर 2023 से घर से लापता है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने सुमन के जरिए रकम निवेश की थी, लेकिन पैसा वापस नहीं मिलने से वह नाराज था। इस विवाद को लेकर उसने 2024 में सिविल कोर्ट में मुकदमा भी दायर किया था। पुलिस का कहना है कि रकम की वसूली नहीं होने और सुमन के नहीं मिलने से आरोपी ने बदला लेने के लिए उसके पिता की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल धारदार चाकू, खून से सने कपड़े और टीवीएस एनटॉर्क स्कूटर बरामद किया है। चिलकलगुडा थाना प्रभारी वी. रामकृष्ण, एसआई जे. राकेश और उनकी टीम ने एसीपी के. शशांक रेड्डी की निगरानी तथा एडिशनल डीसीपी जे. नरसैया के नेतृत्व में आरोपी को गिरफ्तार किया। सिकंदराबाद जोन की डीसीपी रक्षिता कृष्ण मूर्ति ने लोगों से आर्थिक और व्यक्तिगत विवादों का समाधान कानूनी माध्यम से करने की अपील करते हुए चेतावनी दी कि कानून हाथ में लेकर हिंसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पोंगुलेटी ने केसीआर की संपत्ति में हुई वृद्धि पर सवाल उठाया

2004 के हलफनामे में मौजूद विसंगतियों का हवाला दिया

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी शीनिवास रेड्डी ने गुरुवार को एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया, जिसमें उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के चुनावी हलफनामों में विसंगतियों को उजागर करते हुए बीआरएस नेतृत्व पर सत्ता में अपने एक दशक के दौरान बड़े पैमाने पर संपत्ति संचय का आरोप लगाया। केसीआर द्वारा 2004 के करीमनगर लोकसभा चुनाव के दौरान दिए गए बयान का हवाला देते हुए, जिसमें बीआरएस प्रमुख ने शून्य एकड़ जमीन के मालिक होने की बात कही थी, मंत्री ने सवाल उठाया कि परिवार ने पिछले दो दशकों में इतनी विशाल भू-संपत्ति कैसे हासिल कर ली।

'एक्स' पर एक पोस्ट में, पोंगुलेटी शीनिवास रेड्डी ने आरोप लगाया कि कलवाकुंतला परिवार ने तेलंगाना आंदोलन के कार्यकर्ताओं की कीमत पर धन अर्जित किया, और उन पर सरकारी, आवंटित और दलितों के स्वामित्व वाली जमीनों पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाया। मंत्री ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) को टैग करते हुए स्पष्टीकरण की मांग की कि क्या पिछले चुनाव संबंधी खुलासे फर्जी थे या पैतृक भूमि जोत के संबंध में हालिया दावे भ्रामक थे।

IN THE COURT OF THE HON'BLE I SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT AT HYDERABAD
S.O.P. No. 80 OF 2026
BETWEEN:
...Petitioners
AND
1. The Union Bank of India and another
...Respondents
[illegible]
ABUZAR AHMED KHAN, ADVOCATE

स्कूलों के लिए 13 दिन की दशहरा छुट्टियों का ऐलान

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस साल राज्य भर के स्कूली स्टूडेंट्स को दशहरा का त्योहार मनाने के लिए 13 दिन मिलेंगे। तेलंगाना स्कूल शिक्षा विभाग के ऐलान के मुताबिक, मैनेजमेंट चाहे जो भी हो, सभी स्कूलों में 10 से 22 अक्टूबर तक दशहरा की छुट्टियां रहेंगी।

छुट्टियों के बाद, स्कूल 23 अक्टूबर को फिर से खुलेंगे। दशहरा की छुट्टियों से पहले, स्टूडेंट्स की 'समेटिव असेसमेंट-I' परीक्षा होगी, जो 1 अक्टूबर से शुरू होगी। प्राइमरी सेक्शन की परीक्षा 5 से 9 अक्टूबर तक होगी, जबकि छठी से दसवीं क्लास के स्टूडेंट्स की परीक्षा 1 से 9 अक्टूबर तक होगी। इस बीच, स्कूलों की तरह जूनियर कॉलेजों में भी छोटी छुट्टियां होंगी। तेलंगाना बोर्ड ऑफ़ इंटरमीडिएट एजुकेशन ने 10 से 21 अक्टूबर तक दशहरा की छुट्टियों का ऐलान किया है और कॉलेज 22 अक्टूबर को फिर से खुलेंगे। छोटी छुट्टियों से पहले, स्टूडेंट्स को छमाही परीक्षा देनी होगी जो 3 से 9 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी।

हत्या के मामले में दोषी को उम्रकैद नामपल्ली अदालत ने सुनाया फैसला

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की नामपल्ली अदालत ने वर्ष 2020 के एक सनसनीखेज हत्या के मामले में आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

माननीय IV अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जे. विक्रम की अदालत ने सत्र मामला संख्या 282/2021 (एसआर नगर पुलिस स्टेशन अपराध संख्या 110/2020) पर सुनवाई करते हुए आंध्र प्रदेश के तिरुपति निवासी 37 वर्षीय निजी कर्मचारी मुडे राजू नाइक (A1) को भारतीय दंड संहिता की धाराओं 302 (हत्या), 379 (चोरी) और 201 (सबूत मिटाना) के तहत दोषी पाया। अदालत ने दोषी को उम्रकैद की सजा देने के साथ-साथ कुल 16 हजार का जुर्माना भी लगाया है। यह मामला 1 फरवरी 2020 को शुरू हुआ था, जब विकासपुरी कॉलोनी के रहने वाले 50 वर्षीय व्यवसायी पी. रमेश बोराबंदा जाने की बात कहकर घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। उनके बेटे पी. प्रदीप द्वारा दर्ज कराई गई गुमशुदगी की शिकायत और गहन पुलिस जांच के बाद यह मामला हत्या में बदल गया। जांच में सामने आया कि लापता होने की रात रमेश ने अपने दोस्त साई से फोन पर बात कर किसी मित्र के घर होने की जानकारी दी थी, और अगली सुबह उनके मोबाइल से परिवार को एक व्हाट्सएप संदेश मिलने के बाद फोन स्विच ऑफ हो गया था। इस

जटिल मामले को सफलतापूर्वक सुलझाने, चार्जशीट दाखिल करने और न्याय सुनिश्चित करने के लिए जांच अधिकारी इंस्पेक्टर एस. मुरली कृष्णा, वी. नरसिम्हा रेड्डी, अतिरिक्त लोक अभियोजक शीमती शीवाणी और कोर्ट ड्यूटी स्टाफ की सराहना की गई है।

तेलंगाना में स्नातक एमएलसी मतदाता सूची जारी करने का कार्यक्रम घोषित

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को तेलंगाना के दो स्नातक विधान परिषद (एमएलसी) निर्वाचन क्षेत्रों - महबूबनगर-रंगारेड्डी-हैदराबाद और वारंगल-खम्मम-नालगोंडा - के लिए मतदाता सूची तैयार करने और संशोधन करने का कार्यक्रम घोषित किया। कार्यक्रम के अनुसार, पात्र स्नातकों से मतदाता पंजीकरण के लिए आवेदन आमंत्रित करने वाली एक सार्वजनिक सूचना 20 सितंबर को जारी की जाएगी। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 6 नवंबर है। मतदाता सूची का मसौदा 25 नवंबर को प्रकाशित किया जाएगा, जिसके बाद 10 दिसंबर तक आपत्तियां और दावे प्रस्तुत किए जाएंगे। सत्यापन के बाद, दोनों निर्वाचन क्षेत्रों की अंतिम मतदाता सूची 30 दिसंबर को आधिकारिक तौर पर प्रकाशित की जाएगी। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया के लिए मौजूदा मतदाता सूचियों को रद्द कर दिया जाएगा, जिसका अर्थ है कि सभी पात्र व्यक्तियों - जिनमें पिछले चुनावों के दौरान पंजीकृत लोग भी शामिल हैं - को नई मतदाता सूची में शामिल होने के लिए नए आवेदन जमा करने होंगे। विधानसभा में आगामी रिक्तियों को देखते हुए यह पुनरीक्षण प्रक्रिया शुरू की गई है, क्योंकि वर्तमान विधायक सुरभि वाणी देवी और तीनमार मल्लन्ना का कार्यकाल समाप्त होने वाला है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. 14665087N, Hav, Satish Kumar S, R/o, Vill: Athi Pattu, Dist: Thiruvallur, Tamil Nadu, changed my name from Satish Kumar S to Sathish Kumar S, vide Affidavit No. BU 316655 dt. 16.09.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

I, No. 14673915H, NK, Jagtap Bhushan Namdev, R/o, Dist : Satara, Maharashtra, changed my Mother's name from Permila Namdev to Pramila Namdev Jagtap, vide Affidavit No. 995675 dt. 16.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14673915H, NK, Jagtap Bhushan Namdev, R/o, Dist: Satara, Maharashtra, changed my Father's name from Namdev to Namdev Narayan Jagtap, vide Affidavit No. 995677 dt. 16.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14656108 X, Hav, Amit Kumar Singh, R/o, Dist: Khagaria, Bihar, changed my Son's name from Amitanshu to Amitanshu Singh, vide Affidavit No. 995679 dt. 16.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डीअन्नारम, हैदराबाद -500036, तेलंगाना, भारत
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad-500 036, Telangana, India
040-24067388
9493627388
Website: http://niimh.nic.in

अधिसूचना. 06/2026

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजना के लिए **"एसआरएफ (वनस्पति विज्ञान)"** के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक उम्मीदवार विस्तृत विवरण और आवेदन की आवश्यकताओं को आधिकारिक वेबसाइटों http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड कर सकते हैं। किसी भी अन्य स्पष्टीकरण/जानकारी के लिए, कृपया सभी कार्य दिवसों (working days) में कार्यालय समय के दौरान मोबाइल नंबर 9493627388 पर संपर्क करें।

प्रभारी सहायक निदेशक

आकार: 8x8

रांची आरएसएस कार्यालय पर पेट्रोल बम हमले के तार बिहार तक पहुंचे?

ईडी ने 4 राज्यों में एक साथ की छापेमारी

पटना, 17 सितंबर (एजेंसियां)। रांची के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय पर हुए पेट्रोल बम हमले की जांच में प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। दिल्ली स्थित प्रवर्तन निदेशालय की टीमों ने दिल्ली, बिहार, झारखंड और कर्नाटक में चार ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली। यह कार्रवाई जून में रांची के निवारणपुर स्थित संघ कार्यालय पर हुए हमले से जुड़े मामले में की गई है। मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी कर रही है।

प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में नई प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान दूसरे राज्यों में भी हमले से जुड़े लोगों और ठिकानों के बारे में जानकारी सामने आई। 10 सितंबर को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पटना में भी कई ठिकानों पर तलाशी ली थी। इसके बाद जांच में बिहार से जुड़े तारों की भी पड़ताल तेज हुई। बता दे कि रांची के चुटिया थाना क्षेत्र के निवारणपुर में स्थित संघ कार्यालय पर 17 जून की रात करीब साढ़े 12 बजे हमला किया गया था। आरोप है कि अज्ञात लोगों ने कार्यालय परिसर में पेट्रोल से भरी बोतलें फेंकीं। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई। संघ की ओर से मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

स्थानीय पुलिस ने प्रारंभिक जांच शुरू की और बाद में मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दी गई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की कार्रवाई के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय भी मामले में सक्रिय हुआ है।

गुरुवार की तलाशी में संदिग्ध लेन-देन, धन के स्रोत और हमले से जुड़े संभावित आर्थिक संबंधों की जांच की जा रही है। एजेंसी ने चार राज्यों में एक साथ कार्रवाई कर मामले से जुड़े दस्तावेज और अन्य सामग्री खंगाली है। फिलहाल ईडी की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

अखिलेश ने एक्सप्रेसवे का दिखाया वीडियो

बोले- अब निर्माण पूरा बाद में होता है टूटने पहले लगता है

लखनऊ, 17 सितंबर (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार में बने एक्सप्रेस वे की हालत को लेकर कहा कि भाजपा सरकार में किसी प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य पूरा बाद में होता है गिरना पहले शुरू हो जाता है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था और उसका मेंटीनेंस अभी भी जारी है। अखिलेश यादव सपा कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने भाजपा सरकार में बने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के टूटने को लेकर वीडियो भी दिखाया और कहा कि ऐसा लगता है कि दिल्ली और लखनऊ वालों के बीच मुकाबला चल रहा है कि किसके पास ज्यादा मुनाफा होगा। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में बने रिवरफ्रंट और अन्य निर्माण की क्वालिटी सबसे अच्छी है। आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे का डिजाइन सबसे अच्छा है और भाजपा के लोग अब इसे खराब कर रहे हैं। रिवरफ्रंट पर लगे फव्वारे भी वैसे ही हैं। बच्चों को दिए गए लैपटॉप भी अभी वैसे के वैसे हैं।

एसएचओ पूनम अवस्थी सस्पेंड

सीएम की जनसभा में जा रही महिला को जमीन पर पटक दिया था

फर्रुखाबाद, 17 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के फर्रुखाबाद में एसपी ने जहानगंज थानाध्यक्ष पूनम अवस्थी को सस्पेंड कर दिया है। उन पर मुख्यमत्री से न्याय मांगने जा रहे परिवार से मारपीट करने का आरोप है। पूनम अवस्थी ने परिवार की एक महिला को बाल पकड़कर जमीन पर पटक दिया था। इसका वीडियो बनाने पर दो सिपाहियों ने मारपीट कर मोबाइल फोन छीन लिया था। जहानगंज इलाके के गांव कोरीखेड़ा में नौ महीने पहले चंद्र प्रकाश गुप्ता के 10 साल के बेटे आशुतोष गुप्ता का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। अभी तक पुलिस इस मामले का खुलासा नहीं कर सकी है। बीते तीन सितंबर को पुलिस लाइन में मुख्यमंत्री की जनसभा थी। पीड़ित परिवार के लोग मुख्यमंत्री के सामने गुहार लगाने जा रहे थे। पुलिस को इस बारे में जब पता चला तो उनको घर में ही पकड़ लिया और मारपीट की।

इससे जुड़ा वीडियो सामने आने पर थानाध्यक्ष पूनम अवस्थी को सस्पेंड कर दिया गया। बता दें कि बच्चे की बहन और चाचा ने 10 सितंबर को लखनऊ में डिप्टी सीएम से मुलाकात कर न्याय मांगा था। परिवार ने थानाध्यक्ष और अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। 10 दिसंबर, 2025 को हुई बेटे आशुतोष गुप्ता के हत्या मामले में मां पूनम ने 11 लोगों के खिलाफ जहानगंज थाने में एफआईआर कराई थी।

इतने महीने बाद भी पुलिस अभी तक कातिलों का पता नहीं लगा पाई है। इससे दुखी होकर परिवार न्याय की गुहार लगाने सीएम योगी की जनसभा में जाने की तैयारी कर रहा था। पता चलते ही पुलिस इनके घर पहुंच गई और परिवार से बद्तमीजी की।

एक के बाद एक पकड़े गए दो खूंखार तेंदुए

बहराइच, 17 सितंबर (एजेंसियां)। कतर्नियाघाट वन्य जीव क्षेत्र में तेंदुए की दहशत थमने का नाम नहीं ले रही। चहलवा गांव में तेंदुआ पकड़े जाने के बाद अब भैंसा बुड़ना गांव में भी बृहस्पतिवार सुबह एक और तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। लगातार दो तेंदुए पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। जानकारी के अनुसार भैंसा बुड़ना गांव में पिछले कई दिनों से तेंदुए की चहलकदमी से ग्रामीण दहशत में थे। मवेशियों पर हमले की घटनाओं के बाद वन विभाग ने तीन दिन पहले गांव में पिंजरा लगाया था। रेंजर सुजौली नीरज श्रीवास्तव के नेतृत्व में लगाए गए पिंजरे में आज सुबह करीब 3 बजे तेंदुआ कैद हो गया। बताया गया कि पिंजरे में बकरी को चारे के रूप में बांधा गया था, जिसके लालच में तेंदुआ पिंजरे के अंदर आ गया और गेट बंद हो गया।

सुबह खेत की ओर गए ग्रामीणों ने तेंदुए को पिंजरे में कैद देखा तो वन विभाग को सूचना दी। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पिंजरे को कब्जे में लिया। वन अधिकारियों के अनुसार पकड़े गए तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

अयोध्या में बनेगा अमिताभ बच्चन का धर्मशाला आधुनिक सुविधाओं वाले होंगे 32 कमरे

अयोध्या, 17 सितंबर (एजेंसियां)। सदी के नायक अमिताभ बच्चन अपने पिता स्व।हरिवंश राय बच्चन के नाम से अयोध्या में सरयू तट के निकट धर्मशाला बनवाने जा रहे हैं। यह धर्मशाला आधुनिक सुविधाओं से लैस होगी। 5000 वर्ग मीटर में प्रस्तावित धर्मशाला में करीब 32 कमरे होंगे। धर्मशाला के निर्माण का मानचित्र कुछ दिन पहले ही हरिवंश राय बच्चन मेमोरियल ट्रस्ट के डायरेक्टर राजेश ऋषी यादव द्वारा अयोध्या विकास प्राधिकरण में प्रस्तुत किया गया है। अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अनुराज जैन ने हरिवंश राय बच्चन मेमोरियल ट्रस्ट के प्रतिनिधि द्वारा अयोध्या में प्रस्तावित धर्मशाला के निर्माण के लिए आवेदन और मानचित्र प्रस्तुत किये जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आवेदन मिला है और इस पर सम्बन्धित क्षेत्र के लोगों से आपत्तियां मांगी गयी हैं। आपत्ति प्रस्तुत करने का समय 15 के लिए दिया गया है।

उन्होंने बताया कि अभी प्रारंभिक प्रक्रिया है, आपत्ति आती है तो उसका निस्तारण करते हुए आगे की कार्यवाही की जाएगी। अयोध्या विकास प्राधिकरण के सचिव राजेश मिश्र ने बताया कि हरिवंश राय बच्चन मेमोरियल ट्रस्ट के डायरेक्टर द्वारा धर्मशाला निर्माण के लिए आवेदन दिया गया है। आवेदन दिये हुए 10 दिन हो चुके हैं और पांच दिन बाकी है। 15 दिन में आपत्ति मांगी गयी है। उन्होंने बताया कि यह धर्मशाला 5000 वर्गमीटर में 32 कमरों की प्रस्तावित है। इसके अलावा भी अन्य कार्य कराये जाने है। अभी पंजीकरण शुल्क जमा हुआ है। मानचित्र आदि का शुल्क बाद में जमा कराया जाएगा।

तीन बच्चों की मां युवती संग भागी इंस्टाग्राम पर हुई थी दोस्ती; कहा- हम दोनों प्यार करते हैं

कानपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। महाराजपुर में तीन बच्चों की मां के दिल्ली की रहने वाली एक युवती से समलैंगिक संबंधों का मामला सामने आया है। महिला 10 दिन पहले मायके से गायब हो गई थी। स्वजन ने महाराजपुर थाने में गुमसुदगी दर्ज कराई थी। 32 साल की महिला लगभग 30 वर्षीय युवती के साथ पनकी में किराए का कमरा लेकर रह रही थी। पुलिस ने महिला व युवती को हिरासत में ले लिया है। पनकी से महाराजपुर थाने लाकर दोनों से पूछताछ की जा रही है।

दोनों के साथ सरसौल निवासी एक युवक को भी पुलिस ने पकड़ा है। महिला घर जाने को तैयार नहीं है। महिला युवती के साथ ही रहने की जिद पर अड़ी है। महाराजपुर के एक गांव निवासी 32 वर्षीय महिला के दो बेटे व एक बेटी है। महिला बीती छह सितंबर को महाराजपुर क्षेत्र में ही अपने मायके से अचानक गायब हो गई थी। स्वजन ने महाराजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस जांच कर रही थी, तभी सुराग लगा कि महिला पनकी में किराए का कमरा लेकर रह रही है।

इलाहाबाद एचसी ने फिरोजाबाद के घंटाघर निर्माण पर रोक लगाई कहा- हर हाथ में मोबाइल तो घंटाघर की जरूरत क्यों?

प्रयागराज, 17 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने फिरोजाबाद के सदर बाजार स्थित पुरानी मंडी में प्रस्तावित घंटाघर के निर्माण पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि आज हर व्यक्ति के पास मोबाइल फोन है, जिसमें समय उपलब्ध है। ऐसे में 55 साल बाद घंटाघर बनाने के फैसले की प्रासंगिकता पर सवाल उठता है। यह आदेश न्यायमूर्ति जे।जे। मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ल की खंडपीठ ने एक दुकानदार की याचिका पर दिया।

याची ने कहा कि प्रस्तावित घंटाघर उसकी दुकान के सामने बनाया जा रहा है और इससे उसका कारोबार प्रभावित होगा। कोर्ट ने यह भी ध्यान में रखा कि निर्माण स्थल व्यस्त बाजार में है और वहां पार्किंग की जगह नहीं है। कोर्ट ने कहा कि घंटाघरों का अपने समय में महत्वपूर्ण उपयोग था, लेकिन वर्तमान दौर में मोबाइल फोन और कलाई घड़ी के कारण इनकी प्रासंगिकता नहीं रह गई है। 55 साल बाद पुरानी तकनीक को लागू करना अतार्किकता और मनमानी की पराकाष्ठा है।

चांदनी से शादी के लिए मुसलमान बना आयुष

पिता ने कर लिया 'कैद' ; एचसी बोला– वो आजाद है

प्रयागराज, 17 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 31 वर्षीय आयुष मलिक को आजाद कर दिया है। कोर्ट के सामने आयुष ने कहा कि उसने अपनी इच्छा से इस्लाम धर्म अपनाया है और वह एक मुस्लिम महिला से शादी करना चाहता है। उसके पिता ने इस फैसले का विरोध किया था और आरोप लगाया था कि उनके बेटे को प्रभावित या 'ब्रेनवॉश' किया गया है। हाईकोर्ट ने कहा कि बालिग व्यक्ति आम तौर पर अपनी अंतरात्मा के अनुसार अपना धर्म तय करने के लिए स्वतंत्र है। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह अपनी पसंद के धर्म को मानने और उसका पालन करने के लिए स्वतंत्र है।

साथ ही, कानून के मुताबिक अपने वैवाहिक संबंध के बारे में उचित फैसला भी ले सकता है। यह मामला बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका से जुड़ा था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि इस्लाम अपनाने और एक मुस्लिम महिला से शादी करने के फैसले के बाद आयुष को उसके पिता ने कैद कर लिया था। हाईकोर्ट ने पिता को निर्देश दिया था कि आयुष को कोर्ट के सामने पेश किया जाए। शामली पुलिस ने आयुष को हाईकोर्ट में पेश किया।

कोर्ट के सामने आयुष ने कहा कि उसने अपनी इच्छा से इस्लाम अपनाया है और वह एक मुस्लिम महिला से शादी करना चाहता है। उसने दावा किया कि उसके पिता को उसका यह फैसला पसंद नहीं था। आयुष के मुताबिक, उसके पिता ने महिला और उसके पिता के खिलाफ यूपी के अवैध धर्मांतरण रोधी कानून के तहत एफआईआर दर्ज कराई थी। बाद में शामली की सत्र अदालत ने दोनों को जमानत दे दी। आयुष ने कोर्ट को बताया कि उसे 4 जून 2026 से अवैध रूप से हिरासत में रखा गया था। उसने कहा कि इस्लाम को मानने और उसका पालन करने का फैसला उसने स्वतंत्र रूप से लिया है। वहीं, आयुष के पिता ने इन आरोपों से इनकार किया।

'शादी कर नहीं रहे थे, अब मेरी तलाश मत करना', जिसे 2 दिन तक तलाशा, वो बॉयफ्रेंड संग फरार, नोटबुक से खुला राज

गोरखपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के गोरखपुर से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां 15 साल की एक किशोरी अपने बॉयफ्रेंड के साथ फरार हो गई। दो दिनों तक परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिली। इसी दौरान जब उसका स्कूल का बैग चेक किया गया, तो नोटबुक में उसने अपने प्रेमी के साथ भाग जाने की बात लिखी थी। उसने लिखा था कि कृपया आप लोग मेरी तलाश न करें, मैं अपनी मर्जी से इसके साथ जा रही हूं। परिजनों ने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय थाने में दी। पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है।

खजनी थाना क्षेत्र के रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी के भाई ने थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है कि गांव के ही एक युवक ने बहन का किडनैप कर लिया है। उसने बहन को पहले अपने प्रेम जाल में फंसाया और फिर किडनैप कर अपने साथ ले गया। युवक की तहरीर के आधार पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी है।

5 बच्चों की मां सास दामाद को ही दिल दे बैठी

मैनपुरी, 17 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी से अजीबोगरीब मामला सामने आया है। मैनपुरी कोतवाली क्षेत्र के खरगजीत नगर में एक महिला और उसके दामाद के बीच कथित प्रेम प्रसंग और साथ रहने की बात को लेकर जमकर हंगामा हुआ। बताया जा रहा है कि महिला पांच बच्चों की मां है। दामाद के साथ रहने की जिद और दावों के बाद परिवार में भारी विवाद खड़ा हो गया, जिसके बाद पुलिस ने बीच-बचाव किया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, महिला मैनपुरी के घिरोर थाना क्षेत्र की रहने वाली है, जबकि उसका दामाद कुरावली थाना क्षेत्र के सोनई अशोकपुर गांव का रहने वाला बताया जा रहा है।

रिश्तेदारी में खरगजीत नगर आए महिला और उसके दामाद को लेकर उस वक्त विवाद बढ़ गया, जब परिजनों ने दोनों के बीच कथित प्रेम संबंध होने का आरोप लगाया। चर्चा है कि महिला और उसका दामाद एक-दूसरे के साथ रहने की बात पर सहमत हैं। हालांकि, इन दावों की अभी तक स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। जैसे ही इस पूरे मामले की जानकारी महिला के बच्चों को हुई, वे तुरंत मौके पर पहुंचे और विरोध करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही देखते यह खबर पूरे इलाके में फैल गई और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।

मामले की संवेदनशीलता और हंगामे की सूचना मिलने के तुरंत बाद कोतवाली पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति को संभाला और घटनाक्रम से जुड़े लोगों से पूछताछ कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की गहनता से जांच की जा रही है और संबंधित पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस जांच के बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी कि दोनों पक्षों के बीच विवाद की असली वजह क्या है और आरोपों में कितनी सच्चाई है। फिलहाल, इस अनोखे पारिवारिक विवाद ने क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं छेड़ दी हैं।

धोखाधड़ी करने वाले कैनविज के एमडी पर एक और मुकदमा दर्ज, अब तक कुल 99 केस

लखनऊ, 17 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में कोर्ट के आदेश पर कैनविज कंपनी के मालिक कन्हैया गुलाटी और उनकी पत्नी के खिलाफ 23.50 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का मुकदमा दर्ज किया गया है। कन्हैया गुलाटी पर इसे मिलाकर अब तक कुल 99 मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। बिथरी चैनपुर क्षेत्र के मोहनपुर उर्फ रामनगर निवासी बादाम सिंह ने कैनविज कंपनी के मालिक कन्हैया गुलाटी पर निवेश के नाम पर 23.50 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कोर्ट में शिकायत की थी। बादाम सिंह ने बताया कि गांव के लोगों के माध्यम से उनकी मुलाकात कन्हैया गुलाटी से हुई थी। आरोप है, कंपनी कार्यालय में कन्हैया और उनकी पत्नी ने निवेश पर बड़े मुनाफे का झांसा दिया। इसके बाद बादाम सिंह ने अलग-अलग तिथियों में ऑनलाइन माध्यम से 22 लाख रुपये निवेश किया। बादाम सिंह ने अपने बेटे के भी 1.50 लाख रुपये कंपनी में निवेश कराये।

कन्हैया गुलाटी ने गारंटी के तौर पर उनको 11-11 लाख रुपये के दो चेक दिये। कहा, आपकी रकम 22 माह में दोगुनी होगी। इसके बाद में कन्हैया गुलाटी फरार हो गये। जब उनके आफिस पहुंचकर रकम मांगी तो गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी। परेशान होकर उन्होंने ने अदालत की शरण ली। बिथरी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कन्हैया गुलाटी पर बरेली के अलावा भी कई जिलों में धोखाधड़ी के मुकदमें दर्ज हैं।

समूह ने वर्ष 2007 में कैनविज नेटवर्क मार्केटिंग कंपनी बनाकर निवेशकों से पैसे जमा कराए गए। लोगों को तीन से चार वर्ष में धन दोगुना करने का झांसा दिया गया। भरोसा दिया गया कि मूलधन पर प्रतिमाह ब्याज भी मिलेगा। बड़ी संख्या में लोगों ने रुपये जमा किए। बाद में रियल एस्टेट में पैसा लगाने की योजना बनाई।

इसके तहत किसी को धन दोगुना करने तो किसी को कैनविज कॉलोनियों में प्लॉट का झांसा दिया गया। भरोसा जीतने के लिए कुछ निवेशकों को जमा धन का कुछ हिस्सा लाभांश के तौर पर दिया गया।

सहारनपुर के बाद लखनऊ में नकली नोटों का रैकेट पकड़ाया, दिल्ली से हो रही थी तस्करी

लखनऊ, 17 सितंबर (एजेंसियां)। सहारनपुर में करेंसी चेस्ट के अंदर 17 करोड़ से ज्यादा के नकली नोटों की बरामदगी के बीच राजधानी लखनऊ में नकली नोटों का रैकेट पकड़ा गया है। बस और ट्रेन से नकली नोटों की खेप दिल्ली से लखनऊ पहुंचाई जा रही थी। पुलिस और खुफिया एजेंसियों की आंखों में धूल झोंककर सरगना हारुन एजेंटों के जरिए आनंद विहार और अन्य बस अड्डों से नकली नोटों की खेप भेजता था। नोटों के बंडल प्लास्टिक और बाक्स में पैक होते थे। आलमबाग बस अड्डे अथवा आगरा एक्सप्रेस वे पर हारुन के भाई पहुंचकर खेप की डिलीवरी लेते थे। नाका पुलिस की तफ्तीश में यह चौकाने वाले खुलासे गिरोह के बारे में हुए हैं।

अफसरों के पास टाइम नहीं, हम गाली खाने के लिए बने हैं बीजेपी एमएलए अभिजीत सांगा का वीडियो वायरल

कानपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर के मंधना और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या को लेकर बिठूर से भाजपा विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने बिजली विभाग के अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताई। ग्रामीणों से लगातार मिल रही शिकायतों के बाद विधायक ने दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के मुख्य अभियंता से फोन पर बात की और क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की स्थिति पर सवाल उठाए। विधायक और अधिकारी के बीच बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में विधायक अधिकारी से ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धारित बिजली आपूर्ति के बावजूद पर्याप्त सप्लाई नहीं मिलने को लेकर सवाल करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने पूछा कि जब ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजली देने का प्रावधान है तो लोगों को नियमित आपूर्ति क्यों नहीं मिल रही है। विधायक ने एक्सईएन समेत अन्य अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताई। बातचीत के दौरान अभिजीत सिंह सांगा ने अधिकारियों से पूछा कि क्या उनके पास जनता की समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने का समय नहीं है। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग की लापरवाही के लिए जनता या जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। विधायक ने सख्त लहजे में कहा कि अगर अधिकारी नौकरी नहीं करना चाहते तो इसकी जानकारी दें। भाजपा विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने कहा कि 'हम क्या करें, चेयरमैन के पास टाइम नहीं है, एमडी के पास टाइम नहीं है। मंत्रियों को पास टाइम नहीं है, जनता केवल गाली खाने के लिए थोड़े ही बनी है, या हम गाली खाने के लिए बने हुए हैं।

सहारनपुर में डिप्टी कमिश्नर के घर में घुसने का प्रयास, बेटी और पत्नी को पिस्टल दिखाकर धमकाया

सहारनपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। सहारनपुर में दिल्ली रोड स्थित पैरामाउंट ट्यूलिप कॉलोनी में रात एक नकाबपोश युवक ने राज्य कर विभाग के डिप्टी कमिश्नर के घर में घुसने का प्रयास किया। आरोप है कि युवक ने डिप्टी कमिश्नर की बेटी और पत्नी को पिस्टल दिखाकर धमकाया और घर के अंदर चलने के लिए कहा। परिवार के सदस्यों के शोर मचाने पर आरोपी सीढ़ियों से उतरकर फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। मामला कोतवाली सदर बाजार क्षेत्र का है। राज्य कर विभाग में डिप्टी कमिश्नर के पद पर तैनात राजीव कुमार शाक्य ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह पैरामाउंट ट्यूलिप कॉलोनी के के-147 में प्रथम तल पर किराये पर रहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर क्या बोले नीतीश कुमार? ऐसे दी बधाई

पटना, 17 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज (गुरुवार) जन्मदिन है और देश के हर कोने से उन्हें बधाई मिल रही है। शुभकामनाएं दी जा रही हैं। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने भी प्रधानमंत्री को जन्मदिन पर बधाई दी है। उनेक साथ-साथ बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, चिराग पासवान सहित अन्य नेताओं ने भी शुभकामनाएं दी हैं।

नीतीश कुमार ने एक्स पोस्ट में लिखा है, आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उनके स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन की कामना है। आज (गुरुवार) विश्वकर्मा पूजा है और नीतीश कुमार ने इसको लेकर भी एक्स पर पोस्ट किया है। लिखा है, विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर सभी श्रमिक भाई-बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं। यह सृजन के प्रणेता भगवान विश्वकर्मा की आराधना का दिवस है। मैं आशा करता हूं कि सभी श्रमिक बंधु एवं श्रम संगठन औद्योगिक विकास एवं उत्पादकता में वृद्धि हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। मेरा विश्वास है कि सभी के सहयोग से विकास एवं प्रगति की यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहेगी।

क्या बोले सम्राट चौधरी?

सीएम सम्राट चौधरी ने प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की। साथ ही कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पूरे बिहार में 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। 'सेवा सेतु अभियान' के तहत सभी प्रखंडों एवं विधानसभा क्षेत्रों में 'सरकार आपके द्वार' समाधान शिविर आयोजित कर नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। मार्च 2027 तक 'कायाकल्प अभियान' के माध्यम से विकास कार्यों में तेजी, स्वच्छता और सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता एवं पहुंच को और प्रभावी बनाया जाएगा।

'आपसे बहुत कुछ सीखा'

उधर चिराग पासवान ने प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए कहा, पापा के जाने के बाद मैंने आपको केवल देश के प्रधानमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि अपने अभिभावक के रूप में भी देखा है। आपसे मैंने बहुत कुछ सीखा है। हर दिन कुछ नया सीख रहा हूं। मेरी यही कामना है कि आपके दिखाए मार्ग और आपके संकल्पों से प्रेरणा लेकर मैं आगे बढ़ूं और आपके सपनों के भारत के साथ-साथ मेरे पिता, श्रद्धेय रामविलास पासवान जी के सपनों के भारत के निर्माण में अपना योगदान दे सकूं।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर दिल्ली स्थित आवास पर केक काटा। उनके दीर्घायु जीवन की कामना की। एक्स हैंडल से तस्वीर पोस्ट कर प्रधानमंत्री को कहा, आपके नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त पहचान बनाई है। ईश्वर आपको उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन प्रदान करें।

कांग्रेस ने मोदी कैबिनेट की 'चिंतन बैठक' को 'चिंता बैठक' बताया

संसद सत्र में देरी पर सवाल उठाए

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कैबिनेट मंत्रियों की होने वाली 'चिंतन बैठक' पर तंज कसते हुए इसे 'चिंता बैठक' करार दिया और कहा कि पीएम मोदी सवालों और आलोचनाओं के पूरी तरह हकदार बन गए हैं। विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि संसद का मॉनसून सत्र खत्म हुए 35 दिन बीत चुके हैं, जो एक अभूतपूर्व बात है, फिर भी सत्र को अभी तक औपचारिक रूप से स्थगित नहीं किया गया है।

कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर कहा, खबर है कि पीएम ने 23 और 24 सितंबर को सभी केंद्रीय मंत्रियों की एक 'चिंतन बैठक' बुलाई है। असल में, यह 'चिंतन बैठक' से ज़्यादा 'चिंता बैठक'

है, क्योंकि वे हर तरफ से ऐसे सवालों और आलोचनाओं के शिकार हो गए हैं, जिनका स्तर और तीव्रता पहले कभी नहीं देखी गई। उन्होंने आगे कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में उस मुश्किल से मिलने वाले लेकिन पूरी तरह से दागदार दो-तिहाई बहुमत की तलाश में जुटे हैं, ताकि 17 अप्रैल को विपक्ष की एकजुटता से उन्हें और मोदी सरकार को हुई भारी बेइज्जती का बदला ले सकें। रमेश ने कहा, उस दिन देश उनके खतरनाक बिलों के पास होने से बच गया था।

विपक्ष की वह एकजुटता, उन्हें तोड़ने और डराने की उनकी लगातार कोशिशों के बावजूद बनी रहेगी। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी शासन और नीति-निर्माण के अहम पहलुओं पर चर्चा करने के लिए दो दिवसीय 'चिंतन बैठक' की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें सुधारों पर खास ध्यान दिया जाएगा। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि यह मंथन सत्र 23 और 24 सितंबर को यहां आयोजित किया जाएगा और इसमें सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि सभी कैबिनेट मंत्रियों से कहा गया है कि वे बैठक की तैयारी और उसमें शामिल होने के लिए अगले हफ्ते राष्ट्रीय राजधानी में ही रहें।

प्रधानमंत्री सुधारों पर जोर देते रहे हैं और उन्होंने पहले भी अपने कैबिनेट सहयोगियों से कहा है कि लोगों की समस्याओं का समाधान करना और 'ईज़ ऑफ़ लिविंग' (जीवन को आसान बनाना) सुनिश्चित करना केंद्र सरकार का मुख्य मकसद होना चाहिए। सूत्रों ने बताया कि 'चिंतन बैठक' के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

गैंगस्टर काला जठेड़ी बना पिता मिली पेरोल, आईवीएफ से जुड़वा बेटियों का जन्म

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की द्वारिका जिला अदालत ने उसको सात घंटे की कस्टीडी पेरोल दी है। गैंगस्टर को ये पेरोल इसलिए दी गई है, ताकि वो अपने जुड़वा बेटियों के जन्म के बाद गांव में होने वाली धार्मिक रस्मों में शामिल हो सके। अदालत के आदेश के अनुसार, गैंगस्टर 20 सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम के 5 बजे तक पुलिस सुरक्षा में सोनीपत के जठेड़ी गांव में अपने घर जाएगा।

गैंगस्टर फिलहाल दिल्ली की केंद्रीय जेल में बंद है। काला जठेड़ी की पत्नी ने आईवीएफ के माध्यम से दो जुड़वा बेटियों को जन्म दिया है। अब इसी खुशी में उसके गांव में धार्मिक रस्में होंगी, जिसमें गैंगस्टर शामिल होगा।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सिद्धार्थ मलिक की कोर्ट ने बुधवार को जेठड़ी की कस्टडी पेरोल मंजूर की। साथ ही दिल्ली और हरियाणा पुलिस को सुरक्षा के सभी जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की कड़ी निगरानी में आरोपी अपने घर पर सदस्यों और रिश्तेदारों से मिल सकेगा। कोर्ट ने कहा कि कस्टडी पेरोल से जुड़े सभी खर्च आरोपी वहन करेगा। सभी खर्च आरोपी को नियम के अनुसार, जेल अधीक्षक के पास जमा कराने होंगे। इससे पहले रोहिणी कोर्ट ने आरोपी को जुलाई में बेटियों के जन्म पर पत्नी और नवजातों से मिलने के लिए चार घंटे की अनुमति दी थी।

माइनिंग कंपनी पर 450 करोड़ जुर्माने का मामला

एमपी हाईकोर्ट ने नहीं दी राहत, विधायक संजय पाठक भी हैं हिस्सेदार

जबलपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर हाईकोर्ट से मेसर्स आनंद माइनिंग कॉरपोरेशन को बड़ा झटका लगा है। अदालत ने अवैध उत्खनन के मामले में प्रस्तावित लगभग साढ़े चार सौ करोड़ रुपये के जुर्माने की कार्रवाई को चुनौती देने वाली कंपनी की याचिका को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट की युगलपीठ ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में जिला कलेक्टर सभी पक्षों और आपत्तियों को सुनने के बाद कानून के अनुसार स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने के लिए सक्षम हैं। अदालत ने कलेक्टर को चार महीने के भीतर इस पूरे प्रकरण का निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ता कंपनी आनंद माइनिंग कॉरपोरेशन की तरफ से पैरवी करते हुए कहा गया था कि वे जबलपुर की तहसील सिहोरा के अंतर्गत आने वाले टिकरिया और प्रतापपुर गांवों में स्थित लौह अयस्क खदानों का संचालन माइनिंग लीज के आधार पर कर रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा 23 अप्रैल 2025 को खदान के निरीक्षण के लिए एक जांच समिति का गठन किया गया था। इस कमेटी ने साल 2004 से 2017 के दौरान कथित तौर पर तय सीमा से अधिक खनन किए जाने की रिपोर्ट सौंपी थी।

इसी रिपोर्ट के आधार पर कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जिसमें टिकरिया खदान के लिए 1,13,81,94,280 रुपये और प्रतापपुर के मामले में 1,20,69,41,910 रुपये की वसूली का प्रस्ताव दिया गया था। कंपनी ने जांच समिति के गठन और उसकी कानूनी वैधता को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। राज्य सरकार की ओर से कोर्ट में यह तर्क दिया गया कि यह कार्रवाई अभी शुरुआती चरण में है और कलेक्टर के सामने कारण बताओ नोटिस पर सुनवाई लंबित है। सरकार ने स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट कलेक्टर के लिए अंतिम या बाध्यकारी नहीं है, और न ही अभी तक कंपनी पर कोई अंतिम दायित्व या जबरन वसूली का आदेश थोपा गया है। मामले की सुनवाई करने वाली युगलपीठ (जस्टिस आनंद पाठक और जस्टिस वीपी शर्मा) ने अपने आदेश में कहा कि अधिक खनन, राशि की गणना और कानून से जुड़े सभी सवालों पर पहले सक्षम अधिकारी यानी कलेक्टर को निर्णय लेना होगा। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि यदि अंतिम आदेश से कंपनी असंतुष्ट होती है, तो उसके पास कानून के तहत अपील करने का पूरा अधिकार सुरक्षित रहेगा।

यूपीआई चार्ज पर मोदी सरकार के साथ सीएम उमर अब्दुल्ला, बताया क्यों सही है फैसला

जम्मू, 17 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने यूपीआई ट्रांजैक्शन पर लगने वाले शुल्क के मामले में केंद्र सरकार का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल-पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर को बनाए रखना और चलाना सस्ता नहीं है, लेकिन साथ ही सरकार को आम ग्राहकों का ध्यान रखने की सलाह भी दी। सीएम ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, "ये शुल्क हर किसी पर नहीं लगाया जा रहा है। सबसे पहली बात, एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को पैसे भेजने पर कोई शुल्क नहीं लगता है। इसके अलावा, आम ग्राहकों से तब तक कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा जब तक वे एक तय सीमा से ज्यादा ट्रांजैक्शन न करें।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर को बनाए रखना और चलाना सस्ता नहीं है। उन्होंने बताया कि पेमेंट सिस्टम को चलाने में काफी पैसा खर्च होता है। उन्होंने कहा, "हकीकत यह भी है कि जब कोई चीज पूरी तरह से मुफ्त में मिलती है, तो हम अक्सर उसकी सही कीमत नहीं समझते। फिर भी, भारत सरकार को ये पक्का करना चाहिए कि आम नागरिकों पर इन शुल्कों का बोझ न पड़े। अगर कंपनियों से शुल्क लिया जाता है, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि वैसे भी

कंपनियां यूपीआई के जरिए काफी मुनाफा कमाती हैं।" आने वाले विधानसभा सत्र के बारे में पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता ये सुनिश्चित करना होगी कि सदन का कामकाज सुचारू रूप से चले और विधायकों को संतोषजनक जवाब मिलें। उन्होंने कहा, "विधानसभा सत्र में दो तरह के एजेंडे होते हैं।

एक तो सरकार का अपना विधायी कामकाज होता है। केंद्र शासित प्रदेश में पूर्ण राज्य की तुलना में यह स्वाभाविक रूप से कम होता है, लेकिन फिर भी ऐसे विधायी मामले होते हैं जिन्हें सरकार सदन के सामने पेश करती है। इसके साथ ही, माननीय विधायकों को चाहे वे सत्ता पक्ष के हों या विपक्ष के अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों और लोगों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर सवाल उठाने का मौका मिलता है। बिल और प्रस्ताव पेश किए जाते हैं।

बदलेगा एनसीपी का स्लोगन

प्रशांत किशोर की सलाह पर सुनेत्रा पवार की बड़ी रीलांचिंग की तैयारी

मुंबई, 17 सितंबर (एजेंसियां)। अजित पवार की प्लेन हादसे में मौत के बाद कमजोर पड़ी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) महाराष्ट्र में अपने संगठन को मजबूत करने की योजना पर काम कर रही है। राष्ट्रवादी कांग्रेस में अब 'एकच वादा, अजित दादा' की जगह 'वहिनी (भाभी) हैं ना' के नारे के साथ डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार पार्टी की मुख्य चेहरा बनेंगी। नई योजना के तहत सुनेत्रा की राज्य भर में सक्रियता बढ़ाई जाएगी। 'एकच वादा, अजित दादा' नारा लंबे समय तक अजीत पवार के समर्थकों की पहचान रहा है। सूत्रों की मानें तो जनसुराज के संस्थापक और चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की सलाह पर एनसीपी के मेकओवर की तैयारी कर ली है। सूत्रों की मानें तो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का एक बड़ा कार्यक्रम नासिक में 27 सितंबर को रखा गया है। इस कार्यक्रम में पार्टी नए नारे के साथ सामने आएगी। 2019 में बारामती में देवेंद्र फडणवीस की सभा के दौरान भी राकां कार्यकर्ताओं ने यह नारा लगाया था।

सालों तक ये नारा अजित गुट की प्रमुख राजनीतिक पहचान बन गया। अब सुनेत्रा पवार के नेतृत्व में पार्टी को नई पहचान देने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में 'वहिनी हैं ना!' का नए स्लोगन दिया गया है। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) की सलाह के

आधार पर सुनेत्रा पवार की राजनीतिक सक्रियता और संगठन को मजबूत करने की योजना पर काम हो रहा है। इसके तहत पूरे महाराष्ट्र में सुनेत्रा के दौरे आयोजित किए जाएंगे, जिनमें महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर खासजोर दिया जाएगा। अभी पार्टी की आधिकारिक घोषणा के सामने नहीं आई है।

महाराष्ट्र के दौरे पर पहुंचे बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी सुनेत्रा पवार से मुलाकात की थी। राजनीतिक विश्लेषक भी यह मान रहे हैं कि अगर सुनेत्रा पवार अपनी सक्रियता बढ़ाती हैं तो वह महायुति में बड़ा फैक्टर बन जाएंगी क्योंकि डिप्टी सीएम होने से वह सरकार का सबसे बड़ा महिला चेहरा हैं। सूत्रों के अनुसार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व ने नई पीढ़ी को आगे लाने की योजना बनाई है। 27 सितंबर को नाशिक में एक दिवसीय राज्यव्यापी अधिवेशन में सुनेत्रा पवार की औपचारिक रिलॉन्चिंग होगी।

दिशा सालियन मामला: मृतका के पिता ने आदित्य को भेजा 500 करोड़ का नोटिस

मुंबई, 17 सितंबर (एजेंसियां)। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियन की मौत के मामले ने एक बार फिर राजनीतिक और कानूनी मोड़ ले लिया है। दिशा के पिता सतीश सालियन ने शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे और एनसीपी (शरद गुट) के नेता तथा महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को 500 करोड़ रुपये के हर्जाने का कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि दोनों नेताओं ने सतीश सालियन की बेटी की मौत की जांच और न्याय की उनकी मांग को राजनीति से प्रेरित बताने की कोशिश की। 28 वर्षीय दिशा सालियन की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक ऊंची रिहायशी इमारत से गिरने के बाद हुई थी।

पुलिस ने शुरुआती तौर पर इसे दुर्घटना माना और एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट दर्ज की थी। इसके छह दिन बाद अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की भी मौत हो गई। इसके बाद दिशा के पिता सतीश सालियन ने बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख करते हुए एफआईआर दर्ज करने और मामले की नए सिरे से जांच की मांग की। याचिका में आदित्य ठाकरे, डिनो मोरिया और सूरज पंचोली समेत कई लोगों से जुड़े आरोपों की जांच की मांग की गई थी। हालांकि, इससे पहले सतीश सालियन यह कह चुके थे कि उन्हें अपनी बेटी की मौत में किसी आपराधिक पहलू का संदेह नहीं था।

क्या सार्वजनिक माफी मांगेंगे ठाकरे?

500 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग

कानूनी नोटिस में सतीश सालियन ने आरोप लगाया है कि आदित्य ठाकरे ने उनकी न्याय की लड़ाई को राजनीति से प्रेरित, दुर्भावनापूर्ण और उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के मकसद से चलाया जा रहा अभियान बताने की कोशिश की। नोटिस में कहा गया है कि इस तरह के आरोप सतीश सालियन की ईमानदारी, विश्वसनीयता और नीयत पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

उनके अनुसार, एक दुखी पिता को ऐसा व्यक्ति बताने की कोशिश की गई जो अपनी बेटी की मौत की कानूनी जांच की मांग के पीछे राजनीतिक उद्देश्य रखता है। नोटिस में ठाकरे पर यह आरोप भी लगाया गया है कि उन्होंने यह गलत धारणा बनाने की कोशिश की कि केंद्रीय जांच ब्यूरो पहले ही दिशा सालियन मामले की जांच कर चुकी है और उन्हें क्लीन चिट दे चुकी है।

अनिल देशमुख के बयान का भी जिक्र

नोटिस में 23 मार्च 2025 को अनिल देशमुख के कथित बयान का भी उल्लेख किया गया है। इसके अनुसार, देशमुख ने दिशा सालियन मामले को आदित्य ठाकरे को बदनाम करने की साजिश बताया था। नोटिस में दावा किया गया है कि इस बयान को व्यापक प्रचार मिला, जिससे सतीश सालियन की छवि एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश हुई जो कथित तौर पर राजनीतिक मकसद से आपराधिक न्याय प्रक्रिया का इस्तेमाल कर रहा है। कानूनी नोटिस में इन आरोपों को झूठा, बेबुनियाद, गैर-जिम्मेदाराना और गंभीर रूप से मानहानिकारक बताया गया है।

सार्वजनिक माफी की मांग

सतीश सालियन ने दोनों नेताओं से बिना शर्त, स्पष्ट और सार्वजनिक रूप से लिखित माफी मांगने के साथ-साथ उसे प्रमुख प्रिंट, टेलीविजन और डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित तथा प्रसारित करने की मांग की है। नोटिस के अनुसार, वीडियो के माध्यम से दी जाने वाली माफी कम से कम तीन मिनट की होनी चाहिए और इसे दोनों नेताओं के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर भी साझा किया जाना चाहिए। इसके अलावा, 500 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की गई है।

आदित्य ठाकरे ने आरोपों से किया इनकार

सीबीआई की ओर से मामले में एफआईआर दर्ज किए जाने के दो दिन बाद आदित्य ठाकरे ने दिशा सालियन से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने कहा, 'मैं दिशा सालियन से कभी नहीं मिला, न ही मैं उन्हें जानता था।' ठाकरे ने यह भी कहा कि करीब छह वर्षों से इस मामले में उनका नाम जोड़ना उन्हें बदनाम करने की जानबूझकर की गई कोशिश है। उन्होंने इसे राजनीतिक और व्यक्तिगत मकसद से की जा रही बिना सबूत की कार्रवाई बताया। हालांकि, अपनी पोस्ट में उन्होंने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया।

सीबीआई की एफआईआर में कई नाम

अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई ने हत्या और आपराधिक साजिश से जुड़ी धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर में आदित्य ठाकरे, अभिनेता डिनो मोरिया, सूरज पंचोली और रिया चक्रवर्ती समेत कई लोगों के नाम शामिल हैं। पोस्टमार्टम में देरी से जुड़े डॉक्टरों और कर्मचारियों की भूमिका की जांच का भी उल्लेख किया गया है। एफआईआर में नाम आने वाले अन्य लोगों ने भी मामले में किसी तरह की भूमिका से इनकार किया है। आदित्य ठाकरे ने अधिकारियों से राजनीतिक हस्तक्षेप और छवि खराब करने की कोशिशों से दूर रहते हुए आधिकारिक जांच को आगे बढ़ने देने की अपील की है।

एसजीपीसी सदस्य अमरजीत चावला पर दुष्कर्म का केस: बहरीन की महिला का आरोप–विरोध पर धमकाया और बंधक बनाया

अमृतसर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य अमरजीत सिंह चावला पर बहरीन से आई एक महिला के साथ कई बार दुष्कर्म करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। पीड़ित महिला की शिकायत पर थाना आनंदपुर साहिब में चावला के खिलाफ बीएनएस की धारा 64, 127 (2) और 351(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर के अनुसार वारदात 27 फरवरी से 19 अगस्त 2026 के बीच बताई गई है। पीड़ित शिकायतकर्ता ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया कि वह धार्मिक यात्रा के सिलसिले में श्री आनंदपुर साहिब आई थी। चावला उसे अलग-अलग स्थानों पर ले गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। महिला ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर उसे धमकाया गया और कुछ समय के लिए कमरे में बंद भी रखा गया। आरोपी की ओर से उसे लगातार मानसिक प्रताड़ना दी जाती थी इसी कारण वह कई बार बीमार हुई और आत्महत्या करने की भी कोशिश की।

20 हजार इनाम वाली तलाश पूरी: पुलिस ने तलाशी 15 साल की लापता बच्ची, दिल्ली क्राइम ब्रांच को मिली बड़ी सफलता

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। क्राइम ब्रांच ने जहांगीरपुरी से लापता एक 15 वर्षीय नाबालिग बच्ची को सुरक्षित बरामद कर लिया है। बच्ची को खोजने के लिए एजीएस और क्राइम ब्रांच की टीमों ने मिलकर अभियान चलाया था। इस सफल कार्रवाई के बाद पुलिस टीम की सराहना की जा रही है। पुलिस के अनुसार, यह नाबालिग बच्ची जहांगीरपुरी इलाके से लापता हुई थी। उसकी तलाश के लिए पुलिस ने एक विशेष अभियान शुरू किया था। बच्ची की सुरक्षित बरामदगी के लिए 20 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया और तुरंत कार्रवाई की। पुलिस ने आगे बताया कि गहन तकनीकी निगरानी के माध्यम से बच्ची का पता लगाने का प्रयास किया गया। साथ ही, जमीनी स्तर पर भी सघन तलाश अभियान चलाए गए। इन समन्वित प्रयासों के कारण ही पुलिस को यह बड़ी सफलता मिली। पुलिस टीम की तत्परता और कुशलता ने बच्ची को सुरक्षित घर वापस लाने में मदद की।

'खाने की पसंद थोपना ठीक नहीं', ब्रिक्स मेन्यू पर शिवसेना यूबीटी का केंद्र पर निशाना

मुंबई, 17 सितंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली में हुए ब्रिक्स समिट में विदेशी मेहमानों को सिर्फ शाकाहारी खाना परोसे जाने पर सियासत शुरू हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय मेहमानों पर खाने की पसंद थोपने जैसा है। पार्टी ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय में कहा कि खाने की पसंद व्यक्तिगत आजादी का मामला है और इसे सरकार या किसी राजनीतिक संगठन को तय नहीं करना चाहिए। संपादकीय में 12 सितंबर को भारत मंडपम में आयोजित गाला डिनर पर आपत्ति जताई गई, जहां 11 सदस्यीय ब्रिकिस समूह के नेताओं को सिर्फ शाकाहारी मेन्यू परोसा गया था। संपादकीय में इस कदम को विश्व नेताओं पर खानपान की पसंद थोपना बताया गया। सामना में लिखा गया कि चाहे शाकाहारी हो या मांसाहारी, खाने की पसंद व्यक्तिगत स्वतंत्रता है।

मेन्यू में खांडवी, मशरूम कबाब, पनीर लबाबदार, मिलेट पुलाव, गुजराती स्टाइल ढोकली बेले सारू, जलेबी और फिरनी जैसी चीजें थीं। संपादकीय में इस खाने को मेहमानों को घास और जंगली साग खिलाने जैसा बताया

गया। इसमें कहा गया, दुनिया की 80 प्रतिशत आबादी, जिसमें आने वाले ज्यादातर प्रतिनिधि भी शामिल हैं, मांसाहारी खाना खाती है। मोदी सरकार ने उन पर शाकाहार थोपकर क्या हासिल किया? इसने वैश्विक मंच पर भारत को हंसी का पात्र बना दिया। संपादकीय में ब्रिक्स गाला डिनर की तुलना भारतीय शादियों से भी की गई। सुप्रिया सुले की बेटी रेवती की शादी और बड़े उद्योगपतियों की शादियों का हवाला देते हुए कहा गया कि वहां का खाना ज्यादा स्वादिष्ट और बेहतर था। इसमें कहा गया कि दिल्ली के मशहूर करीम के नॉनवेज व्यंजन, तंदूरी चिकन, बिरयानी, बटर चिकन, गोअन फिश करी, कोल्हापुरी पांढरा-तांबड़ा रस्सा और मालवणी फिश जैसे व्यंजन परोसे जाते तो विदेशी मेहमान सच में खुश होते।

उत्तराखंड: हेमकुंड साहिब में हुई सीजन की पहली बर्फबारी केदारनाथ घाटी में भारी बारिश और घना कोहरा छाया

चमोली/ रुद्रप्रयाग, 17 सितंबर (एजेंसियां)। हेमकुंड साहिब में सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। ऊंचाई वाले क्षेत्र में हुई इस बर्फबारी के साथ मौसम ने करवट ली है। इधर, रुद्रप्रयाग जिले के कई हिस्सों में लगातार भारी बारिश हो रही है। केदारनाथ घाटी में भी बारिश का दौर जारी है। पहाड़ी इलाकों में घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे दृश्यता कम हो गई है। खराब मौसम के कारण यात्रियों और स्थानीय लोगों को आवाजाही के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन ने खराब मौसम को देखते हुए तीर्थयात्रियों से सावधानी बरतने की अपील की है।

प्रशासन ने यात्रियों को यात्रा के दौरान विशेष सतर्कता बरतने और जोखिम वाले क्षेत्रों में अधिक सावधानी से आवाजाही करने को कहा है। लगातार बारिश और कम दृश्यता को देखते हुए पहाड़ी रास्तों पर सफर करने वालों को मौसम की स्थिति का ध्यान रखने की सलाह दी गई है। प्रशासन की ओर से यात्रियों से अपील की गई है कि खराब मौसम के दौरान जोखिम वाले स्थानों पर विशेष रूप से सतर्क रहें।

लॉरेंस गैंग की धमकी– हम कनाडा पर राज करेंगे

हमारे पास 5000 से ज्यादा शूटर, रास्ते में आए तो गोलियां चलेंगी; चिट्ठी सामने आई

जालंधर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर लॉरेंस गैंग ने कनाडा सरकार को उनके देश पर राज करने की धमकी दी। इसके लिए भारत से लेटर भेजा गया। दावा किया जा रहा है कि यह लेटर साल 2025 में कनाडा सरकार को भेजा गया। अब इस लेटर को कनाडा के मीडिया हाउस सीबीसी न्यूज ने हासिल कर पूरे मामले का खुलासा किया है। लॉरेंस गुजरात की साबरमती जेल में है। लेटर के हवाले से दावा किया गया कि लॉरेंस ने कनाडा सरकार के साथ सेना और पुलिस के नाम धमकी दी थी। इमिग्रेशन एंड रिफ्यूजी बोर्ड की कार्यवाही के रिकॉर्ड से भी इस बात का खुलासा हुआ है। इस लेटर को लेकर अभी जांच जारी है। कनाडा की एडमॉन्टन पुलिस सर्विस की ऑर्गनाइज्ड क्राइम ब्रांच ने इसे रिकॉर्ड का हिस्सा बनाया और इसे एबॉट्सफोर्ड पुलिस को भेजा है। लेटर में लिखा है- हम भारतीय गैंग हैं। कनाडा में हमें रोकने की हिम्मत नहीं है। अब हम कनाडा पर राज करेंगे। हमारे पास कनाडा में 5 हजार से ज्यादा गैंग सदस्य हैं। वे केवल 1000 डॉलर के लिए शूटिंग कर सकते हैं।

यह आप सभी को चेतावनी है। हमारी गतिविधियों से दूर रहें, वरना अगले दिन आप पुलिस स्टेशन पर शूटिंग की खबर देख सकते हैं। लॉरेंस 2015 से भारत की जेल में बंद है, लेकिन कनाडाई अधिकारियों का कहना है कि उसके सिंडिकेट ने विदेशों में एक खतरनाक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क खड़ा कर लिया है। एबॉट्सफोर्ड पुलिस ने इस बात की पुष्टि की है कि उन्हें लॉरेंस गैंग से जुड़ा यह लेटर मिला था, जिसकी जानकारी देश में चल रहे जबरन वसूली संकट की जांच कर रही अन्य कनाडाई लॉ-एन्फोर्समेंट एजेंसियों के साथ शेयर की गई है। कनाडा के कई सूबों में हाल के दिनों में हुई गोलीबारी और रंगदारी के मामलों को कनाडाई जांच एजेंसियों ने लॉरेंस गैंग के नेटवर्क से जोड़कर देखा है। अब इस लेटर के सामने आने के बाद कनाडा के सुरक्षा हलकों में हड़कंप मच गया है।

ट्रम्प सरकार ने हूती विद्रोहियों से सीक्रेट डील की

अमेरिकी जहाजों पर हमला नहीं करेंगे हूती लड़ाके बदले में सऊदी की मदद नहीं करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन, 17 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने यमन के हूती विद्रोहियों के साथ सीक्रेट डील की है। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक इस डील के तहत हूतियों ने अमेरिका को भरोसा दिया है कि वे लाल सागर में अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय जहाजों को निशाना नहीं बनाएंगे। इसके बदले में अमेरिका यमन में हूतियों के खिलाफ सऊदी अरब की सैन्य मदद नहीं करेगा।

अमेरिकी अधिकारियों और हूती नेताओं के बीच यह बातचीत पिछले हफ्ते ओमान की राजधानी मस्कट के अमेरिकी दूतावास में हुई थी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को पुष्टि की कि अमेरिका हूतियों के सीधे संपर्क में है। हूतियों ने कहा है कि लाल सागर में सऊदी के जहाजों और सऊदी का तेल ले जाने वाले जहाजों को वे अब भी टारगेट करेंगे।

हूतियों की दलील है कि यमन पर सऊदी अरब की नाकेबंदी और सैन्य कार्रवाई के चलते उसके जहाजों को निशाना बनाना उनका अधिकार है। मामले से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, 2025 में अमेरिका और हूतियों के बीच

AI जनरेटेड

हुआ सीजफायर कायम है।

पिछले हफ्ते हूतियों ने यमन के पश्चिमी हिस्से में लाल सागर के किनारे का बड़ा इलाका अपने कब्जे में ले लिया।

सऊदी अरब को उम्मीद थी कि अमेरिका उसके साथ खड़ा होगा। लेकिन अमेरिका ने अब तक हूतियों के खिलाफ सऊदी के समर्थन में कोई सीधी सैन्य कार्रवाई नहीं की है।

अमेरिका ने जरूर कहा है कि हूतियों की गतिविधियां बाब अल-मंदब स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही के लिए खतरा हैं।

अमेरिका पहले से ईरान के साथ संघर्ष में उलझा हुआ है। ईरान हूतियों का समर्थन करता है। ऐसे में अगर अमेरिका यमन में सीधे उतरता है तो उस पर एक और सैन्य मोर्चे का दबाव बढ़ सकता है।

सऊदी का आरोप- हूतियों ने मक्का पर ड्रोन से हमला किया

सऊदी अरब ने आरोप लगाया है कि हूतियों ने मक्का की तरफ ड्रोन भेजकर हमला करने की कोशिश की। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह उसके लिए 'रेड लाइन' है। सऊदी डिफेंस फोर्सेस ने ड्रोन नष्ट करने का दावा किया है।

सऊदी गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्किये अल-मलिकी के मुताबिक, ड्रोन को स्थानीय समयानुसार मंगलवार शाम करीब 6:50 बजे मक्का के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र के पास रोका गया।

यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और 57 देशों के संगठन ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) ने भी कथित हमले की निंदा की है।

हूतियों ने सऊदी के आरोप को 'सदी का सबसे बड़ा झूठ' बताया हूतियों ने मक्का पर ड्रोन हमले के आरोप को खारिज किया है। हूती लीडरशिप ने इसे 'सदी का सबसे बड़ा झूठ' बताया और कहा कि सऊदी अरब पहले भी ऐसे दावे करता रहा है।

हूती उप विदेश मंत्री अब्दुल वहीद अबू रास ने पलटवार करते हुए सऊदी अरब पर ही मक्का और मदीना जैसे पवित्र स्थलों की गरिमा को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

सऊदी को एफ-35 स्टील्थ जेट दिया तो तकनीक चुरा लेगा चीन

अमेरिकी खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट से उड़ी नींद

वॉशिंगटन/रियाद, 17 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की एक गोपनीय इंटेलिजेंस रिपोर्ट में चिंता जताई गई है कि अगर वॉशिंगटन, सऊदी अरब को एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट बेचने की योजना पर आगे बढ़ता है तो चीन अमेरिका की संवेदनशील मिलिट्री टेक्नोलॉजी चुरा सकता है। डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी के इस आकलन में सऊदी अरब के चीन के साथ बढ़ते डिफेंस और टेक्नोलॉजी संबंधों को लेकर चिंता जताई गई है। सऊदी अरब और अमेरिका के बीच इस प्रस्तावित डील में कई अरब डॉलर के पैकेज के तहत 48 की संख्या तक एफ-35 एयरक्राफ्ट शामिल हो सकते हैं। एफ-35 अमेरिकी बेड़े के सबसे एडवांस्ड फाइटर एयरक्राफ्ट में से एक है जिसमें स्टील्थ टेक्नोलॉजी के साथ-साथ एडवांस्ड रडार, एवियोनिक्स और डेटा-शेयरिंग सिस्टम शामिल हैं। अधिकारियों को चिंता है कि सऊदी अरब के साथ चीन के बढ़ते सैन्य संबंधों से बीजिंग को इस एयरक्राफ्ट की क्षमताओं के बारे में जानकारी जुटाने का मौका मिल सकता है।

जापान में 1 लाख लोग 100 साल के पार

इनमें 88 फीसदी महिलाएं, सेहतमंद खाना, एक्टिव रहना और समय पर इलाज लंबी उम्र का राज

टोक्यो, 17 सितंबर (एजेंसियां)। जापान में 100 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोगों की संख्या पहली बार 1 लाख का आंकड़ा पार कर गई है। इनमें 88 फीसदी महिलाएं हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में अब 1,07,677 लोग ऐसे हैं, जिनकी उम्र कम से कम 100 साल है।

इनमें महिलाएं 94.3 हजार और पुरुष 13.4 हजार हैं। पिछले साल की तुलना में 100 साल से ज्यादा उम्र के लोगों की संख्या करीब 8 हजार बढ़ी है। हांगकांग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सोशल साइंस प्रोफेसर स्टुअर्ट गीटेल-बास्टेन के मुताबिक, जापान में लंबी उम्र के पीछे कई वजहें हैं। स्वस्थ खान-पान, रोजमर्रा की जिंदगी में सक्रिय रहना, सस्ती स्वास्थ्य व्यवस्था और नियमित स्वास्थ्य जांच इनमें अहम हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं के पुरुषों से ज्यादा जीने के पीछे जीवनशैली भी एक वजह है। उस पीढ़ी के पुरुषों में धूम्रपान और शराब पीने की आदत ज्यादा थी। वे औद्योगिक और शारीरिक मेहनत वाले कामों में भी ज्यादा शामिल थे, जिसका लंबे समय में उनकी सेहत पर असर पड़ा।

उम्र बढ़ने के साथ भी महिलाओं को इसका फायदा मिला। रिटायरमेंट या जीवनसाथी की मौत के बाद कई पुरुष सामाजिक रूप से अलग-थलग पड़ गए, जबकि महिलाएं परिवार और समुदाय से ज्यादा जुड़ी रहीं। इससे उन्हें सामाजिक और मानसिक स्तर पर फायदा मिला।

इसके अलावा, इस पीढ़ी में महिलाओं की संख्या ज्यादा होने की एक ऐतिहासिक वजह द्वितीय विश्वयुद्ध भी है। उस दौरान जापान के करीब 23 लाख सैनिक मारे गए थे, जिनमें लगभग सभी पुरुष थे। युद्ध में बड़ी संख्या में पुरुषों की मौत से उस पीढ़ी में महिलाओं का अनुपात बढ़ गया।

106 साल के सातो आज भी अपना काम खुद करते हैं

निगाता प्रांत के पहाड़ी इलाके ओसोनोगो गांव में रहने वाले तेत्सुओ सातो भी जापान के 1 लाख से ज्यादा 100+ उम्र वाले लोगों में शामिल हैं।

सातो अब 107 साल के होने वाले हैं। वह अपने बेटे, बहू, कुत्ते और बिल्ली के साथ रहते हैं। उन्हें सुनने में परेशानी है और नजर भी कमजोर हो चुकी है। इसके बावजूद वह खुद को दिनभर व्यस्त रखते हैं।

सातो पुराने कैलेंडर और रैपिंग पेपर से नोटबुक बनाते हैं। वह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इम्फाल की लड़ाई में अपने अनुभवों की कहानियां भी सुनाते हैं।

सऊदी के डूबे जहाज से निकली 16 टन चांदी

82 साल पहले सिल्वर रियाल ले जा रहा था जहाज, रहस्य बरकरार

रियाद, 17 सितंबर (एजेंसियां)। साल 1994 में अमेरिकी जहाज एसएस जॉन बैरी के मलबे से 10 लाख से ज्यादा सऊदी चांदी के रियाल निकाले गए।

यह सिक्के अमेरिकी लिबर्टी जहाज के डूबने के पांच दशक बाद हुई। ऐसे में इसने साल 1944 में डूबे जहाज की घटना को ताजा कर दिया, जो ओमान के पास अपने होल्ड में 30 लाख चांदी के सिक्कों के साथ डूबा था। मलबे से बरामद की गई चांदी का वजन 16 टन चांदी आंका गया। हालांकि इस खोज के बाद भी खजाने को लेकर कई रहस्यों का खुलासा नहीं हो सका है। अमेरिकी जहाज दूसरे विश्व युद्ध के आखिरी सालों में सऊदी अरब के लिए सिक्के ले जा रहा था। ये रियाल सऊदी अरब के कहने पर फिलाडेल्फिया में ढाले गए थे और इनका मकसद तेजी से बढ़ रहे तेल उद्योग में काम करने वाले मजदूरों को भुगतान करने में मदद करना था। क्रिश्चियन साइंस मॉनिटर में छपी 1995 की रिपोर्ट के अनुसार, इस कार्गो को इतना गुप्त रखा गया था कि क्रू को सिक्कों के बारे में पता ही नहीं था। नवंबर 1944 में एक जर्मन पनडुब्बी ने जॉन बैरी पर टॉरपीडो से हमला किया और वह अरब सागर में डूब गया। जहाज पर मौजूद 70 क्रू सदस्यों में से 68 को बचा लिया गया, जबकि दो की मौत हो गई। आखिरकार 50 साल बाद यह जहाज एक रिकवरी ऑपरेशन की नजर में आया, जिसमें मॉडिफाइड ड्रिलिंग जहाज और समुद्र की तलहटी में मलबे तक पहुंचने में सक्षम उपकरण का इस्तेमाल किया गया। यह ऑपरेशन 1994 के आखिर में कार्गो होल्ड तक पहुंचा और बचाव दल ने चांदी के सिक्कों को सतह पर लाना शुरू किया, जो आधी सदी तक पानी के नीचे रहे। ऑपरेशन अक्टूबर 1994 में शुरू हुआ। मलबे तक पहुंचने के लिए उपकरण को एक मील गहरे पानी में उतारा गया। नवंबर की शुरुआत में पहली बार चांदी दिखाई दी और अगले पांच दिनों में 13 लाख सऊदी रियाल बरामद किए गए, जिनका वजन 17 टन था।

छत्तीसगढ़ में कल से भारी बारिश का अलर्ट

3 सिस्टम एक्टिव, दो दिन बाद बरसेंगे बादल, बीते 24 घंटे कई जिले सूखे रहे

रायपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में फिलहाल बारिश कमजोर है। पिछले 24 घंटे में ज्यादातर जिले सूखे रहे, जबकि कुछ जगहों पर हल्की बारिश हुई। सरायपाली और कटेकल्याण में 10-10 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिन कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 19 सितंबर से प्रदेश में बारिश का दायरा बढ़ने और कुछ जगहों पर तेज बारिश होने के आसार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार मानसून की गतिविधियां अभी छत्तीसगढ़ में ज्यादा सक्रिय नहीं हैं। पिछले 24 घंटे में कई जिले पूरी तरह सूखे रहे और कुछ स्थानों पर ही हल्की बारिश हुई। प्रदेश में मानसून सीजन की कुल बारिश सामान्य से 5% कम है। अगले दो दिनों में भी कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रह सकता है।

सिंगापुर सरकार किताब पढ़ने के बदले पैसे देगी

रोजाना कम से कम 15 मिनट पढ़ना होगा स्मार्ट फोन और रील्स की लत छुड़ाना मकसद

सिंगापुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। सिंगापुर सरकार अब लोगों को किताब पढ़ने के लिए पैसे देगी। इसके लिए रोज कम से कम 15 मिनट किताब या लंबे लेख पढ़ने होंगे।

पढ़ने का समय सरकारी वेबसाइट पर दर्ज करना होगा। इसके बदले रिवॉर्ड पॉइंट्स मिलेंगे, जिन्हें बाद में नकद इनाम में बदला जा सकेगा। सरकार का यह 5 साल का नेशनल रीडिंग मिशन लोगों को स्मार्टफोन, रील्स और छोटे वीडियो से कुछ समय दूर करके दोबारा पढ़ने की आदत डालने की कोशिश है।

योजना के तहत हर दिन 15 मिनट पढ़ने पर 20 वर्चुअल कॉइन्स मिलेंगे। एक दिन में सिर्फ एक बार रीडिंग टाइम दर्ज किया जा सकेगा। 50 दिन तक रोज 15 मिनट पढ़ने पर 1,000 कॉइन्स पूरे होंगे। इन्हें 1 सिंगापुरी डॉलर यानी करीब 76 रुपए के नकद इनाम में बदला जा सकेगा।

AI जनरेटेड

सरकार ने इस साल कुल 75 लाख रीडिंग मिनट का लक्ष्य रखा है। लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए करीब 1.14 करोड़ रुपए के इनाम दिए जाएंगे।

इस योजना को सिंगापुर के नेशनल लाइब्रेरी बोर्ड (एनएलबी) ने शुरू किया है। लोग 'क्राउडटास्क एसजी' वेबसाइट पर रोज अपनी पढ़ाई का समय दर्ज करेंगे। लक्ष्य पूरा करने पर उनके खाते में कॉइन्स जुड़ते जाएंगे। इस तरह सरकार ने पढ़ने को एक ऐसे रिवॉर्ड सिस्टम से जोड़ा है, जिसमें लोग रोज का लक्ष्य पूरा करके धीरे-धीरे नकद इनाम हासिल कर सकते हैं।

सरकार की चिंता लोगों के बढ़ते स्क्रीन टाइम को लेकर है। एनएलबी की प्रमुख मेलिसा टैम के मुताबिक, छोटे वीडियो से जानकारी तेजी से मिलती है, लेकिन लगातार बहुत सारी सूचनाएं देखने से दिमाग थक सकता है। इसके मुकाबले किताब या लंबा लेख पढ़ने में ज्यादा एकाग्रता की जरूरत होती है। इससे ध्यान लगाने, सोचने और कल्पना करने की क्षमता विकसित करने में मदद मिल सकती है।

इसी वजह से सरकार ने शुरुआत के लिए रोज सिर्फ 15 मिनट का लक्ष्य रखा है। रिसर्च एनालिस्ट आइजैक निओ के मुताबिक, बच्चों और युवाओं पर पढ़ाई और परीक्षाओं का दबाव रहता है। इसलिए वे अक्सर परीक्षा की तैयारी के लिए पढ़ते हैं, लेकिन अपनी रुचि के लिए किताब पढ़ने की आदत कम हो रही है।

अखंड भारत के खौफ में पाकिस्तानी सेना

मुनीर के पिट्ठू ने नतीजे भुगतने की धमकी दी

इस्लामाबाद, 17 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी सेना ने अखंड भारत का राग अलापकर भारत को गीदड़भभकी दी है। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन (आईएसपीआर) के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा है कि अगर भारत 'अखंड भारत' या क्षेत्रीय आधिपत्य की किसी भी गलतफहमी के तहत सैन्य आक्रामकता दिखाता है, तो इसके नतीजे उसकी कल्पना से परे होंगे। उन्होंने यह धमकी अल अरेबिया को दिए एक इंटरव्यू में दी है।

अहमद शरीफ चौधरी ने कहा, पाकिस्तान बराबरी की शर्तों पर शांति में यकीन रखता है। पाकिस्तान एक बहुत ही समझदार और ऑब्जेक्टिव प्लेयर है, एक बहुत ही समझदार और ऑब्जेक्टिव एक्टर जो शांति में, इलाके की शांति में यकीन रखता है। लेकिन, अगर उन्हें अखंड भारत या इलाके पर कब्जा करने की कोई गलतफहमी है और वे इसे मिलिट्री हमले से दिखाना चाहते हैं, तो उसके नतीजे उनकी सोच से भी परे होंगे। और हम अपनी सुरक्षा, पाकिस्तान की एकता और उसके लोगों की सुरक्षा के लिए कुछ भी करने में बिल्कुल भी नहीं हिचकिचाएंगे।

डीजी आईएसपीआर अहमद शरीफ चौधरी ने इस इंटरव्यू में ही कबूल किया कि भारत से पाकिस्तान की कोई सैन्य तुलना नहीं है। उन्होंने स्वीकार किया कि भारत की सैन्य ताकत और मिलिट्री बजट के आगे पाकिस्तान कहीं नहीं टिकता है। अहमद शरीफ चौधरी ने यह भी कहा कि पाकिस्तान, भारत के साथ हथियारों की रेस में शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत के पास भारी-भरकम रक्षा बजट है और वे नए हथियार बना रहे हैं।

पेरिस बैठक से खत्म होगा संकट!

लेबनान में उथल-पुथल के बीच बातचीत की टेबल पर आएंगे तीन देश, क्या है तैयारी?

बेरुत, 17 सितंबर (एजेंसियां)। लेबनान, फ्रांस और जॉर्डन के राष्ट्राध्यक्ष गुरुवार को पेरिस में मिलेंगे। इस बैठक का मकसद मुश्किलों से जूझ रही लेबनानी सेना के लिए समर्थन जुटाना है। दरअसल, लेबनान की आर्थिक तंगी से जूझ रही सेना के लिए एक डोनर कॉन्फ्रेंस शुरू में फरवरी में होनी थी। इसकी अगुवाई फ्रांस, सऊदी अरब और अमेरिका करने वाले थे। हालांकि, ईरान युद्ध और इस्राइल-हिजबुल्ला युद्ध के नए दौर के कारण इसे टाल दिया गया था।

लेबनानी सेना अब इस्राइली सेना (जो दक्षिणी लेबनान के बड़े हिस्से पर कब्जा किए हुए है) और हिजबुल्ला के बीच फंसी हुई है। इस चरमपंथी समूह ने हथियार छोड़ने की मांगों को मानने से इनकार कर दिया है। जून में, लेबनान और इस्राइल की सरकारों ने एक फ्रेमवर्क समझौते की घोषणा की थी। जिसके तहत इस्राइल धीरे-धीरे दक्षिणी लेबनान से पीछे हटेगा और लेबनानी सेना नियंत्रण संभालेगी, जबकि हिज्बुल्लाय के हथियार जब्त कर लिए जाएंगे। इस समझौते पर अमल अभी रुका हुआ है।

लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि पेरिस में गुरुवार की बैठक डोनर कॉन्फ्रेंस के लिए आधार तैयार करने पर केंद्रित होगी। इसमें दक्षिणी लेबनान की स्थिति और साल के अंत में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना का कार्यकाल खत्म होने के बाद वहां अंतरराष्ट्रीय मौजूदगी की योजनाओं पर भी ध्यान दिया जाएगा।

नवंबर 2024 में खत्म हुए पिछले युद्ध में हिजबुल्ला बुरी तरह कमजोर हो गया था। उसके बाद लेबनान ने आउन और प्रधानमंत्री नवाफ सलाम को चुना। दोनों ने देश में हिजबुल्ला और अन्य गैर-सरकारी सशस्त्र समूहों के हथियार जब्त करने का वादा किया था। इस्राइल और अमेरिका ने इस बात के लिए लेबनान की आलोचना की है कि उसने हिजबुल्ला को हथियार छोड़ने पर मजबूर करने के लिए कोई सीधी सैन्य कार्रवाई नहीं की।

लेबनानी अधिकारी सेना और हिजबुल्ला के बीच टकराव को लेकर सतर्क हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि इससे गृहयुद्ध छिड़ सकता है। सरकार ने इस बात पर भी जोर दिया है कि उसे पूरे लेबनान में तैनाती के लिए और बेहतर हथियारों से लैस सेना की जरूरत है। इससे वह हिजबुल्ला के उन समर्थकों का भरोसा जीत सकेगी, जो सेना की सुरक्षा क्षमता पर सवाल उठाते हैं।

खुद कानून तोड़ने वाली ताकतें सुरक्षा परिषद में

यूएन में सुधार पर बोले गुटेरेस- बिना सजा नियम तोड़ रहे देश

न्यूयॉर्क, 17 सितंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि जो वैश्विक शक्तियां खुद अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करती हैं। वे ही सुरक्षा परिषद में बैठी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि 15 देशों वाले इस वैश्विक संगठन में सुधार सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

महासचिव गुटेरेस ने सत्ता के पुनर्वितरण की जरूरत पर भी जोर दिया। गुटेरेस ने बुधवार को पत्रकारों से कहा, 'साफ बात यह है कि हमारे बीच भू-राजनीतिक मतभेद हैं। इन मतभेदों के बीच ऐसी ताकतें हैं जो खुद अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करती हैं और सुरक्षा परिषद में शामिल हैं। जैसा कि हम जानते हैं, इसी वजह से सुरक्षा परिषद ठप पड़ी है। यही कारण है कि सुरक्षा परिषद में सुधार को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ऐसी सुरक्षा परिषद को स्वीकार नहीं किया जा सकता जिसका स्वरूप आज की दुनिया के बजाय कई दशक पुरानी दुनिया को दर्शाता हो।'

यूएन प्रमुख ने यूएम जनरल असेंबली के 81वें सेशन के हाई-लेवल वीक की शुरुआत से पहले वर्ल्ड हेडक्वार्टर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, 'और यह एक तरह का 'पैरालिसिस' (ठहराव या बेअसर होने की स्थिति) है।' गुटेरेस ने कहा कि यूएन सुरक्षा परिषद के ठप पड़ने से ऐसी स्थिति बन गई है कि दुनिया भर के हर देश को लगता है कि उन्हें अपनी मर्जी का कुछ भी करने का हक है।' क्योंकि सबसे बड़ी ताकतों का उदाहरण अच्छा नहीं है। वे जानते हैं कि वे बिना किसी सजा के ऐसा कर सकते हैं क्योंकि सिक्योरिटी काउंसिल खुद बेअसर हो चुकी है। उन्होंने कहा, 'बिना किसी सजा के बच निकलने की इसी छूट ने ऐसा माहौल बना दिया है जिसमें हम देख रहे हैं कि ज्यादा से ज्यादा देश अंतरराष्ट्रीय कानून, अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून और मानवाधिकार कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं, और वे ऐसा बिना किसी डर या सजा के कर रहे हैं। एक बात साफ है। यह मामला असल में ताकत का है।

खोए या चोरी हुए पासपोर्ट की जानकारी 24 घंटे में इंटरपोल को देना अनिवार्य

काठमांडू, 17 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल सरकार ने गुम, चोरी या रद्द किए गए नेपाली पासपोर्ट की जानकारी इंटरपोल को 24 घंटे के भीतर देना अनिवार्य कर दिया है। संबंधित व्यक्ति की ओर से सूचना मिलने के बाद पासपोर्ट विभाग को तय समय सीमा के अंदर इसकी जानकारी इंटरपोल के स्टोलन एंड लॉस्ट ट्रैवल डॉक्यूमेंट्स (एसएलटीडी) डेटाबेस में अपडेट करनी होगी। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को '2026 में इंटरपोल के साथ गुम, चोरी और रद्द पासपोर्ट का विवरण अपडेट करने की प्रक्रिया' लागू की। इसका उद्देश्य गुम या चोरी हुए नेपाली पासपोर्ट की जानकारी समय पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा करना और उनके संभावित दुरुपयोग को रोकना है। बता दें कि इंटरपोल दुनिया का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय पुलिस संगठन है, जो 196 सदस्य देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को आपस में जोड़ता है। पासपोर्ट की जानकारी अपडेट करने के लिए पासपोर्ट विभाग ऐसे अधिकारियों को नियुक्त करेगा, जो इन मामलों को संभालेंगे। विभाग गुम और चोरी हुए पासपोर्ट का रिकॉर्ड भी रखेगा और नेपाल पुलिस के इंटरपोल नेशनल सेंट्रल ब्यूरो (एनसीबी), काठमांडू के साथ समन्वय करेगा।

कनाडा और यूरोपीय संघ का गठबंधन दुश्मनी भरा, लगा दूंगा भारी टैरिफ

ट्रंप की खुली धमकी

वॉशिंगटन, 17 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर कनाडा और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच कोई संभावित व्यवस्था अमेरिका के हितों के खिलाफ हुई, तो अमेरिका यूरोप पर भारी टैरिफ (आयात शुल्क) लगा सकता है या कई चीजों में व्यापार पर रोक भी लगा सकता है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरान के साथ चल रहा संघर्ष जल्द खत्म हो सकता है।

16 सितंबर को नॉर्थ कैरोलिना के शार्लेट हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि उनकी प्रतिक्रिया इस बात पर

निर्भर करेगी कि ऐसी किसी व्यवस्था के पीछे मंशा क्या है। जब उनसे पूछा गया कि क्या कनाडा यूरोपीय संघ का सहयोगी सदस्य बन सकता है, तो उन्होंने कनाडा को व्यापार के मामले में खराब साझेदार बताते हुए कहा कि उन्हें ऐसा होने की संभावना नहीं दिखती। ट्रंप ने कहा, 'कनाडा व्यापार के मामले में एक बहुत खराब साझेदार रहा है। मुझे ऐसा होता नहीं दिखता। अगर वे ऐसा करते हैं और मुझे लगता है कि यह अमेरिका के खिलाफ कोई कदम है, तो मैं यूरोप पर बहुत गंभीर टैरिफ लगा दूंगा या कई चीजों में यूरोप के साथ व्यापार बंद कर दूंगा।'

हालांकि, ट्रंप ने किसी नए टैरिफ की घोषणा नहीं की, न ही यह बताया कि किन यूरोपीय उत्पादों पर प्रतिबंध या शुल्क लगाया जा सकता है। उन्होंने कोई समयसीमा भी नहीं दी। उनका बयान सिर्फ एक संभावित प्रतिक्रिया के रूप में था। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिक्रिया इस बात पर निर्भर करेगी कि यूरोप की मंशा अच्छी है या बुरी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वह इस बात का फैसला कैसे करेंगे। ट्रंप ने कहा, 'अगर यूरोप ऐसा करता है और उसकी मंशा गलत होती है, तो हम यूरोप पर बहुत भारी टैरिफ लगा सकते हैं।

किम जोंग की बहन बोली- परमाणु हथियार छोड़ना बेवकूफी होगी

यह हमारी सुरक्षा की गारंटी, उत्तर कोरिया के पास 60 परमाणु हथियार

प्योंगयांग, 17 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर कहा है कि वह परमाणु हथियार छोड़ने वाला नहीं है। किम जोंग उन की बहन किम यो-जोंग ने गुरुवार को कहा कि उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियार बनाए रखेगा।

ये हथियार देश की सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। किम यो ने परमाणु हथियार छोड़ने के लिए मनाने की कोशिशों को 'बेवकूफी भरी बात' बताया।

किम यो-जोंग का यह बयान वियना में चल रही अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की जनरल कॉन्फ्रेंस के दौरान आया।

किम यो-जोंग का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने उत्तर कोरिया के साथ फिर बातचीत शुरू करने की इच्छा जताई है। ट्रम्प अपने पहले कार्यकाल में किम जोंग उन से तीन बार मिल चुके हैं।

बप्पा को विदा करते समय क्या करें और क्या नहीं?

गणपति बप्पा को विदा करते समय पूजा की कुछ परंपराओं और नियमों का ध्यान रखना जरूरी माना जाता है. आइए जानते हैं, विसर्जन से पहले क्या करें, क्या न करें और बप्पा को विदाई देने का सही तरीका क्या है।

पंचांग के अनुसार, साल 2026 में गणेश उत्सव की शुरुआत 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी से हुई है और इसका समापन 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन होगा. इन दिनों भक्त अपने घरों और पंडालों में गणपति बप्पा की स्थापना कर उनकी पूजा-अर्चना करते हैं.

इसके बाद अपनी श्रद्धा और परंपरा के अनुसार बप्पा की मूर्ति का विसर्जन किया जाता है. गणपति विसर्जन सिर्फ मूर्ति को जल में प्रवाहित करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इसे बप्पा को सम्मान और श्रद्धा के साथ विदाई देने की परंपरा माना जाता है. इसलिए विसर्जन के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी माना जाता है।

विसर्जन से पहले करें उत्तर पूजा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गणपति विसर्जन से पहले उत्तर पूजा करने की परंपरा है. इसमें भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा की जाती है और उन्हें भोग लगाया जाता है. इसके बाद बप्पा से परिवार में सुख-शांति और समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की जाती है. उत्तर पूजा के बाद गणपति की मूर्ति को उसके स्थान से थोड़ा आगे खिसकाने की भी परंपरा कई जगहों पर देखने को मिलती है. इसे बप्पा की विदाई की तैयारी से जोड़कर देखा जाता है।

बप्पा को सम्मान के साथ दें विदाई

विसर्जन के लिए निकलते समय गणपति बप्पा की मूर्ति को सम्मानपूर्वक उठाना चाहिए. इस दौरान घर के सदस्य या भक्त मिलकर गणपति के जयकारे लगाते हुए उन्हें विदा करते हैं।' गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' जैसे जयकारों के साथ बप्पा को विदाई देने की परंपरा है. विसर्जन से पहले भगवान गणेश को फूल, दूर्वा, मोदक या अपनी श्रद्धा के अनुसार भोग अर्पित किया जा सकता है. इसके बाद आरती करके बप्पा से जाने-अनजाने में हुई भूल के लिए क्षमा मांगने की परंपरा भी है।

विसर्जन के समय क्या नहीं करना चाहिए?

गणपति विसर्जन के दौरान जल्दबाजी या लापरवाही से बचना चाहिए. बप्पा की मूर्ति को सम्मानपूर्वक ले जाना चाहिए और विसर्जन के दौरान किसी तरह का अपमानजनक व्यवहार नहीं करना चाहिए. मूर्ति को ऐसी जगह विसर्जित करने से बचना चाहिए जहां जल प्रदूषण या पर्यावरण को नुकसान हो।

क्या बप्पा को अकेले विदा करना चाहिए?

गणपति विसर्जन को उत्सव का अंतिम चरण माना जाता है. इसलिए कोशिश करें कि परिवार के सदस्य साथ मिलकर बप्पा को विदाई दें।

क्रोध, लोभ और मोह को दूर करने के लिए करें गणेश जी के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा

अभी गणेश उत्सव चल रहा है। गणेश पूजा का यह उत्सव 25 सितंबर तक चलेगा। इन दिनों में भगवान गणपति के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा करने का महत्व काफी अधिक है। भगवान विष्णु की तरह ही गणेश जी ने अधर्म का नाश करने के लिए समय-समय पर विकट, महोदर, विघ्नेश्वर जैसे अलग-अलग अवतार लिए हैं। इन अवतारों की पूजा से हमारे कई दोषों दूर हो सकते हैं। इन दोषों में काम, क्रोध, मद, लोभ, ईर्ष्या, मोह, अहंकार और अज्ञान शामिल है। जानिए गणपति जी का कौन सा अवतार किस असुर को खत्म करने के लिए प्रकट हुआ था...

वक्रतुंड गणेश दूर करते हैं ईर्ष्या की भावना

दैत्यगुरु शुक्राचार्य के कहने पर मत्सरासुर ने देवताओं को पराजित कर दिया था। मत्सरासुर के दो पुत्र थे सुंदरप्रिय और विषयप्रिय। ये दोनों भी अत्याचारी थे। इनके आतंक को खत्म करने के लिए वक्रतुंड प्रकट हुए। वक्रतुंड यानी टेड़ी सूंड वाले गणेश। भगवान वक्रतुंड ने मत्सरासुर के दोनों पुत्रों का वध कर दिया और मत्सरासुर को भी पराजित कर दिया। इसके बाद मत्सरासुर गणेश जी का भक्त बन गया था।

मत्सर यानी ईर्ष्या, जलन की भावना। गणेश जी के इस स्वरूप की पूजा करने से हमारे मन से ईर्ष्या की भावना दूर हो सकती है।

नशे से बचने के लिए भक्त करते हैं एकदंत गणेश की पूजा

मदासुर नाम के असुर ने दैत्यगुरु शुक्राचार्य से दीक्षा ली। इसके बाद मदासुर ने सभी देवताओं को पराजित कर दिया। देवताओं ने मदासुर के आतंक को खत्म करने के लिए गणेश जी से मदद मांगी थी। भगवान गणेश ने देवताओं की रक्षा करने के लिए एकदंत स्वरूप में अवतार लिया। एकदंत यानी एक दांत वाले गणेश। एकदंत गणेश ने मदासुर को खत्म किया।

मदासुर यानी मद, नशा। गणेश जी की सच्ची भक्ति करने से नशा करने की बुराई दूर हो सकती है।

मोह से बचाते हैं महोदर गणेश

कार्तिकेय स्वामी ने तारकासुर का वध कर दिया था, इसके बाद मोहासुर नाम के असुर ने देवताओं की परेशानियां बढ़ा दीं। तब देवताओं की प्रार्थना के बाद गणेश जी ने महोदर अवतार लिया। महोदर यानी बड़े पेट वाले गणेश। महोदर गणेश को देखते ही मोहासुर भगवान का भक्त बन गया। मोहासुर यानी मोह। गणेश जी की पूजा से हमारे सभी मोह दूर हो सकते हैं।

कामभावना दूर करते हैं विकट गणेश

कामासुर नाम के असुर ने शिव जी से वरदान पाकर देवताओं को पराजित किया और स्वर्ग पर अधिकार कर लिया। तब देवताओं की रक्षा के लिए गणपति ने विकट रूप में अवतार लिया। विकट यानी सभी परेशानियों को दूर करने वाले गणेश। भगवान विकट ने कामासुर को पराजित कर दिया।

कामासुर यानी कामभावना। गणेश जी पूजा से भक्त के मन से कामवासना की भावनाएं दूर हो सकती हैं।

लालच से बचाते हैं गजानन

देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर के लालच की वजह से लोभासुर नाम का असुर प्रकट हुआ। उसने शुक्राचार्य की दीक्षा ली। शुक्राचार्य की आज्ञा से उसने शिव जी को प्रसन्न करके वरदान प्राप्त कर लिया। इसके बाद लोभासुर ने तीनों लोकों पर कब्जा कर लिया था। सृष्टि की रक्षा के लिए भगवान गणेश ने गजानन रूप में अवतार लिया। गजानन यानी हाथी के जैसे मुख वाले गणेश। गजानन के स्वरूप को देखकर लोभासुर ने बिना युद्ध किए ही पराजय स्वीकार कर ली और उनका भक्त बन गया।

लोभासुर यानी लालच। जो लोग गणेश जी की निःस्वार्थ भाव से भक्ति करते हैं, उनके मन से लालच दूर रहता है।

गुस्सा काबू करना हो, तो लंबोदर गणेश की पूजा करें

क्रोधासुर नाम के असुर को सूर्यदेव से वरदान मिला था। उसने देवताओं को पराजित कर दिया, इसके बाद सभी देवता उससे बचने के लिए गणेश जी के पास पहुंचे। तब देवताओं की रक्षा के लिए गणपति जी ने लंबोदर रूप में अवतार लिया। लंबोदर यानी लंबे और बड़े पेट वाले गणेश। लंबोदर गणेश से डरकर क्रोधासुर पाताल लोक में चला गया और देवताओं को उससे मुक्ति मिल गई।

क्रोधासुर यानी गुस्सा। गणेश जी की भक्ति से मन शांत रहता है और मन शांत हो, तो गुस्से जैसी बुराई पर काबू किया जा सकता है।

घमंड से बचाते हैं धूम्रवर्ण गणेश

पौराणिक कथा है कि एक बार सूर्य देव की छींक से एक दैत्य की उत्पत्ति हुई। उसका नाम था अहम। अहम का एक नाम अहंतासुर भी था। शुक्राचार्य की आज्ञा से उसने तीनों लोकों में बहुत अत्याचार किया। अहंतासुर के अंत के लिए गणेश जी ने धूम्रवर्ण अवतार लिया था। धूम्रवर्ण यानी धूएं के समान रंग वाले गणेश। धूम्रवर्ण ने अहंतासुर को पराजित कर दिया। बाद में वह भी गणेश जी का भक्त बन गया।

अहंतासुर यानी अहंकार। गणेश जी की पूजा से हमारी मन से अहंकार की भावना दूर होती है।

पुणे में है 3 सूंड वाले बप्पा का प्राचीन मंदिर

देश में इन दिनों गणेशोत्सव चल रहा है. जगह-जगह बप्पा के पंडाल लगे हैं और रोजाना बप्पा के नाम के भंडारे चल रहे हैं. गली-गली और चौराहों पर बप्पा की आरती और उनके जश्न के गाने बज रहे हैं. श्रद्धालुओं में इस बात की भी होड़ लगी रहती है कि वो इस बार सबसे अच्छे गणपति अपने पंडाल में विराजेंगे और इसके लिए वे तरह-तरह की बीट को चुन बप्पा और उनके पंडाल को सजाते हैं. अब इस कड़ी में पुणे के बप्पा और उनके पंडाल का खूबसूरत नजारा देखने को मिल रहा है. यहां तीन सूंड वाले बप्पा को मोर के ऊपर विराजा गया है. अगर आप मुंबई में रहते हैं और बप्पा के इस पंडाल में जाना चाहते हैं तो चलिए हम आपको आसान रास्ता बताते है।

त्रिशुंड मयूरेश्वर गणपति मंदिर

पुणे के सोमवार पेठ में त्रिशुंड मयूरेश्वर गणपति मंदिर पुणे का एक अनोखा मंदिर है, जिसमें भगवान गणेश अपने सबसे दुर्लभ रूप में विराजमान होते हैं. पेशवा-युग के इस प्राचीन मंदिर में बप्पा का त्रिशुंड अवतार देखने को मिलता है. भक्तों के अनुसार, भगवान गणेश की हर सूंड का अर्थ बहुत गहरा है. कुछ लोगों का मानना है कि ये सूंड ब्रह्मा, विष्णु और महेश के स्वरूपों का प्रतीक हैं, जो चूहे की बजाय मोर पर विराजमान हैं. कुछ अन्य लोगों का मानना है कि ये तीन सूंड समय भूत, वर्तमान और भविष्य और सृजन, संरक्षण और विनाश पर नियंत्रण का प्रतीक है. इस मंदिर को इतना महत्वपूर्ण माना जाता है कि लोग अपनी अष्टविनायक यात्रा यहीं से शुरू करते हैं और अंत में वापस इसी मंदिर में आते हैं।

मुंबई से त्रिशुंड मयूरेश्वर गणपति मंदिर कैसे पहुंचें?

सड़क मार्गः मंदिर जाने वाली सड़कें काफी अच्छी हैं और त्रिशुंड मयूरेश्वर गणपति मंदिर तक बसों, निजी कारों और टैक्सी से जा सकते हैं. मुंबई-पुणे हाईवे से सोमवार पेठ पहुंचने में लगभग 3.5 से 4.5 घंटे लगते हैं।

मुंबई से त्रिशुंड मयूरेश्वर गणपति मंदिर कैसे पहुंचें?

सड़क मार्गः मंदिर जाने वाली सड़कें काफी अच्छी हैं और त्रिशुंड मयूरेश्वर गणपति मंदिर तक बसों, निजी कारों और टैक्सी से जा सकते हैं. मुंबई-पुणे हाईवे से सोमवार पेठ पहुंचने में लगभग 3.5 से 4.5 घंटे लगते हैं।

रेलः जेजुरी रेलवे स्टेशन पर उतरें और फिर सोमवार पेठ, मयूरेश्वर मंदिर तक ऑटो या टैक्सी लें. मंदिर स्टेशन से लगभग 10 मिनट की दूरी पर है।

मंदिर में दर्शन का समय

मयूरेश्वर मंदिर साल के 365 दिन सुबह 5:00 बजे से रात 10:00 बजे तक खुला रहता है. दर्शन के लिए सुबह 5:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक का समय है. श्रद्धालु शाम को 3:00 बजे से रात 10:00 बजे के बीच दर्शन कर सकते हैं।

एआई के युग में हर कृत्य मानव-मूल्यों से जुड़ा हो

समाजसेवा की दुनिया में एक शब्द चलता है- जन-जागरण। यह काम सबसे पहले श्रीराम ने किया। उनका उद्देश्य केवल रावण को समाप्त करना नहीं था, वे लोगों को जगाना चाहते थे। और लोगों को जगाने का अर्थ है कि आप जान जाएं जो भी काम आप कर रहे हैं, वह सही है या गलत।

निर्भय-निष्काम होकर करेंगे तो यह जन-जागरण मानव-मूल्यों से जुड़ जाता है। इस समय एआई जन-जागरण की भूमिका निभा रहा है, पर मानव-मूल्यों से नहीं जुड़ पा रहा। धीरे-धीरे स्वयं का आकलन करने की वृत्ति ही खत्म हो जाएगी।

लोग मानकर चलेंगे जो हमने किया, वह सही है। ज्यादा से ज्यादा पुष्टि करा लेंगे एआई से। जब कोई व्यक्ति चोरी करता है तो हम उसकी निंदा करते हैं। पर जो चीज उसने गलत करके पाई, वही अब हम ईमानदारी से ले रहे होते हैं। लेकिन इनके बीच में एक घटना है- आसक्ति। चोर की बेईमानी में आसक्ति थी तो वह गलत कर गया। हमारी ईमानदारी में भी आसक्ति हो तो हमारी ईमानदारी भी बेईमानी में बदल जाएगी।

राधा अष्टमी पर घर जरूर लाएं ये 3 चीजें, सुख-शांति से भर जाएगा जीवन

हिंदू धर्म में राधा अष्टमी के पर्व का बहुत खास महत्व है। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को पूरे देश में राधा अष्टमी का पर्व बहुत धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस साल राधा अष्टमी का व्रत 19 सितंबर, 2026 को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस पावन दिन बरसाना में श्री राधा रानी का प्राकट्य हुआ था। राधा अष्टमी के शुभ अवसर पर घर में कुछ विशेष और पवित्र वस्तुएं लाना बहुत फलदायी माना जाता है। यदि आप भी अपने जीवन से आर्थिक तंगी, मानसिक तनाव और वास्तु दोषों को दूर करना चाहते हैं, तो इस दिन ये चीजें घर जरूर लेकर आना चाहिए।

वैजयंती माला

भगवान श्री कृष्ण और राधा रानी को वैजयंती के फूल तथा इसकी माला अत्यंत प्रिय हैं। राधा अष्टमी के दिन घर में वैजयंती माला लाकर भगवान कृष्ण और राधा जी के चरणों में अर्पित करें और बाद में इसे मंदिर में सुरक्षित रख दें या धारण करें। ऐसा करने से आर्थिक तंगी दूर होती है, आय के नए स्रोत बनते हैं और घर का वातावरण सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है।

बांसुरी

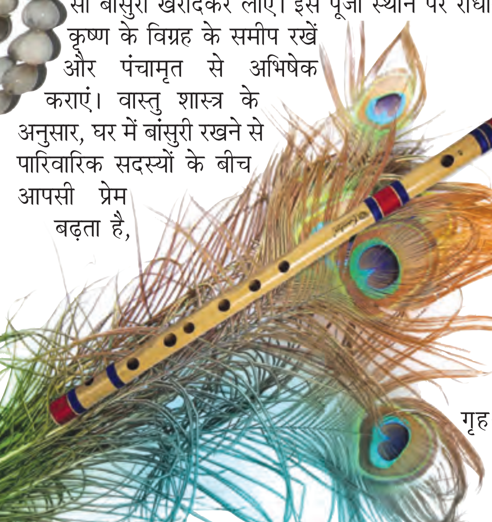

बांसुरी को प्रेम, शांति और सद्भाव का प्रतीक माना गया है। राधा-कृष्ण का परस्पर प्रेम बांसुरी के सुरीले सुरों में झलकता है। इस दिन लकड़ी या चांदी की एक छोटी सी बांसुरी खरीदकर लाएं। इसे पूजा स्थान पर राधा-कृष्ण के विग्रह के समीप रखें और पंचामृत से अभिषेक कराएं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में बांसुरी रखने से पारिवारिक सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बढ़ता है, गृह-क्लेश हमेशा के लिए समाप्त होता है और घर का वास्तु दोष दूर होता है।

चांदी की पायल या बिछिया

राधा रानी को सुहाग और सौभाग्य की अधिष्ठात्री देवी माना जाता है। इस दिन अपने सामर्थ्य अनुसार शुद्ध चांदी की पायल या बिछिया खरीदकर लाएं। पहले इसे पूजा के समय माता राधा रानी के चरणों में स्पर्श कराएं, फिर इसे घर की सुहागिन महिला को उपहार स्वरूप दें या स्वयं धारण करें। इस उपाय से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है, दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहती है और मां लक्ष्मी का स्थाई निवास घर में होता है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 18 सितंबर - 2026

होर्मुज के बाद लाल सागर की चुनौती

पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव का दायरा दुनिया के लिए चिंता का विषय है। होर्मुज के बाद लाल सागर में समुद्री आवाजाही पर बढ़ता खतरा अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। यमन में सक्रिय हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच बढ़ता टकराव अब पूरे पश्चिम एशिया की सुरक्षा व्यवस्था पर मंडराने लगा है। हूतियों ने पिछले वर्षों में अपनी सैन्य ताकत मजबूत की है। मिसाइल और ड्रोन हमलों के जरिये उन्होंने सऊदी अरब तथा लाल सागर के महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को चुनौती दी है। यही वजह है कि बाब-अल-मंदेब जैसे रणनीतिक समुद्री रास्तों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। समुद्री मार्ग बाधित होने का सीधा असर जहाजों की आवाजाही, तेल की आपूर्ति और वैश्विक व्यापार पर पड़ सकता है। सबसे गंभीर चिंता मक्का को लेकर सामने आई है। सऊदी अरब का कहना है कि मक्का के पास एक हूती ड्रोन को मार गिराया गया। हालांकि हूतियों ने मक्का को निशाना बनाने से इनकार किया है। इसलिए इस घटना के हर पहलू की स्वतंत्र पुष्टि जरूरी है। लेकिन इतना स्पष्ट है कि पवित्र शहर के आसपास किसी भी प्रकार की सैन्य गतिविधि पूरे मुस्लिम जगत की भावनाओं को प्रभावित कर सकती है। ऐसे संवेदनशील स्थानों को संघर्ष से दूर रखना सभी पक्षों की जिम्मेदारी है। यमन में हूती संगठन अंसार अल्लाह के नाम से भी जाना जाता है और वह लंबे समय से वहां के सत्ता-संघर्ष का महत्वपूर्ण पक्ष है। ईरान के साथ उसके संबंधों के कारण यमन का संघर्ष व्यापक क्षेत्रीय राजनीति से भी जुड़ गया है। ऐसे में हूती-सऊदी टकराव के बढ़ने का अर्थ केवल यमन में तनाव बढ़ना नहीं, बल्कि क्षेत्रीय शक्तियों के बीच नई खींचतान पैदा होना भी है। इसी बीच पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच मक्का संयुक्त रक्षा समझौता चर्चा में है। 7 अगस्त को हुए इस समझौते में तीनों देशों ने सामूहिक सुरक्षा और रक्षा सहयोग मजबूत करने पर सहमति जताई तथा किसी एक सदस्य पर सशस्त्र हमले को तीनों पर हमला मानने की बात कही। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने हाल में कहा था कि सऊदी अरब पर हमला होने की स्थिति में समझौता सक्रिय हो सकता है। हालांकि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि हूती हमलों के बाद तत्काल किसी सैन्य कार्रवाई पर चर्चा नहीं हुई है। यही स्थिति बताती है कि अब सबसे बड़ी जरूरत जल्दबाजी में सैन्य विस्तार की नहीं, बल्कि स्पष्ट कूटनीति की है। सऊदी अरब को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने का पूरा अधिकार है, लेकिन यमन का संघर्ष और व्यापक क्षेत्रीय युद्ध एक-दूसरे के पर्याय नहीं बनने चाहिए। पाकिस्तान और तुर्किये जैसे देश अपने प्रभाव का इस्तेमाल तनाव कम करने तथा संवाद का रास्ता खोलने में कर सकते हैं। लाल सागर की सुरक्षा, सऊदी अरब की संप्रभुता, मक्का-मदीना जैसे पवित्र स्थलों की सुरक्षा और यमन में स्थायी शांति के मुद्दों को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। युद्ध की शुरुआत कुछ हमलों से होती है, लेकिन उसका दायरा कब नियंत्रण से बाहर हो जाए, कहना कठिन होता है। पश्चिम एशिया पहले ही वर्षों के संघर्ष की भारी कीमत चुका रहा है। इसलिए समय की मांग है कि मिसाइलों की भाषा पर संवाद की आवाज भारी हो। क्षेत्रीय शक्तियां संयम बरतें, समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और यमन संकट का राजनीतिक समाधान तलाशें। यही रास्ता लाल सागर से लेकर पूरे पश्चिम एशिया को एक और बड़े संघर्ष की ओर जाने से रोक सकता है।

धनी लोग स्टार्टअप में अधिक निवेश करने लगे

स्नेहा सिंह

भारत के सबसे धनी परिवारों की निवेश व्यवस्था तेजी से बदल रही है। अब तक देश के अतिधनी लोग मुख्य रूप से इक्विटी, फिक्स्ड डिपॉजिट और रियल एस्टेट में निवेश करते थे। कई लोग अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा अपने पारिवारिक कारोबार में भी निवेश करते थे। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। देश के धनी परिवार अब अपनी संपत्ति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पारंपरिक निवेश से हटाकर नए और विविध विकल्पों यानी स्टार्टअप, प्राइवेट क्रेडिट जैसी वैकल्पिक परिसंपत्तियों में लगा रहे हैं।

जूलियस बेयर और ईवाई की 2026 की रिपोर्ट 'इंडियन फैमिली ऑफिस प्लेबुक : नाउ, नेक्स्ट एंड बियॉन्ड' के अनुसार, भारत में कई फैमिली आफिस अब अपनी कुल पूंजी का 40 से 45 प्रतिशत हिस्सा वैकल्पिक निवेशों में लगा रहे हैं।

पहले भारतीय फैमिली आफिस का मुख्य उद्देश्य संपत्ति का संरक्षण करना था। इसके कारण उनके निवेश कम जोखिम वाले निश्चित आय वाले साधनों और रियल एस्टेट विकल्पों में केंद्रित रहते थे। हालांकि देश में अमीर व्यक्तियों की संख्या बढ़ने के साथ उनका निवेश दृष्टिकोण भी बदल गया है। अब उनका ध्यान केवल संपत्ति बचाने पर ही नहीं, बल्कि नई संपत्ति बनाने पर भी है। यानी वे संपत्ति निर्माण और पूंजी को प्रभावी ढंग से निवेश करने पर जोर दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पारंपरिक ऋण साधन अब सीमित रिटर्न दे रहे हैं। बेहतर रिटर्न की तलाश में अतिउच्च नेटवर्थ वाले लोग निवेश के नए विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं।

भारत में 30 मिलियन डालर यानी लगभग 250 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति रखने वाले अतिउच्च नेटवर्थ वाले व्यक्तियों की संख्या 19,000 को पार कर गई है। 2031 तक यह संख्या बढ़कर 25,000 से अधिक होने का अनुमान है।

कई फैमिली आफिस अपने पोर्टफोलियो का 10 से 20 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सा प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल में निवेश कर रहे हैं। वे अब केवल फंड के माध्यम से निवेश नहीं कर रहे हैं, बल्कि स्टार्टअप और गैरसूचीबद्ध कंपनियों में सीधे हिस्सेदारी भी हासिल कर रहे हैं। इसके अलावा वे बड़े फंडों के साथ सहनिवेश भी कर रहे हैं। फैमिली आफिस प्राइवेट क्रेडिट में भी तेजी से रुचि ले रहे हैं। यह ऐसा निवेश विकल्प है, जिसमें बैंकों के अलावा अन्य संस्थाएं या निवेशक सीधे ऋण उपलब्ध कराते हैं। भारत के वैकल्पिक परिसंपत्ति बाजार का वर्तमान मूल्य लगभग 400 अरब डालर है और 2034 तक इसके 2 ट्रिलियन डालर से अधिक होने का अनुमान है।

फैमिली आफिस वैकल्पिक निवेश फंड एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट में भी निवेश कर रहे हैं।

धनी परिवार तेजी से उभरते क्षेत्रों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाइमेट टेक्नोलॉजी, रिन्यूएबल एनर्जी, डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में भी बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इस महत्वपूर्ण बदलाव के पीछे एक प्रमुख कारण फैमिली आफिस में युवा पीढ़ी की बढ़ती भूमिका है। भारत के लगभग 20 प्रतिशत धनी लोग 40 वर्ष से कम उम्र के हैं। विदेशों में शिक्षा प्राप्त यह युवा पीढ़ी अब केवल पारिवारिक कारोबार चलाने तक सीमित नहीं रहना चाहती। उनकी रुचि टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, मीडिया और क्लाइमेट सॉल्यूशंस जैसे नए क्षेत्रों में भी बढ़ रही है।

इसके अलावा, धनी परिवार अपनी पूरी संपत्ति को एक ही देश में निवेश करने के जोखिम को कम करने के लिए विदेशों में भी निवेश कर रहे हैं। इसे एकाग्रता जोखिम यानी कंसंट्रेशन रिस्क कहा जाता है।

मदनलाल ढ़ींगरा : 25 वर्ष का जीवन, अनंत काल की विरासत

योगेश कुमार गोयल

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में ऐसे अनेक वीर सपूतों का उल्लेख है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर गुलामी की जंजीरों को तोड़ने की राह दिखाई। इनमें से एक अमर क्रांतिकारी हैं मदनलाल ढ़ींगरा, जिनका जीवन एक ऐसा ज्योति-स्तंभ है, जिसने केवल 25 वर्ष की आयु में यह सिद्ध कर दिया कि मातृभूमि के प्रति प्रेम और बलिदान उम्र या परिस्थितियों का मोहताज नहीं होता। उनकी जयंती पर उन्हें स्मरण करना केवल श्रद्धांजलि नहीं बल्कि उस चेतना को पुनः जगाना है, जिसने पूरे राष्ट्र को संघर्ष और बलिदान का मंत्र दिया। 18 सितंबर 1883 को अमृतसर के सिकंदरी गेट में जन्मे मदनलाल ढ़ींगरा के पिता दित्तामल ढ़ींगरा एक नामी चिकित्सक और ब्रिटिश प्रशासन के प्रिय सिविल सर्जन थे। उनका परिवार अंग्रेजों का विशेष विश्वासपात्र माना जाता था। पिता की अंग्रेजपरस्ती और सामाजिक प्रतिष्ठा के बीच भी ढ़ींगरा का मन मातृभूमि के लिए समर्पित रहा। उनकी मां भारतीय संस्कारों को मानने वाली महिला थी और यहीं से ढींगरा के भीतर देशभक्ति का बीज अंकुरित हुआ। बचपन से ही वे अन्य बच्चों से अलग दिखाई देते थे। खेलों और विलासिता से दूरी बनाकर वे गहन चिंतन और आत्मानुशासन में रुचि लेते।

युवावस्था में पढ़ाई के लिए जब वे लाहौर गए तो उन पर स्वदेशी आंदोलन का प्रभाव पड़ा। उन्होंने विदेशी कपड़ों का विरोध किया और खादी पहनना शुरू कर दिया। कॉलेज प्रबंधन ने उन पर दबाव बनाया कि वे माफी मांगें लेकिन आत्मसम्मान की ज्वाला इतनी प्रखर थी कि उन्होंने समझौता करने से इन्कार कर दिया। अंततः उन्हें कॉलेज से निकाल दिया गया। परिवार ने भी उनसे दूरी बना ली। कभी समाज के संभ्रांत वर्ग का हिस्सा रहे इस युवक को अपनी आजीविका के लिए तांगा चलाना पड़ा। यह प्रसंग उनके जीवन की एक अमिट छाप है, जिसने उन्हें यह अहसास कराया कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक अधिकार नहीं बल्कि सम्मान और आत्मनिर्भरता की भी शर्त है।

1906 में जब वे उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड पहुंचे तो वह यात्रा उनके जीवन का निर्णायक मोड़ सिद्ध हुई। लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज में उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू की। उसी समय उनका परिचय श्यामजी कृष्ण वर्मा के इंडिया हाउस से हुआ, जो भारतीय विद्यार्थियों और क्रांतिकारियों का गढ़ बन चुका था। यहीं से ढ़ींगरा को हथियार चलाने और गुप्त क्रांतिकारी कार्यों का प्रशिक्षण मिला। इंडिया हाउस में अक्सर भारतीय विद्यार्थियों की बैठकों में देश की स्थिति पर चर्चा होती। खुदीराम बोस और कन्हाई लाल दत्त जैसे युवा क्रांतिकारियों की फांसी की खबरें जब लंदन तक पहुंचती तो वहां रह रहे भारतीय छात्रों के हृदय विद्रोह से भर जाते। इन्हीं क्षणों में ढ़ींगरा ने संकल्प लिया कि वे प्रतिशोध का मार्ग अपनाएंगे। उनके निशाने पर ब्रिटिश सरकार का वह अधिकारी (सर विलियम हट कर्जन वायली) था, जो भारतीयों की गतिविधियों की निगरानी करता और उनकी क्रांतिकारी कोशिशों को कुचलने में सक्रिय रहता।

1 जुलाई 1909 को इंपीरियल इंस्टिट्यूट, लंदन में इंडियन नेशनल एसोसिएशन का वार्षिकोत्सव आयोजित था। वायली जब अपनी पत्नी के साथ वहां पहुंचा तो ढ़ींगरा भीड़ के बीच से अचानक आगे बढ़े और पिस्तौल से पांच गोलियां दाग दी। चार गोलियां सटीक निशाने पर लगी और वायली वहीं ढ़ेर हो गया। ढ़ींगरा ने तुरंत अपनी पिस्तौल से स्वयं को भी गोली मारने की कोशिश की परंतु उन्हें पकड़ लिया गया। यह घटना न केवल ब्रिटिश शासन के लिए बल्कि पूरे यूरोप के राजनीतिक परिदृश्य के लिए भी सनसनीखेज थी। 23 जुलाई 1909 को लंदन की ओल्ड बेली कोर्ट में उनका मुकद्दमा चला। अदालत में उनकी निर्भीकता देखने योग्य थी। जब उनसे पूछा गया कि वे अपने बचाव में क्या कहना चाहते हैं तो उन्होंने उत्तर दिया, 'मैं कोई दलील नहीं देना चाहता। मैं अपने कार्य को उचित मानता हूं और उसके परिणाम भुगतने के लिए तैयार हूं। मुझे गर्व है कि मैंने अपना जीवन मातृभूमि के चरणों में अर्पित किया है।' उन्होंने यह भी कहा, 'मेरे इस कार्य से यदि मेरे देशवासियों में देशभक्ति जागृत होती है तो मेरा बलिदान सफल है। मैं मरकर भी जीऊंगा क्योंकि मेरा उद्देश्य भारत की स्वतंत्रता की ज्योति को प्रज्वलित करना है।' उनके इन शब्दों ने अदालत को स्तब्ध कर दिया। वे जानते थे कि दलीलें और अपीलें उन्हें जीवनदान नहीं दिला सकती परंतु उनका ध्येय ब्रिटिश अदालत में भी भारतीय स्वतंत्रता का संदेश पहुंचाना था।

17 अगस्त 1909 को लंदन की पेंटविले जेल में उन्हें फांसी पर लटका दिया गया। वे मात्र 25 वर्ष की आयु में शहीद हो गए। यह दुखद था कि परिवार ने उनसे पहले ही संबंध तोड़ लिया था। उनके पिता ने अखबारों में विज्ञापन देकर उनका बहिष्कार किया और फांसी के बाद उनके शव को लेने से भी इंकार कर दिया। इस प्रकार यह क्रांतिकारी अपने परिवार के लिए भी पराया बना दिया गया किंतु भारत माता की संतान के रूप में वह अमर हो गया। उनके बलिदान के बाद भी उनकी गाथा ब्रिटिश शासन के लिए चुनौती बनी रही। पश्चिमी मीडिया ने उन्हें 'भारतीय हत्यारा' कहकर संबोधित किया परंतु भारतीय युवाओं के लिए वे शहीद-ए-आजम थे। उनका साहस भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और उधम सिंह जैसे क्रांतिकारियों के लिए प्रेरणा बना। भगत सिंह ने अपने मुकद्दमे के दौरान जिस निर्भीकता से अदालत में वक्तव्य दिया, उसमें कहीं न कहीं ढ़ींगरा की झलक स्पष्ट दिखाई देती है। मदनलाल ढ़ींगरा के जीवन से जुड़ा एक और मार्मिक प्रसंग यह है कि उनका शव लंदन में ही दफना दिया गया था। लगभग 67 वर्षों तक उनकी स्मृति धूल में दबी रही। अंततः 1976 में उनके अवशेष भारत लाए गए और अमृतसर में पूरे सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। उन्होंने न केवल अंग्रेजों से टक्कर ली बल्कि परिवार और समाज की अपेक्षाओं को भी त्याग दिया। उनका यह त्याग बताता है कि स्वतंत्रता संग्राम केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं था बल्कि व्यक्तिगत संबंधों और सामाजिक प्रतिष्ठा से ऊपर उठने की कसौटी भी था। उन्होंने यह भी दिखाया कि स्वतंत्रता की चेतना अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी फैल चुकी थी। इंग्लैंड जैसे साम्राज्यवादी केंद्र में बैठकर उन्होंने जिस प्रकार ब्रिटिश शासन को चुनौती दी, उसने यह सिद्ध किया कि भारत की क्रांति केवल भारत की धरती तक सीमित नहीं है। ढ़ींगरा की जीवनगाथा में अनगिनत ऐसे प्रसंग छिपे हैं, जो सामान्यतः पाठ्यपुस्तकों में नहीं मिलते। उनका यह कथन कि 'देशभक्ति का अर्थ केवल अपने देशवासियों से प्रेम करना नहीं बल्कि उन अत्याचारियों से घृणा करना भी है, जो देश को गुलाम बनाए हुए हैं' आज भी गूंजता है। उनकी विचारधारा में यह स्पष्ट था कि स्वतंत्रता केवल याचना से नहीं बल्कि संघर्ष और बलिदान से प्राप्त की जा सकती है। आज जब हम उनकी जयंती मना रहे हैं तो हमें यह स्मरण करना चाहिए कि उनकी शहादत केवल अतीत का गौरव नहीं, वर्तमान की पथप्रदर्शक भी है।

अमेरिकी टैरिफ का नया आक्रामक दौर

अशोक भाटिया

अमेरिकी कांग्रेस द्वारा भारी बहुमत से पारित किया गया 'लिंडसे ओ. ग्राहम सेंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट 2026'वैश्विक व्यापार और समकालीन भू-राजनीति में एक अत्यंत आक्रामक और खतरनाक अध्याय की शुरुआत है। इस कानून के माध्यम से वाशिंगटन ने न केवल रूस की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले ऊर्जा क्षेत्र पर अंतिम प्रहार करने की कोशिश की है, बल्कि वैश्विक संप्रभु राष्ट्रों की आर्थिक स्वतंत्रता को भी सीधे तौर पर चुनौती दी है। इस नए और सख्त कानून के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह विवेकाधीन शक्ति सौंपी गई है कि वे रूस से कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस खरीदने वाले दुनिया के शीर्ष पांच देशों—जिसमें भारत और चीन जैसे बड़े देश शामिल हैं—से आने वाले उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का दंडात्मक आयात शुल्क (टैरिफ) लगा सकें। वाशिंगटन की नीतिगत दलील यह है कि जो देश रूस से तेल खरीद रहे हैं, वे परोक्ष रूप से यूक्रेन युद्ध के लिए मॉस्को के सैन्य खजाने को वित्तीय ऑक्सीजन दे रहे हैं। हालांकि, अमेरिका का यह कठोर कदम वैश्विक मुक्त बाजार के सिद्धांतों की स्पष्ट अवहेलना है, जो भारत जैसे उसके अपने सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार की आंतरिक आर्थिक स्थिरता और विकास दर को सीधे तौर पर प्रभावित करने का एक रणनीतिक प्रयास प्रतीत होता है।

इस नीति के वास्तविक आर्थिक और वित्तीय निहितार्थों को समझने के लिए सबसे पहले इसके तकनीकी ढांचे का विश्लेषण करना आवश्यक है। आम जनमानस और वैश्विक मीडिया के एक हिस्से में यह भ्रम तेजी से फैल रहा है कि अमेरिका इस दंडात्मक कानून के जरिए सीधे तौर पर भारत में आने वाले कच्चे तेल पर टैक्स लगाकर उसे महंगा कर देगा। वैधानिक रूप से ऐसा करना वाशिंगटन के अधिकार क्षेत्र से बाहर है, क्योंकि भारत और रूस के बीच होने वाला ऊर्जा व्यापार पूरी तरह से एक द्विपक्षीय विनिमय है, जिस पर अमेरिकी कर नीतियां सीधे लागू नहीं होती हैं। इसके विपरीत, यह कानून एक अप्रत्यक्ष आर्थिक हथियार की तरह काम करता है। अमेरिका इसके तहत भारत से अपने घरेलू बाजारों में आयात होने वाले तैयार माल और सेवाओं—जैसे कि भारत के विशाल टेक्सटाइल (कपड़ा उद्योग), इंजीनियरिंग उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, आईटी सेवाएं और जेनेरिक जीवन रक्षक दवाएं—पर 100% तक का टैरिफ लगाने की धमकी दे रहा है। यदि राष्ट्रपति ट्रंप इस विशेष अधिकार का पूर्ण उपयोग करते हैं, तो अमेरिकी बाजारों में भारतीय उत्पाद रातों-रात दोगुने दाम पर बिकने लगेंगे। इससे अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए भारतीय सामान बेहद महंगा हो जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय निर्यातकों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता पूरी तरह नष्ट हो जाएगी। वाशिंगटन वास्तव में नई दिल्ली के सबसे मजबूत निर्यात क्षेत्रों को बंधक बनाकर एक आर्थिक ब्लैकमेलिंग की नीति अपना रहा है, ताकि भारत को भू-राजनीतिक रूप से रूस से पूरी तरह दूर होने के लिए विवश किया जा सके। इस पूरे वैश्विक घटनाक्रम के केंद्र में भारत के संदर्भ में सबसे बड़ा और संवेदनशील प्रश्न यही उठता है कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति की इस नई शक्ति के बाद भारतीय उपभोक्ताओं को अपनी जेब से पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस के लिए अधिक कीमतें चुकानी होंगी? इस जटिल आर्थिक प्रश्न का सटीक उत्तर प्रत्यक्ष तौर पर 'नहीं' है, लेकिन इसके साथ ही एक गहरा और चिंताजनक अप्रत्यक्ष सिरा भी जुड़ा हुआ है, जो सीधे तौर पर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार के आपूर्ति तंत्र को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। चूंकि अमेरिकी टैरिफ का दायरा भारत की घरेलू रिफाइनरियों या भारत के भीतर बिकने वाले पेट्रोल-डीजल पर लागू नहीं होता है, इसलिए देश के खुदरा बाजार में तेल की कीमतों पर इसका कोई सीधा वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ेगा। भारत सरकार अपनी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों के माध्यम से घरेलू ईंधन की कीमतों को नियंत्रित और स्थिर रखती है। अमेरिकी प्रतिबंधों का भारतीय पेट्रोल पंपों पर तय होने वाली दैनिक दरों से कोई सीधा वैधानिक या वित्तीय संबंध नहीं है, जिसके कारण तात्कालिक रूप से घरेलू बाजार सुरक्षित दिखाई देता है। भारत के विदेश मंत्रालय और शीर्ष राजनयिक स्तर से यह स्पष्ट संकेत दिए गए हैं कि नई दिल्ली वाशिंगटन के किसी भी एकतरफा वित्तीय दबाव या प्रतिबंधात्मक धमकियों के आगे अपनी ऊर्जा नीतियों में बदलाव नहीं करेगी। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को राष्ट्रीय हित और अपने 140 करोड़ नागरिकों की बुनियादी आर्थिक भलाई के दृष्टिकोण से देखता है। वर्तमान में, भारत अपनी कुल आवश्यकता का लगभग 40% से 50% कच्चा तेल रूस से अत्यधिक रियायती (डिस्काउंटेड) दरों पर आयात कर रहा है। जब तक भारत सरकार इस रणनीतिक व्यापार को बिना किसी बाधा के जारी रखने में सफल रहती है, तब तक देश के भीतर तेल की कीमतें स्थिर बनी रहेंगी और महंगाई दर नियंत्रण में रहेगी। वास्तविक खतरा उस स्थिति में उत्पन्न होगा, यदि भारत अपने विशाल निर्यात क्षेत्र और अमेरिकी व्यापारिक हितों की रक्षा करने के दबाव में आकर रूसी कच्चे तेल का आयात अचानक कम या पूरी तरह बंद कर देता है। यदि भारत और चीन जैसे दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक देश अंतरराष्ट्रीय बाजार में रूसी तेल को छोड़ देते हैं, तो उन्हें अपनी भारी-भरकम ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए मध्य-पूर्व के ओपेक देशों या पश्चिमी देशों के तेल स्रोतों पर निर्भर होना पड़ेगा। इसके परिणामस्वरूप वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की मांग और आपूर्ति का नाजुक संतुलन पूरी तरह चरमरा जाएगा। वैश्विक तेल बाजार में इस अचानक पैदा होने वाली कमी के कारण कच्चे तेल की कीमतें \$100 प्रति बैरल से भी ऊपर जा सकती हैं। चूंकि भारत अपनी कुल कच्चे तेल की आवश्यकताओं का 85 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाली किसी भी बड़ी मूल्य वृद्धि का असर अंततः भारत में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में भारी उछाल के रूप में सामने आएगा, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को व्यापक महंगाई के चक्रव्यूह में धकेल सकता है। अमेरिका की इस नई प्रतिबंधात्मक नीति में एक गहरा वैचारिक अंतर्विरोध और पश्चिमी देशों का दोहरा मापदंड भी स्पष्ट रूप से उजागर हुआ है। एक तरफ जहां वाशिंगटन वैश्विक विकासशील अर्थव्यवस्थाओं जैसे भारत और चीन को दंडित करने के लिए 100% टैरिफ लगाने जैसा आक्रामक कानून लेकर आया है, वहीं दूसरी तरफ इसी 'लिंडसे ओ. ग्राहम एक्ट' में यूरोप के लगभग 15 देशों को विशेष रियायतें और छूट प्रदान की गई हैं। ये यूरोपीय राष्ट्र आज भी किसी न किसी रूप में अपनी सर्दियों की ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए रूसी प्राकृतिक गैस और परिष्कृत ऊर्जा उत्पादों पर निर्भर हैं।

इलाज के हिसाब के लिए मरीज को अपनी जेब का इलाज करना पडता है

आरके जैन

अस्पताल के दरवाजे तक आदमी बीमारी लेकर पहुंचता है, लेकिन लौटते समय अक्सर भारी बिल का बोझ साथ होता है। हैरानी यह कि इलाज का सबसे महंगा हिस्सा हमेशा दवा या ऑपरेशन नहीं होता; कई बार कुछ रुपये की मामूली प्लास्टिक ट्यूब ही जेब पर सबसे बड़ा वार कर जाती है। महाराष्ट्र एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंडे की सर्वे रिपोर्ट ने मेडिकल उपभोग्य सामग्रियों पर भारी मार्कअप की यही चुभती हकीकत सामने रखी है। 11.05 रुपये का आईवी सेट 325 रुपये (2,841 प्रतिशत मार्कअप), 6.75 रुपये की सिरिंज 57.20 रुपये और 29.41 रुपये का कैथेटर 310 रुपये में मरीज तक पहुंच सकता है। यानी बीमारी का इलाज विज्ञान करता है, लेकिन बिल का हिसाब ऐसा है कि मरीज को हर कदम पर अपनी जेब का इलाज करना पड़ता है।

2,841 प्रतिशत का मार्कअप यानी खरीद कीमत का लगभग 29 गुना—मामूली आंकड़ा नहीं। 11.05 रुपये का आईवी सेट 325 रुपये में मरीज के बिल तक पहुंच सकता है, तो सवाल है कि कीमत इतनी क्यों बढ़ी? अस्पताल के अपने खर्च हैं-स्टाफ, मशीनें, बिजली-पानी और दूसरी व्यवस्थाएं। यह उचित है। लेकिन अस्पताल कोई धर्मशाला नहीं, तो मरीज भी बीमारी के नाम पर पैसा उगलने वाला एटीएम नहीं। दस-बीस प्रतिशत के सामान्य व्यापारिक मार्जिन और हजारों प्रतिशत के अंतर को एक तराजू में नहीं तौला जा सकता। 11.05 रुपये की वस्तु 325 रुपये में पहुंचे, तो सवाल सिर्फ मुनाफे का नहीं, पारदर्शिता का है। इलाज में कीमत का सच छिपेगा, तो भरोसा भी धीरे-धीरे भय में बदल जाएगा।

बाजार में ग्राहक के पास मोलभाव और विकल्प होते हैं; अस्पताल के बिस्तर पर पड़ा मरीज इनसे लगभग वंचित होता है। दुकान पर महंगी चीज छोड़कर दूसरी दुकान जा सकते हैं, लेकिन अस्पताल में बीमारी की तात्कालिकता, डॉक्टर की सलाह और परिवार की चिंता विकल्प सीमित कर देती है। वह चाहकर भी नहीं कह सकता-"सिरिंज महंगी है, दूसरी जगह से ले आता हूं।" उस क्षण वह ग्राहक नहीं, अपनी मजबूरी के हवाले मरीज होता है। इसलिए मेडिकल आइटम की मनमानी कीमत केवल पैसे नहीं, अधिकार का सवाल है। मरीज को पता होना चाहिए कि वस्तु कितने में खरीदी गई, उसकी निर्धारित कीमत क्या है और उससे कितनी रकम ली जा रही है। इलाज में पारदर्शिता सुविधा नहीं, मरीज का अधिकार है।मरीज के हाथ में पहुंचा बिल कहानी का आखिरी पन्ना है; कीमत का खेल उससे बहुत पहले शुरू होता है। तुकाराम मुंडे की रिपोर्ट इसी परत को खोलती है। निर्माता से वितरक और आपूर्ति श्रृंखला के अलग-अलग पड़ावों तक कीमत बढ़ती है। मुंडे के अनुसार, एमआरपी अक्सर अस्पताल पहुंचने से पहले ही तय हो चुका होता है, जिसका अंतिम बोझ मरीज के बिल पर पड़ता है। दवाओं की कीमतों पर नियमन है, लेकिन अधिकांश मेडिकल उपभोग्य सामग्रियां लंबे समय तक ऐसी कठोर निगरानी से बाहर रहीं। नतीजा यह कि इलाज की जरूरी मामूली वस्तु भी कीमतों की ऐसी भूलभुलैया में पहुंच गई, जिसका रास्ता मरीज को दिखाई नहीं देता। अब उद्योग संगठन भी उचित मूल्य और पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। यानी सवाल किसी एक अस्पताल का नहीं, पूरी व्यवस्था की जवाबदेही का है।

बीमारी घर में आती है तो सबसे पहले बजट टूटता है। मध्यमवर्ग सबसे अधिक पिसता है-न पूरी सरकारी मदद मिलती है, न निजी इलाज का भारी खर्च आसानी से उठता है। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने इलाज की पहुंच बढ़ाई है, फिर भी निजी अस्पतालों में मेडिकल उपभोग्य सामग्रियों का खर्च बड़ा सवाल है। कई बार दवाओं से ज्यादा बिल उन छोटी चीजों का बनता है, जिन्हें मरीज बाजार में सस्ता समझता है। फिर परिवार सोचता है-कहां से उधार लें, क्या गिरवी रखें, कौन-सा खर्च रोकें। बीमारी मरीज को बिस्तर पर लिटाती है, भारी बिल पूरे परिवार की कमर तोड़ देता है। इसे सिर्फ व्यापार कहना इस पीड़ा को छोटा करना है।

मरीज को इलाज चाहिए, सिफारिशों की फाइल नहीं। सरकार नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी और संबंधित विभाग को सिफारिश भेज चुकी है, लेकिन जरूरत अब कागज से आगे बढ़ने की है।

जरूरी मेडिकल उपकरणों और उपभोग्य सामग्रियों की कीमतों पर नियंत्रण हो, व्यापारिक मार्जिन की तार्किक सीमा तय हो और बिल में खरीद मूल्य व मरीज से वसूली गई रकम साफ लिखी जाए। मरीज को अपने इलाज का हिसाब समझने के लिए अर्थशास्त्र पढ़ने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। उसे बस पता हो कि वस्तु कितने में आई और उससे कितने लिए गए। स्वास्थ्य सेवा में पारदर्शिता कोई सुविधा नहीं, भरोसे की पहली शर्त है।

यह समस्या महाराष्ट्र की सीमा पर खड़ी कोई अकेली दीवार नहीं है। निजी स्वास्थ्य व्यवस्था में अस्पताल का बिल, इलाज की कीमत और बीमा खर्च एक-दूसरे से जुड़े हैं। आज बढ़ा इलाज खर्च कल बीमा प्रीमियम के रूप में आम आदमी की जेब पर लौट सकता है। सवाल सीधा है-स्वास्थ्य सेवा का मकसद मरीज को स्वस्थ करना है या उसकी मजबूरी से कमाई करना? अस्पतालों को खर्च निकालने और उचित लाभ कमाने का अधिकार है, लेकिन मुनाफे की भी सीमा और मर्यादा होती है।

गोद में रखा जंग लगा पहिया

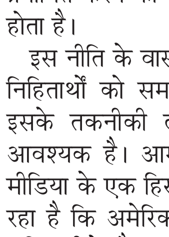

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

विकास भवन के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ के बाहर पीपल के पुराने चबूतरे पर बहत्तर साल की कौशल्या देवी हर बुधवार सुबह ठीक दस बजे आकर बैठ जाती थीं। उनकी कांपती गोद में लोहे की एक पुरानी सिलाई मशीन का जंग लगा गोल पहिया और बिना धागे की एक मुड़ी हुई सुई हमेशा रखी रहती थी। दफ़्तर का नया चपरासी जब भी उन्हें धूप में बैठा देखता तो चाय का कुल्हड़ मेज़ पर रखते हुए ठहाका लगाकर कहता कि अम्मा जब आज छब्बीस अगस्त को महिला समानता दिवस के मौके पर बड़े साहब खुद नई सिलाई मशीनें और चेक बांटने आ रहे हैं तो इस लोहे के कबाड़ वाले पहिये को रोज़ अपनी छाती से लगाकर यहाँ अफ़सरों के आगे क्या तमाशा खड़ा करती हो। कौशल्या देवी अपनी पुरानी धुंधली ऐनक को धोती के छोर से साफ करतीं और बहुत धीमी आवाज में मुस्कुराकर कहतीं कि बेटा यह लोहे का गोल पहिया केवल कबाड़ नहीं है बल्कि इस पूरे महिला कल्याण विभाग की वो टूटी हुई धुरी है जिसने मेरी बेटी के स्वाभिमान को कागज़ों की स्याही में हमेशा के लिए दफ़न कर दिया है। आसपास खड़े तमाम मुंशी और क्लर्क उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि लगता है इस बुढ़ापे में अम्मा की मति मारी गई है जो समानता दिवस के पावन उत्सव को अपनी हठ की भेंट चढ़ाने चली आई हैं। कौशल्या देवी किसी की बात का तनिक भी मलाल किए बिना उस लोहे के पहिये को अपनी कांपती उंगलियों से सहलातीं और चुपचाप गाड़ियों के काफिले का इंतज़ार करती रहती थीं। महिला कल्याण विभाग के तमाम बाबू और अधिकारी कौशल्या देवी की इस साप्ताहिक मूक उपस्थिति से पूरी तरह वाकिफ थे और उन्हें एक सनकी वृद्धा मानकर पूरी तरह अनदेखा कर देते थे। दफ़्तर का बड़ा बाबू जब भी फाइलों का पुलिंदा लेकर निदेशक के केबिन की तरफ बढ़ता तो कौशल्या देवी बहुत उम्मीद से अपनी लाठी के सहारे खड़ी हो जातीं और हाथ जोड़कर कहतीं कि बाबू जी क्या आज उस स्वरोज़गार अनुदान और सुरक्षा वाले कागज़ पर साहब के दस्तखत हो गए। बाबू गुस्से में फाइलें पटकते हुए डांटकर कहता कि अरे अम्मा जब तक डिजिटल पोर्टल पर आधार का ऑनलाइन सत्यापन पूरा नहीं होगा और तहसील से जांच रिपोर्ट नहीं आएगी तब तक कागज़ आगे नहीं बढ़ेगा और तुम इस जंग लगे पहिये को लेकर ताउम्र यहाँ चक्कर काटती रहोगी। कौशल्या देवी बिना किसी प्रतिवाद के वापस अपनी जगह पर जाकर बैठ जातीं और उस लोहे के पहिये को अपनी हथेली पर घुमाने का निरर्थक प्रयास करने लगतीं जो हर बार लड़खड़ाकर उनकी गोदी में गिर जाता था। कस्बे के लोग आपस में तरह-तरह की बातें करते कि शायद अम्मा अपने किसी पुराने भत्ते के लिए यह सब कर रही हैं लेकिन किसी को भी उस पहिये और महिला समानता के इस भव्य जलसे के बीच छुपे भयानक रहस्य की ज़रा सी भी भनक नहीं थी। दोपहर में अचानक महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के प्रमुख सचिव महोदय महिला समानता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य राज्य स्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन करने उसी विकास भवन पहुँचे। साहब की गाड़ी का सायरन बजते ही पूरे परिसर में खलबली मच गई और आनन-फानन में स्वागत के लिए नए बैनर टांगे जाने लगे ताकि कोई कमी न दिखाई दे। मंच पर दीप प्रज्वलन और नारी सशक्तिकरण पर लंबा भाषण देने के बाद जब सचिव महोदय पत्रकारों की भीड़ के साथ बाहर निकले तो उनकी नज़र चबूतरे पर शांत बैठी कौशल्या देवी पर पड़ी जिनकी गोद में वही जंग लगा पहिया रखा था।

सुब्बुलक्ष्मी की 110वीं जयंती का आयोजन

कमल हासन ने किया महान गायिका पर फिल्म का एलान, रश्मिका निभाएंगी लीड रोल

शास्त्रीय गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी के जीवन पर फिल्म बनेगी। रश्मिका मंदाना इसमें महान गायिका के किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने बीते दिनों अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए इसकी जानकारी साझा की थी। कल 16 सितंबर को एमएस सुब्बुलक्ष्मी की 110वीं जयंती के मौके पर कमल हासन ने इस फिल्म का आधिकारिक एलान किया। उन्होंने बंगलूरू में आयोजित इवेंट में फिल्म की घोषणा की।

क्या है बायोपिक फिल्म का टाइटल?

एमएस अम्मा की बायोपिक का टाइटल 'एमएस - ए लेगेसी ऑन स्क्रीन' है। इसमें रश्मिका मंदाना सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभाने वाली हैं। सुपरस्टार कमल हासन ने इस फिल्म को लॉन्च किया। इवेंट में दिग्गज अभिनेता ने महान गायिका के किरदार को निभाने के दबाव की तुलना माइकल जैक्सन का किरदार निभाने से की।

कमल हासन का कहना है कि इस रोल को निभाने में वैसा ही दबाव महसूस होता है, जैसा माइकल जैक्सन जैसे ग्लोबल आइकॉन का किरदार निभाते समय किसी एक्टर को होता। बता दें कि एमएस सुब्बुलक्ष्मी की 110वीं जयंती पर आधिकारिक तौर लॉन्च हुई इस फिल्म के टाइटल और फर्स्ट लुक से भी मेकर्स ने पर्दा उठाया।

कमल हासन ने दिया पहला क्लैप

इस लॉन्च इवेंट में कमल हासन ने पहला क्लैप दिया। कार्यक्रम में रश्मिका और कमल हासन के साथ अनुभवी प्रोड्यूसर मणिरत्नम भी शामिल हुए। इवेंट में रश्मिका ने इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए आभार जताया। वहीं, कमल हासन ने एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की म्यूजिकल विरासत और उन्हें पर्दे पर पेश करने चुनौती के बारे में बात की।

कमल हासन ने एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की विरासत और संगीत में उनके योगदान के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि अलग-अलग भाषाओं में गाए गए उनके गानों ने लोगों को एक साथ लाने में मदद की। उन्होंने कहा, 'अम्मा ने अपने संगीत के जरिए लोगों को जोड़ने का काम किया है'।

रश्मिका ने किया दर्शकों से यह वादा

इस किरदार को निभाने को लेकर रश्मिका ने इवेंट में कहा, 'आप सभी के सामने बोलते हुए बहुत गर्व महसूस हो रहा है। इस वक्त दिल में सिर्फ एक ही भावना है, और वह है आभार। आप सभी यहां अम्मा का जन्मदिन मनाने के लिए मौजूद हैं। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। दैवीय शक्ति से पूर्ण उनकी आवाज को सुनती हूं तो मुझे सचमुच ऐसा लगता है, जैसे मैं ईश्वर की उपस्थिति में बैठी हूं'। रश्मिका ने लोगों से यह वादा भी किया कि वह इस रोल के लिए वे अपना बेस्ट देंगी।

कार्यक्रम में भावुक हुईं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी बंगलूरू में आयोजित मशहूर कर्नाटक गायिका एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की 110वीं जयंती कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की थी। इस दौरान एक गाना सुनते समय वे भावुक हो गईं। कार्यक्रम में सुब्बुलक्ष्मी की परपोतियों ने प्रस्तुति दी।

बता दें कि 6 सितंबर 1916 को मदुरै में जन्मीं सुब्बुलक्ष्मी सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' पाने वाली पहली संगीतकार थीं। उन्हें यह सम्मान साल 1998 में मिला था। वे साल 1966 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्तुति देने वाली पहली भारतीय संगीतकार भी बनीं। 11 दिसंबर 2004 को चेन्नई में 88 वर्ष की आयु में उनका निधन हुआ।

अनंत नागः 'यह अवॉर्ड कर्नाटक को समर्पित', अभिनेता ने जताई दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिलने की खुशी

अभिनेता अनंत नाग को कन्नड़ सिनेमा में उनके योगदान के लिए दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह अवॉर्ड उन्हें 22 सितंबर को प्रदान किया जाएगा। इस सम्मान से नवाजे जाने के बाद एएनआई से बातचीत में पद्मभूषण अनंत नाग ने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

क्या बोले अनंत नाग?

अपने करियर में अलग-अलग भाषाओं में काम करने वाले अनंत नाग का यह सम्मान कन्नड़ सिनेमा में उनके योगदान के लिए दिया जा रहा है। इस खास मौके पर उन्होंने खुशी जताते हुए एएनआई से बातचीत में कहा, 'यह सब सिर्फ कर्नाटक की वजह से संभव हुआ है। यह सब जो मैंने हासिल किया है, वह कन्नड़ भाषी लोगों के वजह से ही हुआ है। मैं इस अवॉर्ड को कर्नाटक और वहां के लोगों को समर्पित करता हूं।'

अभिनय के साथ करते थे यह काम

आगे अपनी बातचीत के दौरान 'केजीएफ' फेम अभिनेता ने कहा, 'जब मैं 12 साल का था तब मुझे मुंबई भेज दिया गया था। इसके बाद मैं यहां एक फिल्म के लिए आया। कन्नड़ सिनेमा में मुझे खूब मौके मिले, तब मुझे महसूस हुआ कि मैं यहां काम कर सकता हूं। एक कॉलेज स्टूडेंट होने के साथ-साथ मैं बैंक में नौकरी करता था। 18 साल की उम्र में मैंने थिएटर से शुरुआत की। इसके बाद पांच साल तक मैं मंच से जुड़ा रहा। इसी वजह से मुझे अवसर मिलते चले गए।'

बंगलूरू में बनाया घर

अनंत नाग ने अपने 50 साल के सफर पर रौशनी डालते हुए कहा, 'जब मुझे कन्नड़ सिनेमा में मौके मिलने लगे तो मैंने बंगलूरू

में ही रहने का फैसला किया। यहीं अपना घर बनाया। यह सब संभव हो पाया क्योंकि कर्नाटक के लोगों ने मेरा साथ दिया।'

अनंत नाग का वर्कफ्रंट

दिग्गज अभिनेता अनंत नाग ने अपने करियर में 300 से ज्यादा फिल्में की हैं। उन्होंने ज्यादातर कन्नड़ फिल्मों में काम किया है।इसके अलावा वे हिंदी, मराठी, तेलुगु, तमिल और मलयालम फिल्मों का भी हिस्सा रह चुके हैं।

'अंकुर', 'गौरी गणेश', 'मिनचिना ओटा', 'बेलादिंगाला बाले' और 'केजीएफ' जैसी शानदार फिल्मों में भी अभिनय किया।

कई बड़े सम्मान किए अपने नाम

अनंत नाग को उनके लंबे और शानदार करियर के दौरान कई पुरस्कार और सम्मान मिल चुके हैं। उन्हें पद्म भूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है। अपने करियर में उन्होंने 6 फिल्मफेयर अवॉर्ड भी अपने नाम किए हैं। इसके अलावा वह कर्नाटक राज्य फिल्म पुरस्कार 5 बार अपने नाम कर चुके हैं। अब भारतीय सिनेमा में उनके 5 दशकों से ज्यादा के योगदान को देखते हुए उन्हें दादासाहेब फाल्के पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया जाएगा।

आईफा 2027: सलमान-करीना समेत बॉलीवुड के मशहूर सितारों से सजेगी शाम

27वां इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी (आईफा) अवॉर्ड्स इस बार अबू धाबी में आयोजित होगा। इस आयोजन में सलमान खान, करीना कपूर खान और शाहिद कपूर समेत कई सितारें शिरकत करेंगे। जानें कब और क्या होगा इस बार आईफा में खास?

आईफा 2027 में क्या खास होगा?

आईफा के 27वें संस्करण का आयोजन 22-23 जनवरी 2027 में होगा।इस दौरान बॉलीवुड के ज्यादातर सितारे अबू धाबी पहुंचेंगे। यह इवेंट अबू धाबी के यास आइलैंड स्थित एतिहाद एरिना में होगा।खास बात यह है कि आईफा का आयोजन चौथी बार दुबई में किया जाएगा।

इस समारोह में करण जौहर, वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, पंकज त्रिपाठी और अली फजल भी गेस्ट बनकर पहुंचेंगे।

2026 में होना था आईफा का आयोजन

सबसे पहले आईफा का आयोजन अगस्त से सितंबर के महीने में 2026 में किया जाना था। मगर तैयारियां पूरी न होने की वजह से इसकी तारीफ आगे खिसका दी गईं। इससे पहले साल 2025 में आईफा का आयोजन जयपुर में किया गया था। इस इवेंट को फिल्ममेकर करण जौहर और अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ होस्ट किया था। 2025 आईफा अवॉर्ड में किरण राव निर्देशित 'लापता लेडीज' ने अलग-अलग कैटेगरी में 10 अवॉर्ड्स अपने नाम किए थे।

किसने जीते सबसे ज्यादा पुरस्कार?

आईफा के इतिहास में कई फिल्मों ने ज्यादातर कैटगिरी में अवॉर्ड अपने नाम किए है।

आमिर खान की फिल्म '3 इडियट्स' और 'देवदास' ने एक समारोह में 16-16 अवॉर्ड जीते हैं।

'कल हो ना हो', 'बर्फी' और 'भाग मिल्खा भाग' जैसी हिट फिल्मों ने 14-14 पुरस्कार हासिल किए।

अभिनय के लिए शाहरुख खान और ऋतिक रोशन ने बेस्ट एक्टर और बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर को मिलाकर 5-5 पुरस्कार जीते हैं।

महिला कलाकारों में रानी मुखर्जी ने बेस्ट एक्ट्रेस और बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस को मिलाकर 5 पुरस्कार हासिल किए हैं।

संजय लीला भंसाली ने निर्देशन कैटेगरी में 4 पुरस्कार जीते।

क्या है आईफा का इतिहास?

इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। पहला आईफा इवेंट 24 जून 2000 को आयोजित किया गया था। इस इवेंट में अजय देवगन, ऐश्वर्या राय और सलमान खान की फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म चुना गया था।

इस अवॉर्ड सेरेमनी में बॉलीवुड की फिल्मों, अभिनेता-अभिनेत्रियों और निर्देशन से लेकर कई अलग-अलग कैटेगरी में कलाकारों को सम्मानित किया जाता है।

20 साल बाद फिर सूर्या की दुल्हन बनीं ज्योतिका क्या है कपल के इस खास समारोह की वजह?

साउथ अभिनेता सूर्या और अभिनेत्री ज्योतिका ने अपनी शादी के 20 साल पूरे होने पर परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी फिर से शादी की। इस दौरान कपल ने शादी की कसमें भी दोहराईं। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर सूर्या के साथ मिलकर एक जॉइंट पोस्ट भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने भावुक कर देने वाला नोट लिखा।

वीडियो में क्या देखने को मिला?

वीडियो में देखा गया कि सूर्या चर्च के अंदर नजर आते हैं, जबकि ज्योतिका व्हाइट ब्राइडल गाउन पहनकर पहुंचती हैं। अभिनेत्री को आते देख सूर्या भावुक हो जाते हैं और दोनों ने अपने परिवार और करीबियों की मौजूदगी में एक-दूसरे से कसमें दोहराईं।

एक कैंडिड मोमेंट में कार्थी भी सूर्या की मदद करते नजर आए। जब कपल चर्च से बाहर निकला, तो उनके दोस्तों ने दोनों पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं। कुछ तस्वीरों में सूर्या अपनी पत्नी को गले लगाते नजर आते हैं और फिर दोनों साथ में पोज भी देते हैं।

क्या थे ज्योतिका ने वचन?

अभिनेत्री ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'द सीक्वल- कसमें दोहराना और हमारे प्यार, नोक-झोंक भरे 20 वर्षों का जश्न। नहीं, यह किसी परफेक्ट शादी का जश्न नहीं है। यह हमारी कमियों, एक-दूसरे के लिए किए गए समझौतों, समझदारी, त्याग और निस्वार्थ प्यार का जश्न है। यह 'हम' का जश्न है। उन लोगों का जश्न, जो हम एक-दूसरे की वजह से बने हैं। कितनी अजीब बात है- जो सपना कभी हकीकत से बहुत दूर लगता था, वह अब एक ऐसी हकीकत बन चुका है, जिसके

सपने मैं पूरी जिंदगी देखती रहूंगी।'

अभिनेत्री ने पोस्ट में आगे लिखा, 'मैं एक खुश इंसान बने रहने का वादा करती हूं, क्योंकि मैं जिंदगी का सिर्फ सकारात्मक पक्ष देखना चुनती हूं। मैं जिंदगी का जश्न मनाने का वादा करती हूं, क्योंकि जब आप जिससे प्यार करते हैं, वह खुद से भी ज्यादा आपका सम्मान करता है, तो जिंदगी खुद एक तोहफा बन जाती है। मैं कभी शिकायत न करने का वादा करती हूं, क्यों करूं? जब आसमान जैसी विशाल चीज को भी जमीन को छूने का अधिकार नहीं है। अपने आसपास देखिए, इस दुनिया में सब कुछ अधूरा है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम उन कमियों को कैसे पूरा करते हैं।'

बच्चों को लेकर ज्योतिका ने क्या लिखा?

अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'मैं आभारी बने रहने का वादा करती हूं, क्योंकि हर सुबह मैं उस इंसान की बाहों में उठती हूं, जिससे मैं प्यार करती हूं और जो मेरी रक्षा करता है। मेरे खूबसूरत बच्चों के लिए, जिन्होंने मेरी जिंदगी को एक मायने दिया है और मुझे जीने की वजह दी है। मैं स्वस्थ रहने का वादा करती हूं, क्योंकि यही एकमात्र असली संपत्ति है, जिसे हम जीवन में बना सकते हैं। बड़े से बड़े ईंटों के घरों में भी हमेशा कुछ न कुछ कमियां, दीमक और मरम्मत की जरूरत होती है।'

क्या था ज्योतिका का आखिरी वचन?

ज्योतिका ने पोस्ट में लिखा, 'मैं एक अच्छी मां बनने का वादा करती हूं, सिर्फ इसलिए नहीं कि मैं खाना बनाती हूं, सफाई करती हूं या बच्चों की मदद करती हूं, बल्कि इसलिए कि मैं मुस्कुराती रहूं। मेरी वह मुस्कान मेरे बच्चों को उनके अप्पा-अम्मा की कहानी को फिर से जीने की इच्छा दे।'

उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए लिखा, 'मैं वादा करती हूं, मेरे सूर्या, कि मैं हमेशा वही अधूरी पत्नी बनी रहूंगी, जो लड़ती है और फिर सुलह कर लेती है, ताकि हर बार हम एक-दूसरे के और करीब आ सकें। मैं सबसे ज्यादा हमारी दोस्ती को संजोने का वादा करती हूं- क्योंकि एक ही इंसान में आपका बराबर का साथी, राजदार, गॉसिप पार्टनर और सबसे अच्छा दोस्त मिलना बहुत दुर्लभ है। और वह खास इंसान मेरा पति और मेरे बच्चों का पिता भी है। तो हमारे अगले 20 वर्षों के नाम- हमारे अधूरे लेकिन एक-दूसरे को पूरी तरह समझने वाले रिश्ते के नाम।'

कैसे हुई थी सूर्या और ज्योतिका की मुलाकात?

सूर्या और ज्योतिका की मुलाकात साल 1999 में आई तमिल फिल्म 'पूवेल्लम केत्तुप्पर' के दौरान हुई थी। साथ काम करने के बाद दोनों एक-दूसरे को डेट करने लगे।

परिवार की मंजूरी और करियर में स्थिरता मिलने के बाद दोनों ने 11 सितंबर, 2006 को चेन्नई में शादी की। उनकी बेटी दिया का जन्म 2007 में हुआ, जबकि बेटे देव का जन्म 2010 में हुआ। जहां सूर्या लगातार फिल्मों में काम करते रहे, वहीं ज्योतिका ने इन वर्षों में फिल्मों में कभी काम किया और कभी ब्रेक लिया।

'महिला का शरीर कोई पब्लिक प्रॉपर्टी नहीं'; कैटरीना की बॉडी शेमिंग पर भड़कीं सलमान की एक्स सोमी अली, क्या कहा?

अंबानी परिवार ने गणेश चतुर्थी पर बप्पा का स्वागत किया। इस आयोजन में कई फिल्मी सितारे शामिल हुए। अभिनेत्री कैटरीना कैफ भी एक्टर पति विक्की कौशल के साथ पहुंचीं। गणपति उत्सव से कैटरीना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। मां बनने के बाद अभिनेत्री का वजन बढ़ गया है, जिसे लेकर उनके लुक में कुछ लोग कमियां निकाल रहे हैं और ट्रोल करने लगे। कैट की ट्रोलिंग का करारा जवाब सोमी अली ने दिया है।

कैटरीना कैफ-विक्की कौशल - फोटो : सोशल मीडिया

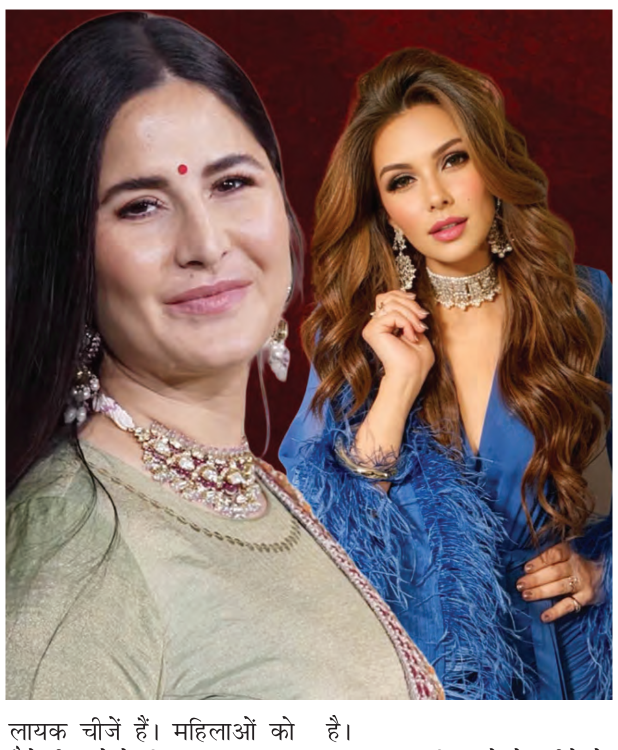

सोमी अली बोलीं- 'आपको एक महिला पर टिप्पणी का हक नहीं'

कैटरीना को उनके बढ़े वजन को लेकर ट्रोल करने वालों को सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड और अभिनेत्री सोमी अली ने जवाब दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। सोमी ने कैटरीना और विक्की की तस्वीर शेयर की है, जो अंबानी इवेंट के दौरान की है। इसके साथ एक लंबा नोट लिखा है।

सोमी अली ने लिखा है, 'किसी महिला का शरीर कोई सार्वजनिक संपत्ति नहीं है। मां बनने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि लोग उसके शरीर पर टिप्पणी करें'।

कहा- 'वे सम्मान की हकदार हैं'

सोमी अली ने आगे लिखा है, 'उस महिला ने इस दुनिया में एक नई जिंदगी को जन्म दिया है। वह महिला सम्मान की हकदार है, मजाक की नहीं। जो लोग स्क्रीन के पीछे छिपकर महिलाओं के शरीर का मजाक उड़ाते हैं, उन्हें बता दें कि उसके शरीर से आपका कोई लेना-देना नहीं है। उस महिला का हुनर, काम और उसकी इंसानियत ही ध्यान देने लायक चीजें हैं। महिलाओं को वैसे ही रहने दें, बिना इस बात पर जोर दिए कि उन्हें कैसा दिखना चाहिए'।

'यह ताकत, बदलाव और मातृत्व की निशानी है'

सोमी अली लिखती हैं, 'जिस महिला के शरीर ने एक नई जिंदगी को पोषण देकर इस दुनिया में लाया हो, उसमें एक खूबसूरती होती है। बच्चे के जन्म के बाद शरीर जैसा भी हो, उसके लिए माफी मांगने की जरूरत नहीं है। यह ताकत, बदलाव और मातृत्व की निशानी है। शायद हमें अपने शब्दों के चुनाव में ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए, खासकर जब हम महिलाओं के बारे में बात कर रहे हों। सुंदरता का कोई एक आकार या समय-सीमा नहीं होती। किसी महिला की कीमत कभी भी इस बात से नहीं गई कि उसका शरीर दूसरों की उम्मीदों पर कितना खरा उतरता है।

आइए, महिलाओं के जीने के तरीके, उनके काम करने के तरीके और उनके प्यार का जश्न मनाएं, न कि उन्हें सिर्फ उनके शरीर के आकार तक सीमित कर दें'।

कैट ने नवंबर 2025 में बेटे को दिया जन्म

बता दें कि कैटरीना कैफ ने 7 नवंबर 2025 को बेटे को जन्म दिया। अंबानी परिवार के आयोजन में उपस्थिति दर्ज कराने के बाद उनकी ट्रोलिंग पर फैंस ने भी अभिनेत्री का बचाव किया। कुछ यूजर्स ने लिखा, 'वे 40 वर्ष की हैं, कोई 20 वर्ष की नहीं हैं। उम्र और मां बनने के साथ एक महिला के शरीर में बदलाव आते हैं'। कुछ फैंस ने लिखा, 'कैटरीना अब भी उतनी ही खूबसूरत हैं। आखिर उन्हें आपके ब्यूटी स्टैंडर्ड में क्यों फिट होना चाहिए?'।

पीरियड ड्रामा फिल्म 'राणाबली' की शूटिंग पूरी

साउथ सिनेमा के निर्देशक राहुल सांकृत्यायन की बहुप्रतीक्षिक पीरियड ड्रामा फिल्म 'राणाबली' की शूटिंग पूरी हो गई है। मेकर्स ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, मेरी लगातार और बेचैन आर्मी के साथ 130 दिनों के पागलपन का यह रैप है। निर्देशक ने अपनी पोस्ट को फिल्म के मुख्य कलाकार और मेकर्स को भी टैग किया। 'राणाबली' में विजय देवरकोंडा ने राणाबली का रोल किया है, जबकि रश्मिका मंदाना ने फिल्म में उनकी पत्नी जयम्मा का रोल किया है। अर्नोल्ड वोस्लू, जो 'द ममी' में अपने काम के लिए जाने जाते हैं, विलेन सर थियोडोर हेक्टर का रोल कर रहे हैं।

यह एक पीरियड एक्शन ड्रामा है, जिसकी कहानी ब्रिटिश दौर की पृष्ठभूमि में रखी गई है। 19वीं सदी में सेट यह फिल्म 1854 और 1878 के बीच हुई असली ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित है और इसे पूरे भारत में एक बड़े प्रोजेक्ट के तौर पर बनाया जा रहा है।

सूत्रों का दावा है कि 'राणाबली' 1850 के दशक की असली घटनाओं से प्रेरित है, जिन्हें इतिहास की मेनस्ट्रीम किताबों में कभी जगह नहीं मिली। उनका कहना है कि यह 1850-1900 के समय की असली घटनाओं पर आधारित होगी और फिल्म उन घटनाओं को दिखाने की कोशिश करेगी, जिन्हें ब्रिटिश लोगों ने इतिहास में गलत तरीके से दिखाया।

सूत्रों ने यह भी बताया है कि राणाबली कोई बायोपिक नहीं होगी और न ही कोई किताबी कहानी होगी, बल्कि यह कई असली कहानियों, मौखिक इतिहास और दबे हुए रिकॉर्ड से बने एक युग का सिनेमाई रीकंस्ट्रक्शन होगी। 'राणाबली' को नवीन यरनेनी और वाई. रविशंकर बड़े पैमाने पर प्रोड्यूस कर रहे हैं और टी-सीरीज इस फिल्म को प्रजेंट कर रही है।'राणाबली' पहले 11 सितंबर को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब इसकी रिलीज डेट बदल दी गई है। यह फिल्म 16 अक्टूबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कौन हैं आकृति अग्रवाल? क्रिकेटर पृथ्वी शॉ पर कही बड़ी बात

क्रिकेटर पृथ्वी शॉ और उनकी मंगेतर आकृति अग्रवाल की सगाई टूट गई है। इसकी जानकारी इंफ्लूएंसर आकृति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर अपने फैंस को दी। मगर अब भी आकृति के व्यक्तिगत जीवन के बारे में कम ही लोग जानते हैं।

लखनऊ से है गहरा नाता

सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर आकृति अग्रवाल उत्तर प्रदेश के शहर लखनऊ की रहने वाली हैं। उनका जन्म 2 मई 2003 को हुआ था। आकृति की शुरुआती शिक्षा नवाबों के शहर लखनऊ में हुई है।

आकृति ने किया साउथ सिनेमा में डेब्यू

सोशल मीडिया में पॉपुलर होने के बाद आकृति अब जल्द टॉलीवुड में डेब्यू किया है। मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म 'त्रिमुखा' के साथ उन्होंने इन्फ्लुएंसर से अभिनेत्री के रूप में अपने करियर की शुरुआत की।

पढ़ाई के लिए मंबई आया परिवार

आकृति अग्रवाल ने अपना कॉलेज मुंबई के निर्मला मेमोरियल फाउडेंशन कॉलेज से किया है। उनके पास बीएमएस की डिग्री है। आकृति की आगे की पढ़ाई के लिए उनका परिवार मुंबई शिफ्ट हो गया।

कोविड-19 को दौरान बनीं इन्फ्लुएंसर

आकृति अग्रवाल ने कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शुरू की। इसमें वह डांस,लिप-सिंक वीडियोज पोस्ट किया करती थीं। उनका यह कंटेंट यूजर्स को काफी पसंद आया। इसके बाद वह सोशल मीडिया पर पॉपुलर हो गईं। आज उनके इंस्टाग्राम पर तीन मिलियन से ज्यादा फॉलोवर्स हैं।

पृथ्वी शॉ संग हुई थी सगाई

आकृति अग्रवाल को भारतीय क्रिकेट टीम के किक्रेटर पृथ्वी शॉ के साथ कई बार स्पॉट किया गया। इसके बाद कपल ने इसी साल 8 मार्च, 2026 को सगाई कर ली थी। दोनों के फैंस कपल की शादी का इंतजार कर रहे थे।

आकृति अग्रवाल और पृथ्वी शॉ ने तोड़ी सगाई

बीते दिनों से दोनों के रिश्तों में कड़वाहट की खबरें आ रही थी। मगर आकृति अग्रवाल ने अपना रिश्ता टूटने की जानकारी सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा की। उन्होंने अपने भावुक पोस्ट में लिखा, 'भारी मन से, मैं यह बताना चाहती हूं कि मेरे मंगेतर और मैंने अपने भविष्य के लिए अलग-अलग लक्ष्यों और हालात की वजह से अलग होने का फैसला किया है। हम एक-दूसरे से जितना प्यार और परवाह करते हैं, हमने यह मान लिया है कि हमारे रास्ते साथ रहने के लिए नहीं बने हैं।

आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया

अपनी पोस्ट में आगे आकृति ने कहा, 'अपनी जिम्मेदारियों और अभी जिन हालात का हम सामना कर रहे हैं, उन्हें देखते हुए हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है।

आकृति ने लिखा खुशी की कामना करती हूं

अपनी पोस्ट के अंतिम हिस्से में उन्होंने कहा, 'मैं सच में हम दोनों के लिए आगे बढ़ने के लिए सबसे अच्छी शांति और खुशी की कामना करती हूं। मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि इस मुश्किल समय में हमारी निजता का सम्मान करें और हमारे फैसले के पीछे के कारणों के बारे में अंदाजा लगाने से बचें। हमारी जगह को समझने और उसका सम्मान करने के लिए धन्यवाद।'

मिर्जापुर के गाने पर विवाद: 'शूरवीर' को लेकर हाईकोर्ट ने सीबीएफसी को दिया निर्देश

फिल्म 'मिर्जापुरः द मूवी' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। इस बीच इस फिल्म के एक गाने पर विवाद हो रहा है। इस मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को एक हफ्ते के अंदर फैसला लेने का निर्देश दिया है। अदालत ने (सीबीएफसी) को निर्देश दिया है कि वह मेकर्स के उस प्रस्ताव पर एक फैसला लें, जिसमें फिल्म के 'शूरवीर' गाने की जगह बैकग्राउंड म्यूजिक लगाने की बात कही गई है।

क्या है याचिकाकर्ता की मांग?

दिल्ली हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका पर सुनवाई हो रही थी। याचिकाकर्ता ने फिल्म से गाना हटाने या उसकी जगह कोई दूसरा बैकग्राउंड स्कोर लगाने की मांग की थी। याचिका में कहा गया कि रैपेरिया बालम की तरफ से कंपोज किया गया 'शूरवीर' गाना 2020 में महाराणा प्रताप को श्रद्धांजलि के तौर पर रिलीज किया गया था। इसमें कहा गया है कि गाना मेवाड़, चेतक, सम्मान, बलिदान, मातृभूमि की रक्षा और महाराणा प्रताप की विरासत का जिक्र करता है।

किस बात पर है आपत्ति?

याचिका में आगे कहा गया 'मिर्जापुरः द मूवी' में गैंगस्टर और क्रिमिनल किरदारों वाले सीन में इस गाने का इस्तेमाल किया गया है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि फिल्म में संगठित अपराध, गैंग की दुश्मनी, हिंसा, अवैध हथियार, ड्रग्स, जबरन वसूली, हत्या और अन्य आपराधिक गतिविधियों को दिखाया गया है। उन्होंने चिंता जताई है कि ऐसे माहौल में गाने के इस्तेमाल से महाराणा प्रताप से जुड़े आदर्शों और फिल्म में दिखाए गए किरदारों के बीच एक गलत संबंध बन सकता है।

खास सीन को लेकर है आपत्ति

याचिकाकर्ता ने साफ किया है कि वह सिनेमा में अपराध, हिंसा या गैंगस्टर किरदारों को दिखाए जाने को चुनौती नहीं दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि पीआईएल का संबंध गाने से जुड़े कॉपीराइट, लाइसेंसिंग या सहमति के मुद्दों से नहीं है। उनकी चुनौती सिर्फ उस खास सीन में गाने के इस्तेमाल और फिल्म सर्टिफिकेशन से जुड़े कानूनों के पालन को लेकर है।

क्या सोनू निगम ने उड़ाया सलमान खान की गायिकी का मजाक? वीडियो जारी करके दी सफाई

सुपरस्टार सलमान खान के प्रोडक्शन हाउस ने 'मैं हूं हीरो तेरा' गाना पोस्ट करते समय अमाल मलिक को क्रेडिट नहीं दिया, जिस पर विवाद हुआ। इस बीच गायक सोनू निगम का एक एडिट किया हुआ वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में गायक, सलमान खान की गायकी का मजाक उड़ाते हुए दिख रहे हैं। अब गायक ने इस वीडियो पर प्रतिक्रिया दी और साफ किया कि असल में मामला क्या था।

वायरल वीडियो में क्या है?

इस हफ्ते वायरल हुए एक वीडियो में सलमान टीवी पर 'मैं हूं हीरो तेरा' गाना गाते हुए दिख रहे हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सोनू अजीब चेहरे बनाते हैं और अपना माथा पकड़ लेते हैं। बाद में वे कहते हैं, 'कई दिनों बाद कुछ अच्छा सुना और इसने मेरा दिमाग ही हिला दिया। अगर कोई इस तरह गाता है तो मैं रो पड़ूंगा।' यह वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो पर लिखा है 'सोनू निगम ने सलमान खान की गायकी का मजाक उड़ाया'।

सोनू निगम ने दी सफाई

अब इस वीडियो को अपने

इंस्टाग्राम पर दोबारा पोस्ट करते हुए सोनू निगम ने साफ किया कि वीडियो को एडिट करके ऐसा दिखाया गया था मानो वह सलमान पर प्रतिक्रिया दे रहे हों, जबकि असल में वे एक पाकिस्तानी सिंगर पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। उनके कैप्शन में लिखा है, 'इंटरनेट पर कुछ भी हो सकता है। मुझे यह एडिट किया हुआ वीडियो मिला। यह एक छोटी पाकिस्तानी बच्ची सिंगर के लिए मेरा रिएक्शन था।'

अनीश मैथ्यू ने दी प्रतिक्रिया

गायक अनीश मैथ्यू ने भी कहा कि सोनू की प्रतिक्रिया वाला वीडियो किसी और के लिए था। उन्होंने कमेंट में लिखा 'मुझे याद है कि इस वीडियो में सोनू जी, नेस्कैफे बेसमेंट के 'बोल हू' गाने में छोटी हादिया हाशमी की गायकी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। इंटरनेट वाकई हैरान करने वाला है।'

असली वीडियो में क्या था?

बता दें कि साल 2020 में, सोनू ने हादिया की 'बोल हू' परफॉर्मेंस पर प्रतिक्रिया देते हुए और उसकी गायकी की तारीफ करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया था।

उन्होंने उसकी तारीफ करते हुए कहा था कि उन्हें किसी गाने ने इतने लंबे समय बाद इतना प्रभावित किया है। जावेद जाफरी ने उन्हें सुनने के लिए वह गाना भेजा था। सिंगर ने कहा था कि उसे सुनकर वे रो पड़े थे।

क्या है सलमान और अमाल का विवाद?

गौरतलब है कि हाल ही में सलमान खान फिल्म्स ने सूरज पंचोली और अथिया शेट्टी स्टारर फिल्म 'हीरो' के गाने 'मैं हूं हीरो तेरा' के 10 साल पूरे होने पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया।

अमाल ने इस गाने को कंपोज किया था, जिसे सलमान ने गाया था।

मगर पोस्ट में कंपोजर के तौर पर अमाल का जिक्र नहीं था।

इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर इस बात पर आपत्ति जताई।

फैंस ने सलमान के प्रति 'अहसान न मानने' के लिए अमाल की आलोचना शुरू कर दी।

अमाल और अरमान दोनों ने अपनी बात का बचाव किया, जिससे उन्हें और ज्यादा ट्रोल किया गया।

'म्यूजिक का एसआरके हूं, गुस्सा सलमान खान वाला है'; क्रेडिट विवाद के बीच कंपोजर अमाल मलिक ने किसे दी चेतावनी?

अमाल मलिक इन दिनों 'मैं हूं हीरो तेरा' गाने के क्रेडिट विवाद को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल, बीते दिनों सलमान खान फिल्म्स ने फिल्म 'हीरो' की एनिवर्सरी पर 'मैं हूं हीरो तेरा' गाने का वीडियो साझा किया था। कैप्शन में अमाल मलिक का नाम नहीं दिया गया, जबकि यह गाना उन्होंने कंपोज किया था। इस पर अमाल ने नाराजगी जाहिर की थी। अमाल का आरोप है कि इसके बाद उनके परिवार को टारगेट किया गया। इस बीच अमाल ने सोशल मीडिया पर ट्रोल करने वालों को एलर्ट किया है।

बोले- 'एक शब्द भी बर्दाश्त नहीं होगा'

'मैं हूं हीरो तेरा' गाने के क्रेडिट विवाद के बीच अमाल मलिक ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए चेतावनी दी है। उन्होंने ट्रोल्स को सख्त संदेश दिया है कि वे अपने रिस्क पर ही उनसे भिड़ें, क्योंकि वे अपने परिवार के खिलाफ एक शब्द भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। अमाल ने खुद को म्यूजिक का शाहरुख खान बताया। साथ ही यह भी साफ किया कि उनका गुस्सा सलमान खान और संजय दत्त जैसा है।

अमाल ने एक्स पर पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने अपनी आलोचना और परिवार पर हमलों के बीच साफ फर्क बताया और कहा कि परिवार पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। अमाल ने लिखा, 'दुनिया के हर सोशल प्लेटफॉर्म पर मौजूद सभी दर्शकों के लिए एक जरूरी चेतावनी... मेरे परिवार के बारे में एक भी शब्द बर्दाश्त नहीं किया जाएगा'।

क्रेडिट न मिलने पर फिर जताई नाराजगी

अमाल ने आगे लिखा है, 'सबसे पहले, यह जान लें कि अरमान मलिक ने इसका मेन वर्जन गाया है, जिसकी वजह से इसे एक्टर-प्रोड्यूसर सलमान खान और डायरेक्टर निखिल आडवाणी के सामने पेश किया जा सका। मैंने इसे बनाया, कुमार सर ने इसके बोल लिखे और अरमान मलिक ने इसे गाया, इसलिए इसे मंजूरी मिली और फिर सलमान खान सर ने इसे गाया। चीजें इसी तरह होती हैं और ठीक ऐसा ही हुआ, ठीक है? आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि मेरे और कुमार सर के बिना, गाने के लिए कोई गाना ही नहीं होता। अरमान के बिना, सलमान सर को सुनाने के लिए कुछ नहीं होता। सलमान खान के चेहरे और आवाज वाले वर्जन के बिना, यह गाना आज जिस मुकाम पर है, वहां नहीं पहुंच पाता। मैंने कभी इससे इनकार नहीं किया, लेकिन क्या कोई कभी रुककर यह सोचता है कि एक गाना बनाने में कितनी मेहनत लगती है और फिर हर साल हर सेलिब्रेशन पोस्ट में उसे नजरअंदाज कर दिया जाता है'?

बोले- 'सलमान खान और संजय दत्त वाला गुस्सा है मेरा'

म्यूजिक कंपोजर ने यह चेतावनी भी दी कि जो लोग उनके परिवार को निशाना बनाएंगे, वे उनका पर्दाफाश करेंगे। उन्होंने कहा कि वे अपने पिता डब्बू मलिक और अपने परिवार के साथ खड़े रहे हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। अमाल ने कहा, 'अगर मैंने आपमें से किसी को भी अपने परिवार के खिलाफ कुछ भी कहते हुए पाया, तो मैं आप सभी का पर्दाफाश कर दूंगा। साथ ही, अगर फिल्म इंडस्ट्री से कोई भी बिना किसी ठोस वजह के मेरे या मेरे परिवार के खिलाफ खड़ा होता है, तो सावधान हो जाइए, मैं आपसे निपट लूंगा। मैं म्यूजिक की दुनिया का SRK हूं, लेकिन मेरा गुस्सा सलमान खान और संजय दत्त जैसा है। यह सब शायद दूसरों के साथ चल जाता होगा, लेकिन डब्बू मलिक और उनके परिवार के साथ बिल्कुल नहीं'।

पुलिस एक्शन की कही बात

अमाल मलिक ने आगे लिखा है, 'अपने परिवार के साथ अमाल मलिक खड़ा था, है और हमेशा रहेगा। इसलिए, मुझसे उलझने से पहले सोच लेना।

मैं तुम्हारा IP एड्रेस खोजकर तुम्हें ढूंढूंगा और तुम में से हर एक के खिलाफ खुद एफआईआर दर्ज कराऊंगा, चाहे तुम फिल्म इंडस्ट्री से हो या आम जनता हो'। अमाल के पोस्ट पर फैंस सपोर्ट कर रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'यह मुद्दा चार दिन पहले ही खत्म हो गया तो फिर से इस तरह की पोस्ट करके क्यों बात बढ़ाई जाए'।

रसिका ने याद किया स्ट्रगल का दौर, कहा-2016 के बाद बदली किस्मत, ओटीटी ने दिलाई पहचान

अभिनेत्री रसिका दुग्गल हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में गई थीं। इस शो में उन्होंने करियर, स्ट्रगल, शादी और कॉलेज के दिनों के बारे में बात की। एपिसोड में नेहा धूपिया ने रसिका दुग्गल के कामों की तारीफ करते हुए कहा, रसिका, तुम खुद एक जॉनर बन गई हो और यह कमाल की बात है। बातचीत में रसिका दुग्गल ने उस पल के बारे में भी बताया जब उन्हें लगा कि इंडस्ट्री में अब उनकी जगह बन गई है। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें सच में कब लगा कि वह इंडस्ट्री का हिस्सा हैं, तो रसिका ने उस दौर को याद किया जब उनके काम में निरंतरता आने लगी थी। रसिका दुग्गल ने कहा, ₹जब से मेरे काम में निरंतरता आई, वह 2016-17 के बीच का समय था। मैं 2006 में एफटीआईआईआई से निकली थी, तो इसके पूरे 10 साल बाद ऐसा हुआ। बीच में भी ऐसे काम मिलते रहे, जिन्होंने मुझे हिम्मत दी और बनाए रखा लेकिन वे 2016 के बाद किए गए काम जितने चर्चित नहीं थे।

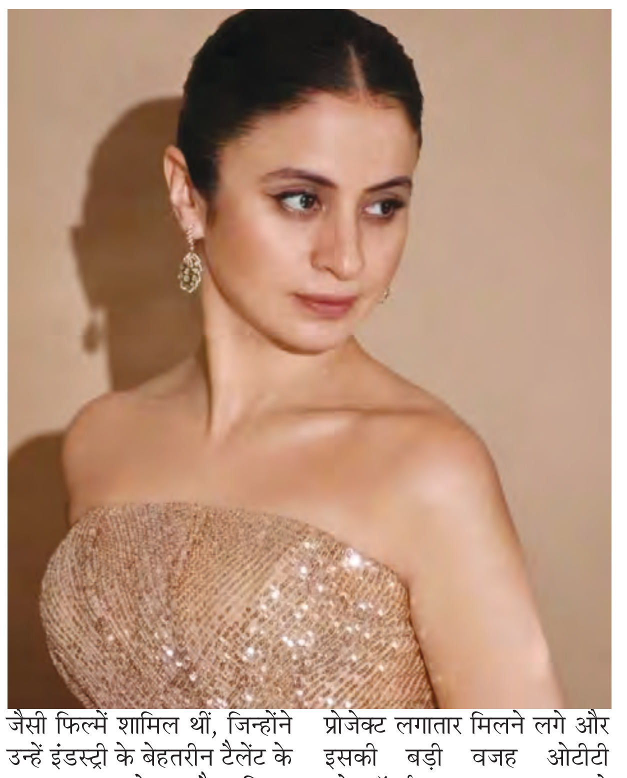

रसिका ने इस निरंतर दौर से पहले की कुछ फिल्मों को भी याद किया, जिनमें 'किस्सा' और 'क्षय' जैसी फिल्में शामिल थीं, जिन्होंने उन्हें इंडस्ट्री के बेहतरीन टैलेंट के साथ काम करने का मौका दिया। हालांकि, उन्होंने बताया कि 2016 के बाद के समय में बड़ा बदलाव आया, जब उन्हें लगातार कई प्रोजेक्ट मिलने लगे।

उन्होंने कहा, 2016 के बाद ही 'मंटो', 'मिर्जापुर' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे काम और कुछ दूसरे प्रोजेक्ट लगातार मिलने लगे और इसकी बड़ी वजह ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का आना था। तब मुझे लगा कि यह किसी आंदोलन जैसा था।रसिका की लेटेस्ट रिलीज 'मिर्जापुरः द मूवी' है। भारतीय एक्शन क्राइम थ्रिलर फिल्म में रसिका दुग्गल बीना त्रिपाठी (कालीन भैया की पत्नी और मुन्ना की सौतेली मां) का किरदार निभाया है।

यह फिल्म 'मिर्जापुर' वेब सीरीज का कोई अगला सीजन नहीं है बल्कि मिर्जापुर की दुनिया को बड़े पर्दे पर एक नए और बड़े कैनवस पर पेश किया गया। इसमें एक बिल्कुल नई कहानी और कुछ नए किरदार देखने को मिलेंगे, जो वेब सीरीज में नहीं दिखाए गए थे।

फिल्म में मुन्ना भैया और कालीन भैया के व्यवहार से जुड़े कई अनसुलझे सवालों के जवाब और किरदारों की बैकस्टोरी भी देखने को मिले। फिल्म अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई गई है। इसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है जबकि कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने किया है। इसके सह-निर्माता कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी हैं।

'मिर्जापुर द मूवी,' पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुगल और दिव्येंदु शर्मा अपने पुराने किरदारों में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही जितेंद्र कुमार, सोनल चौहान और रवि किशन भी अहम भूमिका में दिखेंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने डीयूएसयू चुनाव हिंसा पर नाराजगी जताई

कहा– फिर ऐसा हुआ तो चुनाव रद्द कर देंगे, कल वोटिंग, परसों रिजल्ट आएगा

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनावों के दौरान हो रही हिंसा पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा- लोकतंत्र को अपराधियों का समाज नहीं बनाया जा सकता। अदालत ने इस मामले में डीयू प्रशासन, दिल्ली पुलिस और सरकार से कल तक रिपोर्ट मांगी है।

कोर्ट ने यह चेतावनी भी दी है कि अगर उठाए गए कदमों से वह संतुष्ट नहीं हुआ, तो वोटों की गिनती और नतीजों के ऐलान पर रोक लगा दी जाएगी।

कोर्ट ने ये टिप्पणी डीयूएसयू चुनाव प्रचार के दौरान हुई हिंसा और गुंडागर्दी से जुड़ी जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान की।

दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ (डीयूएसयू) चुनाव से पहले बुधवार रात नॉर्थ कैंपस में छात्रों के दो गुटों के बीच झड़प हुई थी। एबीवीपी और एनएसयूआई ने एक-दूसरे से जुड़े लोगों पर अलग-अलग जगहों पर हमला करने के आरोप लगाए।

डीयूएसयू चुनाव के लिए 16 सितंबर को प्रचार खत्म हो चुका है। मतदान 18 सितंबर और मतगणना 19 सितंबर को होगी।

एबीवीपी ने आरोप लगाया कि लॉ सेंटर-1 (एलसी-1) के बाहर उसके एक सदस्य पर जानलेवा हमला किया गया। संगठन का दावा है कि हमले में कांग्रेस, इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) और एनएसयूआई से जुड़े लोग शामिल थे।

एबीवीपी ने यह भी आरोप लगाया कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के हरि मंदिर में उसके सदस्यों के घर पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने हमला किया। संगठन के मुताबिक, उस समय एबीवीपी सदस्य शांतिपूर्ण बैठक कर रहे थे और वहां महिला छात्र सदस्य भी मौजूद थीं। एबीवीपी ने दावा किया कि एक हमलावर को पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया।

एबीवीपी के मुताबिक, कांग्रेस से जुड़े गैर-छात्र राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने एनएसयूआई पैनल के लिए प्रचार किया।

संगठन ने बाहरी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की मौजूदगी और क्लासरूम में प्रचार पर सवाल उठाए। साथ ही छात्रों को प्रभावित करने के लिए पैसे के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

वहीं, एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि मोतीलाल नेहरू कॉलेज के बाहर उसके आदिवासी छात्र सदस्य पर एबीवीपी से जुड़े लोगों ने हमला किया।

संगठन ने घटना की जांच और कार्रवाई की मांग की। एनएसयूआई के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रवि हनुमान पांडे ने एबीवीपी पर डराने और अलग-थलग करने की राजनीति करने का आरोप लगाया।

मोतीलाल नेहरू कॉलेज (ईवनिंग) में डीयूएसयू के एक प्रचारक पर शिक्षक से मारपीट का आरोप लगा। इसके बाद कॉलेज की फैकल्टी ने प्रदर्शन किया।

एक शिक्षक के मुताबिक, फैकल्टी के एक सदस्य को गंभीर चोट आई और उन्हें इलाज के लिए ले जाया गया।

शिक्षकों ने कार्रवाई की मांग करते हुए एफआईआर दर्ज कराने और चुनाव से जुड़ी ड्यूटी के बहिष्कार की बात कही।

शिक्षकों ने कहा कि छात्रों को अपनी सीमाएं समझनी चाहिए और किसी भी स्थिति में फैकल्टी के साथ मारपीट नहीं होनी चाहिए।

बरेली में तूफानी बारिश पेड़-पोल उखड़े, 3 की मौत

लखनऊ/वाराणसी, 17 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। गुरुवार सुबह से बरेली, मेरठ, संभल, मुरादाबाद और कानपुर समेत 10 शहरों में रुक-रुक कर तेज बारिश हो रही है। दोपहर एक बजे लखनऊ में अचानक मौसम बदल गया। दिन में अंधेरा छा गया। तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। बरेली में तूफानी बारिश हुई। किला पुल पर विशाल पेड़ टूटकर गिर गया। सड़क पर लंबा जाम लग गया। हाईटेंशन लाइन टूट गई। पूरे शहर की बिजली गुल हो गई। कच्ची दीवार गिरने से एक महिला की मौत हो गई। दूसरी घटना में दीवार गिरने से दादी-पोती की मौत हो गई।

कानपुर में भी 40 किमी की रफ्तार से हवा चली। फिर तेज बारिश शुरू हो गई। संभल में इतनी बारिश हुई कि सड़कें तालाब बन गईं। पानी लोगों के घरों में घुस गया। मौसम विभाग ने आज 66 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है।

इधर, पहाड़ों पर हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है।

आरटीआई एक्टिविस्ट निकला हथियारों का सौदागर

अवैध गन फैक्ट्री में भर रखा था राइफल और पिस्टल का जखीरा

गोड्डा, 17 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के गोड्डा जिले में समाजसेवा और आरटीआई एक्टिविज्म की आड़ में कथित तौर पर चल रही मिनी गन फैक्ट्री का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। बिहार एसटीएफ और झारखंड पुलिस की संयुक्त टीम ने महगामा थाना क्षेत्र के घाट बलिया गांव में छापेमारी कर एक मकान से हथियार, कारतूस और हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनें बरामद की हैं।

पुलिस के अनुसार, इस अवैध कारोबार का मुख्य आरोपी पवन कुमार तुरी है, जो गांव में समाजसेवी और आरटीआई कार्यकर्ता के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए था।

पुलिस टीम ने करीब चार घंटे तक चली कार्रवाई के दौरान पवन के घर में बने एक गुप्त कमरे का पता लगाया। बताया गया कि कमरे तक पहुंचने के लिए जेसीबी से दीवार तोड़ी गई। इसके बाद वहां से एक लोडेड राइफल, जिंदा कारतूस, पिस्टल, कई अर्धनिर्मित पिस्टल, कट्टा बनाने के लिए तैयार लोहे के फ्रेम, फरमा, लेथ और ड्रिल मशीन समेत अन्य सामान बरामद किया गया। बरामद

सामान को थाने तक ले जाने के लिए ट्रैक्टर और पिकअप वाहन का इस्तेमाल करना पड़ा। महगामा एसडीपीओ वरुण रजक के नेतृत्व में छह थानों की पुलिस ने यह कार्रवाई की। स्थानीय लोगों के अनुसार, पवन के घर में अक्सर तेज आवाज में फिल्मी गाने बजाए जाते थे।

आरोप है कि इसी शोर की आड़ में मशीनों से हथियार तैयार किए जाते थे।

ग्रामीणों का यह भी कहना है कि पवन लोगों को घर में लगी मशीन को पत्तल बनाने की मशीन बताता था और सामाजिक आयोजनों में पत्तल बांटकर अपनी छवि बनाए रखता था। गोड्डा पुलिस के अनुसार, छापेमारी की भनक लगते ही पवन तुरी कार से कुछ हथियार लेकर फरार हो गया।

पुलिस ने उसके परिजनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। फरार आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। घाट बलिया के आसपास महगामा, ललमटिया और बोआरीजोर जैसे थाने होने के बावजूद कथित तौर पर लंबे समय से हथियार निर्माण का यह कारोबार चलने को लेकर पुलिस की स्थानीय खुफिया व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

महुआ मोइत्रा का आरोप– बंगाल में मुस्लिम अधिकारियों से भेदभाव

यूएन मानवाधिकार विशेषज्ञ को लेटर लिखा सरकार से जवाब मांगने की अपील की

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने पश्चिम बंगाल में अमित शाह के सरकारी कार्यक्रमों को लेकर यूएन में शिकायत की है। उन्होंने मुस्लिम आईएएस और आईपीएस अफसरों को धर्म के आधार पर बाहर रखने का आरोप लगाया है।

मोइत्रा ने यूएन अल्पसंख्यक मामलों के विशेष दूत प्रोफेसर निकोलस लेवरा को पत्र भेजा है। उन्होंने कहा कि जुलाई और अगस्त में शाह के राज्य दौरे के दौरान तीन वरिष्ठ अफसरों को कार्यक्रमों से हटाया गया या आने से रोका गया।

मोइत्रा के मुताबिक, दूसरे धर्मों के अफसरों को कार्यक्रमों में शामिल होने दिया गया। महुआ ने यूएन अधिकारी को लिखा लेटर सोशल मीडिया X पर शेयर किया है।

मोइत्रा ने यह पत्र मानवाधिकारों के लिए यूएन हाई कमिश्नर कार्यालय (ओएचसीएचआर) के अल्पसंख्यक मामलों के विशेष

दूत प्रोफेसर निकोलस लेवरा को लिखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तीन मौकों पर सीनियर मुस्लिम आईएएस और आईपीएस अफसरों को कार्यक्रमों से बाहर किया गया। ये घटनाएं अमित शाह के जुलाई और अगस्त में पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान हुईं। मोइत्रा ने कहा कि इन अफसरों के दूसरे धर्मों के समकक्षों को कार्यक्रमों में मौजूद रहने की अनुमति दी गई।

उन्होंने पत्र में लिखा, "इन तीनों अफसरों में एक बात समान है और जो बात उन्हें कार्यक्रम में रहने की अनुमति पाने वाले सहयोगियों से अलग करती है, वह उनका धर्म है।"

मोइत्रा ने सिलीगुड़ी के पुलिस कमिश्नर वकार रजा, पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स के प्रमुख जावेद शमीम और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी खलील अहमद का जिक्र किया।

उन्होंने इन घटनाओं को "जानबूझकर बाहर रखने" का पैटर्न बताया। मोइत्रा ने कहा कि इस तरह के व्यवहार से अल्पसंख्यक समुदायों के भरोसे और सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। टीएमसी नेता ने विशेष दूत से भारत सरकार से अफसरों को बाहर रखने के कारण और इसके लिए जिम्मेदार प्राधिकरण की जानकारी मांगने की अपील की।

उन्होंने अमित शाह के दौरों से जुड़े सीसीटीवी फुटेज, टूर डायरी और दूसरे रिकॉर्ड सुरक्षित रखने की भी मांग की।

केरलम बाल अधिकार आयोग बोला-लंबे बालों पर भेदभाव न करें

स्कूल ऐसे बच्चों को सजा न दें, बच्चे पसंद से बाल बढ़ाने के लिए आजाद

तिरुवनंतपुरम, 17 सितंबर (एजेंसियां)। केरलम राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्कूलों को निर्देश दिया है कि बालों की लंबाई के आधार पर बच्चों से भेदभाव न करें। आयोग ने कहा कि लड़के और किसी खास जेंडर की पहचान नहीं रखने वाले बच्चे अपनी पसंद के अनुसार बाल बढ़ा सकते हैं। स्कूल उन्हें इसके लिए सजा नहीं दे सकते।

यह आदेश 17 सितंबर को जारी किया गया जिसमें कहा गया कि बच्चे अपनी पसंद के कपड़े भी पहन सकते हैं।

आयोग ने कहा कि स्कूल प्रबंधन लड़कों या ट्रांसजेंडर बच्चों को बालों की लंबाई के कारण मानसिक रूप से परेशान नहीं कर सकते। स्कूल उन्हें क्लास से बाहर नहीं निकाल सकते। उनके साथ भेदभाव या कोई दूसरी दंडात्मक कार्रवाई भी नहीं की जा सकती। आयोग ने कहा कि स्कूलों को बच्चों की बाहरी शक्ल-सूरत के बजाय उनकी पढ़ाई और व्यक्तित्व विकास को ज्यादा प्राथमिकता देनी चाहिए। आयोग

ने कहा कि राज्य के शिक्षा विभाग या सीबीएसई की ओर से इस मामले में कोई खास गाइडलाइन जारी नहीं की गई है। इसलिए उचित गाइडलाइन तुरंत तैयार की जाए। गाइडलाइन जारी करने से पहले इन बच्चों की बात भी सुनी जानी चाहिए। आयोग ने अपने निर्देशों पर हुई कार्रवाई की रिपोर्ट 45 दिन में जमा करने को कहा है। यह आदेश दो याचिकाओं पर सुनवाई के बाद आया। पहली याचिका कोझिकोड के रामनाट्टुकरा की रहने वाली इंदु मेनन ने दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि जेंडर-न्यूट्रल होने का दावा करने वाले स्कूल भी लड़कों और ट्रांसजेंडर की पहचान नहीं रखने वाले बच्चों से भेदभाव करते हैं। लंबे बाल रखने वाले लड़कों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया जाता है।

दूसरी याचिका कोट्टक्कल के एक निजी स्कूल के प्रिंसिपल ने दायर की थी। उन्होंने बताया कि 11वीं कक्षा का एक लड़का बार-बार कहने के बावजूद बाल कटवाने से इनकार कर रहा था। प्रिंसिपल ने ऐसे मामलों में स्कूलों को किस तरह कार्रवाई करनी चाहिए, इस पर गाइडलाइन मांगी थी।

जमीन धंसने से आधे दर्जन घर जमींदोज

55 घरों पर संकट, लोग घर छोड़कर खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर

धनबाद, 17 सितंबर (एजेंसियां)। धनबाद के कतरास थाना क्षेत्र के छाताबाद में बुधवार की शाम एक बार फिर जमीन धंसने की घटना हुई है। इस बार करीब आधे दर्जन घर जमींदोज हो गए, जबकि 55 घर प्रभावित बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस घटना से करीब 500 लोग प्रभावित हुए हैं। घरों में दरारें आने के बाद लोग अपना सामान निकालकर सुरक्षित जगहों पर जा रहे हैं।

छाताबाद में जमीन धंसने की यह तीसरी घटना है। इससे पहले 7 जुलाई और 7 अगस्त को भी यहां जमीन धंसी थी। पिछली घटनाओं के बाद जिन परिवारों को एक सामुदायिक भवन में अस्थायी रूप से रखा गया था, वह भवन भी अब धंसने से टूट गया है।

घटना वाली जगह के आसपास सड़कों पर दरारें दिख रही हैं और जमीन धंसने के निशान भी हैं। कई परिवार अपने घर छोड़कर खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। लोगों का कहना है कि बार-बार जमीन धंसने से अब उन्हें अपने घरों में रहने का डर लगने लगा है।

प्रभावित परिवारों ने बीसीसीएल पर आरोप लगाया है कि उसने समझौते के दौरान किए गए वादे पूरे नहीं किए। लोगों की मांग है कि प्रभावित परिवारों का ठीक से पुनर्वास किया जाए और जमीन धंसने वाले इलाके में भराई का काम कराया जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछली घटनाओं के बाद भी कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया।

स्थानीय पार्षद मो. शहाबुद्दीन ने बताया कि इस घटना से करीब 500 लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि लंबे आंदोलन के बाद बीसीसीएल प्रबंधन ने पुनर्वास, जगह का सर्वे और प्रभावित इलाके में भराई का भरोसा दिया था, लेकिन अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

पिता ने बेटे को धारदार हथियार से मारा

गिरिडीह, 17 सितंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के हीरोडीह थाना क्षेत्र के भोलापुर गांव में घरेलू विवाद के दौरान एक पिता ने अपने बेटे पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। घटना में करीब 25 वर्षीय सिराज अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके शरीर के कई हिस्सों में गहरे जख्म आए हैं। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को इलाज के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। सिराज ने अपने पिता मदीस अंसारी पर जान से मारने की नीयत से हमला करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद से आरोपी पिता फरार बताया जा रहा है।

बताया गया कि सिराज अंसारी मुंबई में काम करता है। करीब दो साल पहले उसकी शादी हुई थी। शादी के शुरुआती दिनों में पति-पत्नी के बीच संबंध सामान्य थे, लेकिन बाद में दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद बढ़ने के बाद सिराज काम करने के लिए मुंबई चला गया।

सिराज ने आरोप लगाया कि उसे अपनी पत्नी और पिता के बीच अवैध संबंध होने का शक था। इसी विवाद के बाद उसने पत्नी को तलाक देने का फैसला किया। तलाक से संबंधित मामला कोर्ट में चल रहा था। बताया गया कि मामले में पत्नी को करीब दो लाख रुपए देने की बात तय हुई थी।

सिराज के अनुसार, उसके पिता पत्नी को तलाक नहीं देने की बात कह रहे थे। इसी मुद्दे को लेकर पिता-पुत्र के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोप है कि मदीस अंसारी ने धारदार हथियार से सिराज पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में सिराज के शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।

पुलिस-अपराधी मुठभेड़ मामला: तीन अपराधी गिरफ्तार

दो की तलाश जारी, शूटर सागर सिंह के पैर में लगी गोली

धनबाद, 17 सितंबर (एजेंसियां)। धनबाद के निरसा थाना क्षेत्र के हाथबाड़ी स्थित आनंद वाटिका के पास बुधवार शाम पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद पुलिस ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर निवासी शूटर सागर सिंह उर्फ शिबू के पैर में गोली लगी है।

घायल सागर को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, सागर धनबाद में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के इरादे से पहुंचा था। उसके दो साथियों को भी अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो अन्य अपराधी मौके से फरार हो गए। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बाहर से पांच अपराधी धनबाद पहुंचे हैं। सभी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। सूचना के बाद सिटी एसपी की अगुवाई में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में जिले के विभिन्न थानों के थाना प्रभारी और पुलिस अधिकारी शामिल किए गए। मंगलवार रात से ही अपराधियों की तलाश में अलग-अलग इलाकों में छापेमारी शुरू कर दी गई थी। बुधवार को पुलिस को सूचना मिली कि कुछ अपराधी निरसा थाना क्षेत्र में छिपे हुए हैं। इसके बाद एसडीपीओ लिलेश्वर महतो के नेतृत्व में पुलिस टीम ने हाथबाड़ी स्थित आनंद वाटिका के पास कार्रवाई की। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें सागर के पैर में गोली लगी और उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने एक हथियार और कारतूस बरामद किया है। गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उनके आपराधिक रिकॉर्ड और धनबाद आने के उद्देश्य की भी जानकारी जुटा रही है।

घायल सागर सिंह उर्फ शिबू का नाम पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह हत्याकांड में भी सामने आया था। पुलिस के अनुसार, वह इस चर्चित हत्याकांड में मुख्य शूटरों में से एक रहा है। इसके अलावा जमशेदपुर के निखार सबलोक हत्याकांड में भी पुलिस को उसकी तलाश थी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि सागर और उसके साथियों का धनबाद में किसी स्थानीय अपराधी या गिरोह से संपर्क था या नहीं।

झारखंड जेपीएससी केस में गिरफ्तार अफसरों का खुलासा

100 से ज्यादा कॉपियों में सेटिंग पकड़ा गया स्ट्रॉन्ग रूम का फर्जीवाड़ा

रांची, 17 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षाओं में सामने आए फर्जीवाड़े ने प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मचा दिया है। सीआईडी की जांच में दो फॉरेस्ट रेंज अफसरों ऋतिक रोशन और पंकज प्रसून की गिरफ्तारी के बाद सेटिंग के खेल की पोल खुल गई है। ये दोनों आरोपी कोचिंग संचालक संजीत कुमार के एजेंट के रूप में काम कर रहे थे। जांचकर्ताओं के अनुसार, परीक्षा केंद्र के स्ट्रॉन्ग रूम से कॉपियां बाहर निकालकर दिल्ली-लखनऊ से बुलाए गए सॉल्वरों के माध्यम से भरवाई जाती थीं। 100 से अधिक अभ्यर्थियों से प्रति छात्र लाखों रुपये की वसूली कर फर्जी तरीके से पास कराने का पूरा रैकेट चल रहा था।

आरोपी प्रदीप कुमार सिंह ने कबूला कि उसने स्ट्रॉन्ग रूम से 30 अभ्यर्थियों की उत्तरपुस्तिकाएं निकाली थीं। जिन्हें उत्तर नहीं पता होते थे, उन्हें मॉडल उत्तर देकर बाहर कॉपियां लिखवाई जाती थीं। खाली ओएमआर शीट भरने के लिए लखनऊ और दिल्ली से विशेष टीम बुलाई गई थी।

सीआईडी जांच में यह सामने आया है कि ऋतिक व पंकज प्रसून ने फॉरेस्ट रेंज अफसर (एफआरओ) की परीक्षा पास की थी। दोनों संजीत के एजेंट के रूप में काम करते थे।

कई अभ्यर्थियों से संपर्क कर संजीत के जरिए उन्हें लाभ पहुंचाया था। ऋतिक जमशेदपुर के उलीडीह और पंकज रांची में शिवभवन कमलाकांत रोड सुखदेवनगर का है। पंकज और संजीत पड़ोसी भी है। ऋतिक रोशन और पंकज प्रसून ने संजीत कुमार के जरिए ही एफआरओ की परीक्षा पास की थी। दोनों आरोपी कई अभ्यर्थियों को जोड़कर संजीत तक पहुँचाने का काम करते थे। पंकज प्रसून आरोपी संजीत कुमार का पड़ोसी भी है।

पूछताछ में एफआरओ मेन्स के 25 और एसीएफ मेन्स के 15 अभ्यर्थियों को गलत तरीके से पास कराने की बात सामने आई है। सीआईडी जांच में सामने आया कि 100 से अधिक अभ्यर्थियों से पीटी और मेन्स में सेटिंग के नाम पर मोटी रकम ली गई। मास्टरमाइंड अभय तिवारी और रामबीर सिंह के बयानों के मुताबिक, पीटी में प्रति छात्र 5 लाख रुपये की दर से लगभग 5 करोड़ रुपये की वसूली की गई थी।

जमीन विवाद में महिला की गला दबाकर हत्या

हजारीबाग, 17 सितंबर (एजेंसियां)। हजारीबाग के ईचाक थाना क्षेत्र में नेशनल पार्क के पीछे कुबड़ी पुल के नीचे 25 अगस्त की सुबह मिली अज्ञात महिला के शव मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि महिला की गला दबाकर हत्या की गई थी। हत्या के बाद शव को वहां लाकर फेंका गया था। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके दो सहयोगियों विक्की पासवान और आयुष कुमार की भूमिका भी सामने आई है। पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, 25 अगस्त 2026 को सुबह करीब सात बजे सूचना मिली थी कि नेशनल पार्क के पीछे कुबड़ी पुल के नीचे एक अज्ञात महिला का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही इचाक थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

इस घटना को लेकर ईचाक थाना में 25 अगस्त 2026 को कांड संख्या 144/26, धारा 103(1)/238 बीएनएस के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इसके बाद जांच शुरू की गई। जांच के दौरान एसपी के निर्देश पर तकनीकी शाखा की मदद ली गई। पुलिस ने इस मामले में प्रकाश कुमार (27) को हिरासत में लिया। प्रकाश नारायण यादव का बेटा और गया (बिहार) के बाराचट्टी थाना क्षेत्र के घिरसिंडी कला का रहने वाला है।

लव मैरिज से नाराज परिवार ने लड़की को किडनैप कराया

कार से भागते समय 6 लोगों को मारी टक्कर, 4 लोग राजस्थान से आए थे

बेंगलुरु, 17 सितंबर (एजेंसियां)। परिवार की मर्जी के खिलाफ 8-9 महीने पहले लव मैरिज करने वाली 21 साल की लड़की को उसके परिवार ने बेंगलुरु के अग्रहारा दसराहल्ली से बुधवार शाम को किडनैप करा लिया। इसके फुटेज और वीडियो आज सामने आए।

परिवार ने 4 किडनैपर राजस्थान से भेजे थे। वे लड़की के घर पहुंचे और उसे जबरन कार में बैठाकर भागने लगे। स्थानीय लोगों ने पीछा किया तो आरोपियों की कार ने कई गाड़ियों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 6 लोग घायल हो गए। लड़की राजस्थान की रहने वाली है। उसने करीब 8-9 महीने पहले राजस्थान के ही रहने वाले ओम प्रकाश से लव मैरिज की थी। शादी के बाद दोनों बेंगलुरु आकर रहने लगे थे।

पूजा के परिवार ने 16 सितंबर की शाम उसे वापस ले जाने के लिए 4 लोगों को भेजा था। बेंगलुरु पुलिस के मुताबिक, चारों अग्रहारा दसरहल्ली स्थित पूजा और ओम प्रकाश के घर पहुंचे।

उन्होंने जबरन पूजा को घर से बाहर निकाला और ह्यूंडई वेन्यू कार में बैठाकर ले गए।

आरोपी कार से भागते समय 6 लोगों को टक्कर मार दी। घायलों की पहचान पृथ्वीराज, यशिका, अमुल, मणि, जयलक्ष्मी और संतोष के रूप में हुई है। जयलक्ष्मी के सिर में गंभीर चोट आई हैं। उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। बाकी घायलों का भी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पूजा के किडनैप होने के बाद स्थानीय लोगों ने कार का पीछा कर उसे रोकने की कोशिश की। आखिरकार होसाहल्ली के पास कार को रोक लिया गया। इस दौरान कुछ लोगों ने कार पर पत्थर भी फेंके।

एक प्रत्यक्षदर्शी ने दावा किया कि घटना में 20 से ज्यादा लोग घायल हुए और कार रोकने की कोशिश करने वालों पर धारदार हथियार से हमला किया गया। हालांकि, पुलिस के मुताबिक अब तक 6 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है।

पुलिस ने पूजा को ले जाने वाले चार लोगों की पहचान सद्दाम, राकेश, करण और अयान के रूप में की है। इनमें कार चला रहा सद्दाम फरार है, जबकि तीनों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

पुलिस ने कार भी जब्त कर ली है। पूजा को सुरक्षित पुलिस के पास लाया गया। विजयनगर थाने में पूजा और आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

डबल मर्डर से सनसनी, घर में मां तो खेत में मिली दिव्यांग बेटी की लाश

बलिया, 17 सितंबर (एजेंसियां)। बलिया के रसड़ा थाना क्षेत्र से चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जहां रसड़ा थाना क्षेत्र के सराय भारती उर्फ मुस्तफाबाद गांव में मां बेटी की नृशंस हत्या की गई है। मां का शव घर में और बेटी का शव खेत में पाया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों के सिर पर ज्यादा चोट है। सूचना मिलते ही पुलिस, फॉरेंसिक टीम, स्वाट एवं सर्विलांस टीम मौके पर पहुंची वहीं जांच शुरू में जुट गई पुलिस को घटनास्थल पर साक्ष्य मिटाने की कोशिश के संकेत मिले हैं।

बलिया के रसड़ा थाना क्षेत्र में गुरुवार की सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब गांव के चौकीदार ने पुलिस को सूचना दी कि सराय भारती उर्फ मुस्तफाबाद गांव में 65 वर्षीय मानती गुप्ता (मां) उनकी करीब 22 वर्षीय दिव्यांग बेटी गौरी के शव पड़े हैं। ऐसे में सूचना मिलते ही रसड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद डॉग स्क्वायड, एफएसएल, स्वाट, सर्विलांस टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया। पुलिस के अनुसार, घर में रामचीज गुप्ता, उनकी पत्नी मानती गुप्ता उनकी करीब 22 वर्षीय दिव्यांग बेटी गौरी रहती थीं। प्रारंभिक जांच में मां-बेटी के सिर पर किसी भारी वस्तु से वार किए जाने के निशान मिले हैं। पुलिस हत्या की आशंका के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

8वें वेतन आयोग की बड़ी बैठकें शुरू

सैलरी से पेंशन तक में कितना होगा बदलाव? कर्मचारियों की प्रमुख मांगें

नई दिल्ली,17 सितंबर (एजेंसियां)। 8वें केंद्रीय वेतन आयोग ने वेतन और पेंशन से जुड़े मुद्दों पर परामर्श प्रक्रिया के तहत बुधवार से चंडीगढ़ में तीन दिवसीय दौरा शुरू किया है। आयोग शुक्रवार तक विभिन्न कर्मचारी संगठनों, पेंशनभोगी समूहों और क्षेत्रीय प्रशासन के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें करेगा।

इन बैठकों में मुख्य रूप से वेतन संरचना, सेवा शर्तों और पेंशन संबंधी प्रस्तावों पर चर्चा होने की संभावना है। 8वें केंद्रीय वेतन आयोग की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई कर रही हैं। आयोग में सदस्य सचिव के रूप में पूर्व आईएएस अधिकारी पंकज जैन और सदस्य के रूप में वित्त विशेषज्ञ तथा प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य पुलक घोष शामिल हैं।

बैठकों में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के प्रतिनिधि वेतन और पेंशन संशोधन से संबंधित अपने सुझाव आयोग के समक्ष रखेंगे। इसके अलावा, कर्मचारी संघों, पेंशनभोगी संगठनों तथा रेलवे और रक्षा कर्मियों का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न समूह भी आयोग के सामने अपनी मांगें और सुझाव प्रस्तुत करेंगे। इन परामर्श बैठकों से प्राप्त सुझावों और प्रतिक्रियाओं को आयोग अपनी अंतिम सिफारिशें तैयार करते समय ध्यान में रखेगा।

कितने कर्मचारियों पर प्रभाव?

आयोग की सिफारिशों का प्रभाव एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनभोगियों पर पड़ सकता है। इनमें लगभग 50 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारी और करीब 65 लाख पेंशनभोगी शामिल हैं। इस दायरे में रक्षा और रेलवे कर्मी तथा सेवानिवृत्त कर्मचारी भी आते हैं।

क्या है कर्मचारी संगठनों की मांग?

कर्मचारी संगठनों ने फिटमेंट फैक्टर बढ़ाने की मांग की है।फिटमेंट फैक्टर बढ़ने से नए वेतनमान के तहत मूल वेतन में बढ़ोतरी हो सकती है।

कर्मचारी संगठन महंगाई भत्ता (डीए) व्यवस्था में भी बदलाव चाहते हैं।उनकी मांग है कि डीए की समीक्षा अधिक बार की जाए और एक निश्चित सीमा तक पहुंचने पर उसे मूल वेतन में शामिल किया जाए। कई संगठनों ने हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए), परिवहन भत्ता और कठिन क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों को मिलने वाले विशेष भत्तों की भी समीक्षा की मांग की है।उनका कहना है कि बढ़ती महंगाई और बड़े शहरों में जीवनयापन की लागत को ध्यान में रखते हुए इन भत्तों में वृद्धि की जानी चाहिए। पेंशनभोगी संगठनों ने सेवानिवृत्ति के बाद आय की सुरक्षा को मजबूत बनाने, पारिवारिक पेंशन में सुधार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई है।

एन चंद्रशेखरन बने रहेंगे टाटा संस के चेयरमैन

बोर्ड ने एक और कार्यकाल को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। टाटा संस बोर्ड ने एन चंद्रशेखरन को टाटा समूह के अध्यक्ष के रूप में अगले पांच साल के कार्यकाल के लिए फिर से नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से जानकारी साझा की है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, टाटा संस की लिस्टिंग को लेकर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। गुरुवार को मुंबई में आयोजित टाटा संस बोर्ड की बैठक में चंद्रशेखरन को पांच वर्षों का एक और टर्म देने को मंजूरी दी गई।

बिजनेस स्टैंडर्ड ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विनियामक दबाव के बीच बोर्ड ने कंपनी की शेयर बाजार में लिस्टिंग (आईपीओ) प्रक्रिया शुरू करने को भी हरी झंडी दे दी है। संगठन में जारी अंदरूनी घमासान के बीच हुए इस मतदान में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा बोर्ड के अन्य सदस्यों के मुकाबले अलग-थलग पड़ गए और उनका विरोध खारिज हो गया।गुरुवार को हुई तीन घंटे की बोर्ड बैठक में टाटा संस के भविष्य को लेकर दो अहम फैसले हुए। पहला, रिजर्व बैंक के निर्देशों का पालन करते हुए कंपनी को सार्वजनिक (गो पब्लिक) करने और बाजार में लिस्ट कराने की मंजूरी दी गई। दूसरा, कंपनी के मौजूदा चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के कार्यकाल को 5 साल के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव पास किया गया। इस बैठक में नेतृत्व और लिस्टिंग को लेकर सदस्यों के बीच सहमति बनाने की कोशिश हुई, लेकिन वोटिंग के दौरान टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा अल्पमत में रह गए और बोर्ड के अन्य निदेशकों ने चंद्रशेखरन के विस्तार और लिस्टिंग के पक्ष में मतदान किया।

आरबीआई के किस नियम के कारण टाटा संस को आईपीओ लाना पड़ रहा?

टाटा संस की लिस्टिंग का यह पूरा मामला भारतीय रिजर्व बैंक के विनियामक ढांचे से जुड़ा है। सितंबर 2022 में आरबीआई ने टाटा संस को 'अपर-लेयर' गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के रूप में वर्गीकृत किया था, जिसके तहत कंपनी के लिए तीन साल के भीतर यानी सितंबर 2025/2026 तक शेयर बाजार में लिस्ट होना अनिवार्य था। इस लिस्टिंग से बचने के लिए टाटा संस ने अपने सभी बकाए कर्ज चुका दिए थे और कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) के रूप में अपना पंजीकरण सरेंडर करने के लिए आरबीआई में आवेदन किया था। हालांकि, 11 सितंबर 2026 को आरबीआई ने टाटा संस के इस आवेदन को खारिज कर दिया और कंपनी को तुरंत लिस्टिंग की दिशा में कदम बढ़ाने का सख्त निर्देश दिया।नटराजन चंद्रशेखरन फरवरी 2017 से टाटा संस के चेयरमैन पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वर्ष 2022 में उन्हें दूसरे पांच साल के कार्यकाल के लिए चुना गया था, जो 20 फरवरी 2027 तक वैध था। वर्ष 2025 में टाटा ट्रस्ट्स ने उनके तीसरे कार्यकाल का समर्थन किया था, लेकिन फरवरी 2026 में यह प्रस्ताव तब अटक गया जब नोएल टाटा ने एअर इंडिया और टाटा डिजिटल जैसे नए व्यवसायों के प्रदर्शन पर चिंता जताई।

सेंसेक्स में मामूली गिरावट

निफ्टी 23,250 पर कायम; वैश्विक बाजार में तेजी

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरें बढ़ाने और आगे मौद्रिक नीति में सख्ती के संकेत के बाद भारतीय मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को लगभग सपाट बंद हुए। बाजार में दिन भर सतर्कता का माहौल बना रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया का 22,569 करोड़ रुपये का प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) भी गुरुवार को सदस्यता के लिए खुला। पहले दिन इस आईपीओ को 39 फीसदी तक सब्सक्राइब किया गया। दिन के कारोबार में मिली बढ़त गंवाते हुए 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 21.86 अंक या 0.03 फीसदी गिरकर 74,314.59 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 341.11 अंक या 0.45 फीसदी चढ़कर 74,677.56 तक पहुंचा था। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी मामूली 53 अंक या 0.23 फीसदी बढ़कर 23,270.60 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में एचडीएफसी बैंक, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल और एक्सिस बैंक प्रमुख रूप से पिछड़ने वाले शेयर रहे। टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इंटरग्लोब एविएशन, इटरनल, मारुति और एशियन पेंट्स बढ़त वाले शेयरों में शामिल थे।

एचएसटी वेल्थ के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रिसर्च एनालिस्ट फर्म के हरिसेल्वन राधाकृष्णन ने बताया कि गुरुवार को भारतीय शेयर सीमित दायरे में कारोबार के बाद मिले-जुले बंद हुए। निफ्टी 23,270 पर मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 74,314 पर मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। बैंक निफ्टी भी 56,055 पर गिर गया। उन्होंने कहा कि चुनिंदा खरीदारी ने निफ्टी को सहारा दिया, लेकिन निजी क्षेत्र के बैंकों और सूचना प्रौद्योगिकी के शेयरों में कमजोरी ने व्यापक सुधार को सीमित कर दिया।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले का क्या असर हुआ?

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 25 आधार अंक की वृद्धि की। साथ ही इस साल एक और वृद्धि का संकेत दिया, जिससे बाजार धारणा सतर्क बनी रही। राधाकृष्णन ने कहा कि चूंकि यह निर्णय काफी हद तक अपेक्षित था, इसलिए इससे बड़ी बिकवाली नहीं हुई। हालांकि, अमेरिकी 10 साल की ट्रेजरी यील्ड 5 फीसदी के करीब थी। विदेशी बिकवाली जारी रहने से घरेलू बढ़त सीमित रही। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल 1.61 फीसदी गिरकर 104.1 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - भाद्रपद शुक्ल पक्ष शुक्रवार **18 Sep 2026**
तिथि - सप्तमी **13-00** तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - ज्येष्ठा **22-43** तक उपरान्त मूल
योग - प्रीति **13-34** तक उप आयुष्मान
करण - वणिज **13-01** तक उप विष्टी(भद्रा)
विशेष: कर्के भौम

गृह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य	कन्या	मे	कन्या--	06-08 बजे
चंद्र	वृश्चिक	मे	तुला----	07-12 बजे
मंगल	कर्क	मे	वृश्चिक--	10-22 बजे
बुध	कर्क	मे	धनु----	12-38 बजे
गुरु	कर्क	मे	मकर--	14-50 बजे
शुक्र	तुला	मे	कुंभ---	16-32 बजे
शनि	मीन	मे	मीन---	18-09 बजे
राहु	कुंभ	मे	मेष----	19-45 बजे
केतु	सिंह	मे	वृष-----	21-28 बजे
			मिथुन--	23-33 बजे
			कर्क----	01-52 बजे
			सिंह---	04-02 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 10-39 से 12-10 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06 -01 - 07-37	शुभ	रोग	18-39 - 19-44	अशुभ
लाभ	07-37 - 09-08	शुभ	काल	19-44 - 21-13	अशुभ
अमृत	09-08 - 10-39	शुभ	लाभ	21-13 - 22-41	शुभ
काल	19-39 - 12-10	अशुभ	उत्पात	22-41 - 00-10	अशुभ
शुभ	12-10 - 13-41	शुभ	शुभ	00-10 - 01-39	शुभ
रोग	13-41 - 15-13	अशुभ	अमृत	01-39 - 03-08	शुभ
उत्पात	15-13 - 16-44	अशुभ	चंचल	03-08 - 04-37	शुभ
चंचल	16-44 - 18-39	शुभ	रोग	05-37 - 06-01	अशुभ

चीन ने फिर कर दी पुरानी हरकत! भारतीय चावल की खेपों को लौटाया

3 निर्यातकों को किया सस्पेंड; वजह भी झूठी

नई दिल्ली,17 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और चीन के लंबा व्यापारिक इतिहास रहा है, लेकिन पिछले कुछ सालों से चीन की ओ से लगातार भारतीय निर्यातकों को अलग-अलग बहाने बनाकर उन्हें बैन या सस्पेंड किया जा रहा है। अब एक बार फिर से चीन ने भारत के 3 और चावल निर्यातकों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है।

इनमें आंध्र प्रदेश की सरला फूड्स, पट्टाभि एग्रो फूड्स और दिल्ली की ओम इंडिया ट्रेडिंग लिमिटेड शामिल हैं। इसके साथ ही चीन की ओर से प्रतिबंधित भारतीय चावल निर्यातकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। हालांकि भारतीय निर्यातकों का कहना है कि चीन तकनीकी मानकों के नाम पर गैर-टैरिफ बाधाएं खड़ी कर रहा है, जिससे भारतीय चावल की पहुंच उसके बाजार में कम हो रही है।

जांच में नहीं मिला जीएमओ

चीन की ओर से पहले भी चावल की खेपों को लौटाया जा चुका है, जिसके बाद एपीईडीए ने जांच और निर्यात का पैरामीटर और अधिक सख्त कर दिया था, लेकिन चीन बार-बार बहाना बनाकर एक्सपोर्टर्स को सस्पेंड कर रहा है। राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष मुकेश जैन ने कहा कि चीन की ओर से जिन चावल खेपों को जीएमओ की मौजूदगी बताकर लौटाया गया था, उनकी भारत में एफएसएसएआई से जांच कराई गई।

जांच में जीएमओ का कोई प्रमाण नहीं मिला। उन्होंने कहा कि बाद में इन्हीं खेपों को दूसरे देशों में निर्यात किया गया, जहां भी क्वालिटी चेक में कोई समस्या नहीं पाई गई। पट्टाभि एग्रो फूड्स के एमडी और राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन के अध्यक्ष बी.वी. कृष्णा राव ने बताया कि चीन के सीमा शुल्क प्रशासन ने कहा कि भारतीय चावल की खेप निर्धारित मानकों पर खरी नहीं उतरी। उनके मुताबिक चीन के खरीदार ने दावा किया कि खेप में जीएमओ पाया गया है। प्रभावित सभी खेपें टूटे हुए चावल की थीं।

प्री-शिपमेंट जांच में नहीं मिली कोई गड़बड़ी

निर्यातकों का कहना है कि चीन की भारतीय इकाई द्वारा प्री-शिपमेंट निरीक्षण के दौरान किसी भी खेप में जीएमओ की मौजूदगी नहीं पाई गई थी। लेकिन चीन पहुंचने के बाद वहां के अधिकारियों ने जीएमओ होने का दावा किया। यही वजह है कि भारतीय निर्यातक और अधिकारी चीन की कार्रवाई पर सवाल उठा रहे हैं।

चीन पहुंचा रहा आर्थिक नुकसान

निर्यातकों के अनुसार चीन को चावल निर्यात करना अब आर्थिक रूप से नुकसानदायर हो गया है। एक कंटेनर चीन भेजने का खर्च करीब 250 डॉलर पड़ता है। लेकिन यदि खेप लौटानी पड़े तो 2,500 से 4,500 डॉलर तक अतिरिक्त खर्च आता है। निर्यातकों का कहना है कि इस वजह से चीन को भारतीय चावल का व्यापार लगभग रुक गया है। चीन की ओर से चापल की खेपों को वापस करने का कोई नया मामला नहीं है। व्यापार सूत्रों के अनुसार मई 2026 तक चीन कम से कम 70 भारतीय गैर-बासमती चावल खेपों को जीएमओ का आरोप लगाकर रिजेक्ट कर चुका है।

फेस्टिव सीजन में महंगाई बढ़ा सकता है अल नीनो

बढ़ने लगी हैं दालों और तिलहन की कीमत

नई दिल्ली,17 सितंबर (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन में तिलहन और दलहन की कीमत में तेजी की आशंका है।

पिछले साल की तुलना में अरहर और चना जैसी मुख्य दालों और सोयाबीन तथा मूंगफली जैसे तिलहन की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। कम बारिश का असर खड़ी खरीफ फसल पर पड़ने लगा है और आने वाले रबी सीजन में पैदावार को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। पिछले साल इसी समय की तुलना में अरहर की थोक कीमतों में 30% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है, जबकि चना 11% महंगा हो गया है। इंडियन पल्सेस एंड ग्रेन्स एसोसिएशन और सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, सोयाबीन की कीमतों में 40% से ज्यादा और मूंगफली की कीमतों में 50% की उछाल आई है।

कर्नाटक में सूखा

ऑल इंडिया दाल मिलर्स एसोसिएशन के एग्जीक्यूटिव मेंबर रूपेश राठी ने कहा, कीमतें मजबूत बनी हुई हैं क्योंकि कर्नाटक और महाराष्ट्र के आस-पास के इलाकों में अरहर की फसल की हालत को लेकर चिंता है। वहां हाल के हफ्तों में नमी की कमी बढ़ी है। हालांकि, कीमतें अभी भी मिनिमम सपोर्ट प्राइस लेवल से थोड़ी ही ज्यादा हैं। कर्नाटक, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश अरहर और चने के मुख्य उत्पादक हैं, जबकि सोयाबीन उत्पादन में महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सबसे ऊपर हैं। कर्नाटक पहले ही अपने लगभग 100 तालुकों में सूखा घोषित कर चुका है, जबकि महाराष्ट्र के मराठवाड़ा के कई जिलों में कुल बारिश में 36% की कमी दर्ज की गई है। महाराष्ट्र का लातूर दाल इंडस्ट्री का एक प्रमुख केंद्र है और प्रीमियम क्वालिटी वाली अरहर के लिए जाना जाता है। वहां के दाल प्रोसेसर नितिन कलंत्री ने कहा कि मौसम से जुड़ी चिंताएं कीमतों पर असर डाल रही हैं। कलंत्री ने कहा, बारिश में कमी के साथ-साथ गर्मी का बढ़ता असर भी फसलों की पैदावार पर असर डाल सकता है। अगर लंबे समय तक बारिश नहीं हुई तो उत्पादन को लेकर चिंताएं बढ़ जाएंगी। भारत में सबसे ज्यादा खाई जाने वाली दाल चना की बुवाई आने वाले रबी सीजन में होगी। इसकी कीमतों में तेजी आ रही है क्योंकि ऐसे अनुमान हैं कि अल नीनो क्लाइमेट पैटर्न मजबूत हो रहा है और रबी फसलों के लिए मिट्टी में नमी का लेवल महत्वपूर्ण होता है। सरकारी एजेंसी एनएएफईडी ने लगभग ढाई महीने पहले अपने स्टॉक से 60 रुपये प्रति किलो के भाव पर चना बेचना शुरू किया था और हाल ही में इसे 66 रुपये प्रति किलो के भाव पर बेचा।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज कार्य क्षेत्र में आप किसी गलतफहमी का शिकार हो सकते है , लेकिन अपने सहकर्मियों की आलोचना न करे ।आप ग्रहों के प्रभाव की वजह से तनाव और गुस्से में आ सकते है और आप इसकी भड़ास अपने सहयोगियों पर निकाल सकते है । इसकी वजह से आपके कार्यस्थल में अनावश्यक और अतिरिक्त तनाव पैदा होगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप पर अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों जीवन में भारी जिम्मेदारियों का भार है , इसलिए आपको अपने समय का प्रबंधन उचित तरीके से करना होगा हालाँकि आपके सहकर्मी आपकी मदद के लिए आगे आ सकते है अगर आप उनसे सहयोग की मांग करे , लेकिन अधिकता में कुछ न कहे क्योंकि एक बिंदु से आगे वे आपको न भी कह सकते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे , लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है , हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर , एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप सफलतापूर्वक अपने रचनात्मक कार्यो को खत्म करने में सक्षम होंगे । इस जश्न को मनाने के लिए आप एक पार्टी की मेजबानी की योजना भी बना सकते हैं और जिन्होंने भी इस यात्रा में आप का समर्थन किया एवं अपने विरोधियों को भी समारोह में आमंत्रित करें । अपनी कमाई और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए भी प्रयास करते रहे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज का दिन अपने व्यावसायिक और वित्तीय गतिविधियों में बदलाव लाने का दिन है , इसलिए अगर कुछ इस तरह की आपकी योजना है तो अपने आप को तनावमुक्त रखे । आप अपना दृष्टिकोण प्रभावी ढंग से शीर्ष प्रबंधकों के समक्ष रख पाने में समर्थ होंगे । यह अपने नियोक्ता से अपनी आय को बढ़ाने का उपयुक्त मौका है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपको अप्रत्याशित रूप से खोया धन मिल सकता है , जिससे आसानी से आप अपनी सभी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा कर पायेंगे । यह आपकी वर्तमान वित्तीय स्थिति को काफी राहत प्रदान करने वाला होगा , हालांकि इस धन को बहुत बुद्धिमानी से खर्च करना होगा क्योंकि हो सकता है की आपका ये धन ख़त्म या कम हो जाये लेकिन आपके दायित्वों का निर्वाह पूरा न हो पाये ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप कुछ दिनों से निर्णय नहीं ले पा रहे थे जिसका असर आपके व्यवहार में भी झलक रहा था पर ये समय ये सब बाते छोड़ कर कुछ कर दिखाने का समय है और साथ ही साथ अपने इस व्यवहार को बदलने का भी । आप बिना भयभीत हुए निर्णय ले जो की आपके भविष्य के लिए अच्छा साबित हो । आप किसी अच्छे जानकर से भी अपने पैसे और अपने पेशे से संबंधित सुझाव ले सकते है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
कुछ परिवर्तन आपके कार्यस्थल में होने की संभावना है। वे पहली बार में हतोत्साहित लग सकते है, लेकिन जल्द ही वे आप के लिए नए अवसर को खोलेंगे , लेकिन इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आपको साहस और विश्वास की छलांग लगाने की आवश्यकता पड़ेगी । ये उद्यम आपको जोखिम भरा लग सकता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आपको कुछ छुपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है । यह व्यक्ति आपके साथ मित्रतापूर्ण भाव से आपके साथ काम कर रहा है पर जैसे की इतिहास अपने आप को दोहराता है यह व्यक्ति प्रतिकार कर सकता है या इसके विचार आपसे भिन्न हो सकते है ।आज आपके लिए ये अच्छा होगा की आप अपने सारे कार्यो का निष्पादन सही समय पर कर ले ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप का निशाना तीर पर जाकर लगेगा और आपने जो चाहा था वो आपको मिलेगा । बस आप अपना धैर्य बनाए रखें क्यों की आपके बैठने की जगह में परिवर्तन आ सकता है या आपको एक नयी जगह पर कार्य करना पड़ सकता है । आपकी धारणा के विपरीत इस नए कार्यालय में आपके आत्मविश्वास और स्वतंत्र रूप से प्रदर्शन करने की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज सितारे उन लोगों के पक्ष में है जो की अचल संपत्ति में या निर्माण व्यवसाय में हैं । यह संपत्ति खरीदने के लिए एक अच्छा समय है। आज एक लघु एवं अच्छे सौदे का अवसर आपको घर की खरीद में मिल सकता है । इस क्षेत्र में किया गया निवेश अब आपको फल देगा । अच्छे परिणाम के लिए आप आज अचल संपत्ति में निवेश शुरू कर सकते हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज के दिन आपका जोर निवेश और धन पर रहेगा । अपने आप पर नियंत्रण रखे ! आज के दिन सम्पति के बारे में खोज खबर कर सकते है पर किसी भी तरह के धन वृद्धि उद्यम में न फंसे । वेतन वृद्धि के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारीयों पर दबाव न डाले । इसके लिए अभी सही समय नहीं है । उत्तम रहेगा की अपने वर्तमान संगठन में अधिक ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करे ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

22,562 करोड़ का एनएसई आईपीओ खुला

बीएसई, सीडीएसएल और एमसीएक्स में तेजी; जानिए बाजार का हाल

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 22,562 करोड़ का आईपीओ गुरुवार को निवेशकों के सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया। इस बहुप्रतीक्षित पब्लिक इश्यू की शुरुआत के साथ ही भारतीय शेयर बाजार में 'कैपिटल मार्केट थीम' से जुड़े शेयरों में जबरदस्त खरीदारी दिखी। पहले दिन की बोली में अब तक 23% सब्सक्रिप्शन प्राप्त हो चुका है। बीएसई के दोपहर 12:01 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, आईपीओ के लिए 8,86,42,911 शेयरों के मुकाबले 2,04,26,752 शेयरों की बोलियां प्राप्त हुईं। आईपीओ के खुलने के बाद बाजार में इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी संस्थाओं, डिपॉजिटरीज, ब्रोकरेज फर्मों और एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) के शेयरों में जोरदार तेजी दर्ज की गई, क्योंकि निवेशक एनएसई के विशाल पैमाने और मजबूत संस्थागत मांग के आधार पर पूरे सेक्टर के वैल्यूएशन का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं।

कैपिटल मार्केट इंडेक्स का क्या हाल रहा?

एनएसई के आईपीओ के खुलते ही निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स में 1% से अधिक की बढ़त दर्ज की गई और यह 5,275.30 के स्तर पर कारोबार करता देखा गया। इस सूचकांक के 17 में से 14 शेयर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। बाजार इंफ्रास्ट्रक्चर और डिपॉजिटरी प्लेटफॉर्म से जुड़े अग्रणी शेयरों में विशेष खरीदारी देखी गई। 22,562 करोड़ का यह विशाल आईपीओ भारत के संपूर्ण पूंजी बाजार इकोसिस्टम को वैश्विक निवेशकों के केंद्र बिंदु में ले आया है।

आरबीआई ने 2.40 लाख करोड़ की सरप्लस लिक्विडिटी नीलामी के जरिए अवशोषित की

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को बैंकिंग क्षेत्र से 2.40 लाख करोड़ रुपये की सरप्लस लिक्विडिटी (अधिशेष तरलता) को अवशोषित किया। यह कदम वेरिएबल रेट रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी के माध्यम से उठाया गया। बैंकिंग प्रणाली में भारी मात्रा में अतिरिक्त धन जमा होने के कारण केंद्रीय बैंक ने यह कार्रवाई की है। आरबीआई ने 2,39,959 करोड़ रुपये की बोलियां पूरी तरह स्वीकार कीं। यह नीलामी 5.24 फीसदी की कट-ऑफ और भारित औसत दर पर संपन्न हुई। आरबीआई पिछले महीने से लगातार वीआरआरआर नीलामियां आयोजित कर रहा है। इसका उद्देश्य बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त तरलता को सोखना है। साथ ही, ओवरनाइट मनी बाजार दरों को रेपो दर के अनुरूप लाना भी इसका लक्ष्य है। 16 सितंबर तक बैंकिंग प्रणाली में तरलता का अनुमानित अधिशेष करीब 7.38 लाख करोड़ रुपये था। वीआरआरआर के अलावा, केंद्रीय बैंक ने पिछले सप्ताह एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) बिक्री की घोषणा की थी। यह बिक्री तीन किस्तों में की जाएगी। पहली किस्त 50,000 करोड़ रुपये की 17 सितंबर को हुई। शेष 25,000 करोड़ रुपये की दो किस्तें 21 और 28 सितंबर को होंगी।

बैंकिंग प्रणाली में तरलता क्यों बढ़ी?

बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ने के कई कारण हैं। बैंकों द्वारा एफसीएनआर (बी) जमाओं का भारी संग्रह एक प्रमुख वजह है। इन जमाओं से प्रणाली में विदेशी मुद्रा आई। इसके बाद आरबीआई के साथ हुए स्वैप समझौतों ने बैंकों को रुपये की तरलता प्रदान की। इसके अतिरिक्त, महीने के अंत में होने वाला सरकारी खर्च भी तरलता में वृद्धि करता है। इसमें वेतन और पेंशन भुगतान जैसे मद शामिल हैं।

आरबीआई तरलता को कैसे नियंत्रित करता है?

आरबीआई तरलता को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न उपकरण उपयोग करता है। वीआरआरआर नीलामी इनमें से एक महत्वपूर्ण साधन है। इन नीलामियों के जरिये केंद्रीय बैंक बैंकों से अतिरिक्त धन उधार लेता है। इससे बाजार में उपलब्ध नकदी की मात्रा कम हो जाती है। ओएमओ के तहत सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री भी एक अन्य तरीका है। इन प्रतिभूतियों को बेचकर आरबीआई बाजार से रुपये सोखता है।

इन कदमों का क्या असर पड़ेगा?

आरबीआई के इन कदमों से बैंकिंग प्रणाली में तरलता का स्तर संतुलित होगा। यह ओवरनाइट मनी बाजार दरों को रेपो दर के करीब लाने में मदद करेगा। अत्यधिक तरलता मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा सकती है। इसलिए, इसे नियंत्रित करना अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। इन उपायों से वित्तीय स्थिरता बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

सोना 1036 गिरकर 1.51 लाख पर आया : चांदी की कीमत 2,862 कम हुई, इस महीने चांदी 9 हजार और सोना 5 हजार सस्ता हुआ

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 17 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 1,129 रुपए घटकर 1.51 लाख रुपए पर आ गया है। एक किलो चांदी की कीमत 2,862 रुपए कम होकर 2.28 लाख रुपए पर आ गई है। इस महीने चांदी करीब 9 हजार और सोना 5 हजार सस्ता हुआ है। 31 अगस्त को सोने का दाम करीब 1.56 लाख रुपए और चांदी की कीमत 2.37 लाख रुपए थी।

क्या यह गिरावट लंबी चलेगी?

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है:अमेरिका के केंद्रीय बैंक 'फेडरल रिजर्व' ने 3 साल में पहली बार बढ़ाई ब्याज दरें बढ़ाई है। इससे सोने के दाम में गिरावट है।हालांकि भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सोने को सपोर्ट मिल सकता है, जिससे निवेशक इसे सुरक्षित निवेश के रूप में फिर से चुन सकते हैं। एक्सपर्ट्स की राय है कि निवेशकों को सतर्क रहना चाहिए क्योंकि बाजार में अभी भी कमजोरी के संकेत दिख रहे हैं, लेकिन किसी भी बड़ी गिरावट पर खरीदारी का अवसर भी बन सकता है।

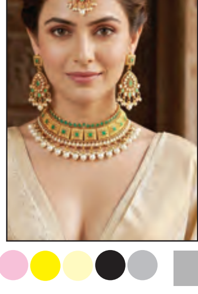

इस साल सोना 18 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 18 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब करीब 2.28 लाख रुपए पर आ गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

निर्दलीयों की घेराबंदी के बीच सियासी वार-पलटवार
कांग्रेस अपना घर नहीं संभाल पा रही : राठौड़

जयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में निकाय चुनाव के नतीजों के बाद अब लड़ाई बोर्ड गठन की है. कई नगरीय निकायों में बीजेपी और कांग्रेस बहुमत के आंकड़े से दूर हैं. ऐसे में निर्दलीय पार्षद दोनों दलों के लिए अहम हो गए हैं. बहुमत जुटाने के लिए दोनों दल अपने-अपने पार्षदों को सुरक्षित रखने के साथ निर्दलीयों को साधने में जुटे हैं.

इसी बीच कांग्रेस ने बीजेपी पर सत्ता और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आरोप लगाए हैं. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आरोप लगाया कि पुलिस की मदद से निर्दलीय पार्षदों को दबाव में लिया जा रहा है. पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी पुलिस और प्रशासनिक मशीनरी के इस्तेमाल का आरोप लगाया है. कांग्रेस के इन आरोपों पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पलटवार किया है.

गुरुवार को बीजेपी मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में मदन राठौड़ ने सभी आरोपों को खारिज किया और कहा कि कांग्रेस अपना घर संभाल नहीं पा रही. इसलिए अनर्गल आरोप लगा रही है. निर्दलीय पार्षद भी हमारी पार्टी के हैं, किन्हीं परिस्थितियों के चलते वो पार्टी के खिलाफ चुनाव लड़े. अब वो वापस आ रहे हैं तो कांग्रेस को क्यों परेशानी हो रही है. नेता प्रतिपक्ष के क्षेत्र में बीजेपी जीती, क्या पुलिस ने वोट दिए थे ? : मदन राठौड़ ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां निकाय चुनाव में बीजेपी की जीत हुई है. राठौड़ ने सवाल किया कि वहां क्या पुलिस ने वोट दिए थे क्या ? कांग्रेस अपने घर में ही कमजोर हो गई है और अपना संगठन नहीं संभाल पा रही है. ऐसे में बीजेपी पर आरोप लगाने का कांग्रेस को कोई आधार नहीं है. उन्होंने कांग्रेस के पुराने राजनीतिक घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि अशोक गहलोत सरकार के समय भी कांग्रेस दो दलों में बंट गई थी.

परिवार की शिकायत पर हुआ एक्शन : निकाय चुनाव के बाद दोनों दलों की नजर उन निर्दलीय पार्षदों पर है, जो कई निकायों में बोर्ड गठन का समीकरण बदल सकते हैं. कांग्रेस का आरोप है कि बीजेपी सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल कर निर्दलीय पार्षदों को अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रही है. राठौड़ ने इस आरोप को भी खारिज करते हुए कहा कि बीजेपी किसी के घर में सेंधमारी नहीं करती.

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ऐसे लोगों को भी टिकट दिए जो पार्टी के प्रति निष्ठावान नहीं थे. राठौड़ ने कहा कि अगर आनन-फानन में उन्हें ये लोग उठाकर ले गए होंगे तो उनके परिजनों ने शिकायत दर्ज करवाई होगी. परिवार के लोगों की शिकायत पर कार्रवाई हो रही होगी. इस पर हम क्यों ध्यान दें. हम ऐसी कार्रवाई नहीं करवाते. राठौड़ ने कहा कि हमारे लोग बागी होकर चुनाव लड़े. उनको जो वोट मिले वो भी बीजेपी के हैं.

मेयर चुनाव पार्षदों की राय से : जयपुर मेयर को लेकर पूछे गए सवाल पर मदन राठौड़ ने कहा कि मेयर का फैसला पार्षदों की राय से किया जाएगा. उन्होंने कहा कि मेयर हो सभापति काम तो पार्षदों के साथ करना होगा, उनके सहयोग से विकास की गति आगे बढ़ेगी. इसलिए महापौर या सभापति चुनने का अधिकार पार्षदों का ही होगा. उनकी राय से निर्णय लिया जा रहा है.

वहीं, मदन राठौड़ ने भीलवाड़ा सहित कई नगर निकायों में भाजपा उम्मीदवार का निर्विरोध होने पर भी खुशी जाहिर की. उन्होंने कहा कि जनता के मिले समर्थन के आगे कांग्रेस पूरी तरह फेल हो गई. इसलिए वो कई जगह अपना उम्मीदवार नहीं उतार रही. जहां कहीं भी उतार रही है, बौखलाहट में फॉर्म गलत भर रहे हैं, जिससे उनका फॉर्म रिजेक्ट हो रहा है.

'लोकतंत्र की सरेआम लूट': अशोक गहलोत ने यूपीआई पर एमडीआर चार्ज पर जनता को किया सचेत

जयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव के बाद अब चेयरमैन और मेयर चुनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सत्ता और विपक्ष पक्ष दोनों ही अपने प्रत्याशी को चेयरमैन और मेयर बनाने में पुरजोर तरीके से जुट गए है। इस माहौल में कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि राजस्थान में लोकतंत्र की सरेआम लूट हो रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय से एक आईएएस अधिकारी, कलेक्टरों और एसडीएम को धमका रहा है कि कैसे भी भाजपा का बोर्ड बनाएं। चेयरमैन और मेयर बनने के लिए भाजपा निर्दलीय और दूसरे दलों के पार्षदों को करोड़ों रुपए की रिश्वत बांट रही है, जो नहीं मानते उन्हें पुलिस भेजकर जबरन उठवाया जा रहा है, धमकाया जा रहा है।

अशोक गहलोत ने लिखा कि सोचिए, जो व्यक्ति करोड़ों रुपए खर्च कर मेयर-चेयरमैन बनेगा, वह जनता की सेवा करेगा या अपनी लगाई पूंजी वसूलने में जुटेगा? जितनी बड़ी रिश्वत उतनी ही बड़ी वसूली और वह वसूली होगी जनता के लिए बनने वाली सड़कों, पट्टों, नालियों और हर छोटे-बड़े काम की फाइल से। अगले पांच साल जनता को अपने ही शहर में हर काम के लिए बड़ी रिश्वत देनी पड़ेगी। यह सिर्फ भाजपा की राजनीति नहीं, आपकी जेब पर सीधा डाका है। जनता को अब जागना होगा, वरना यह लूट आपके दरवाजे तक पहुंचनी तय है। यूपीआई पर एमडीआर चार्ज लगाने के मामले में अशोक गहलोत ने लिखा कि भारत की जनता को यह क्रॉनोलॉजी जरूर समझनी चाहिए। यही बात नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बार-बार देशवासियों को समझा रहे हैं कि मोदी सरकार भारत की जनता की बजाय अमेरिका की सरकार के इशारों पर काम कर रही है। फायदा अमेरिका का और नुकसान भारत की जनता का, यह कैसा आत्मनिर्भर भारत है।

11 जून 2025- केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने खुद एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यूपीआई पर एमडीआर चार्ज लगाने के दावे झूठे, बेबुनियाद और भ्रामक हैं, सरकार मुफ्त डिजिटल भुगतान के प्रति प्रतिबद्ध है। मार्च 2026- अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय के अधीन काम करने वाली संस्था यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ने अपनी रिपोर्ट में भारत की यूपीआई नीति को वीजा-मास्टरकार्ड जैसी अमेरिकी कंपनियों को नुकसान पहुंचाने वाली बताया। सितंबर 2026- भारत सरकार ने 2000 रुपए से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत चार्ज लगाने का ऐलान कर दिया।

जयपुर अग्निकांड: चूड़ी गोदाम में आग से 25 दुकानें जलीं, अवैध निर्माण पर उठा सवाल

जयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर के त्रिपोलिया बाजार स्थित मणिहारों का कटला के तीन मंजिला सेठी कॉम्प्लेक्स में गुरुवार सुबह 7 बजे भीषण आग लग गई। दूसरी मंजिल पर चूड़ियों के गोदाम में शॉर्ट सर्किट से शुरू हुई आग ने धीरे-धीरे 25 दुकानों को चपेट में ले लिया। इनमें कपड़ों के गोदाम, प्लास्टिक सामान, कॉस्मेटिक और चूड़ियों की दुकानें थीं। बता दें कि सुबह 8 बजे दमकल पहुंची। 30 फायर ब्रिगेड और करीब 50 कर्मचारियों ने दोपहर 2:30 बजे आग पर काबू पाया। इस दौरान इलाके की बिजली बंद कर दी गई और आसपास की दुकानें बंद रहीं। बिल्डिंग में रखे पांच कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों को फायरमैन ने तुरंत बाहर निकाला। बिल्डिंग मालिक आनंद सेठी हैं। आग के दौरान फायर सेफ्टी उपकरण बंद मिले। धुएं के कारण सुभाष चौक से चांदपोल तक लोगों को सांस लेने में परेशानी और आंखों में जलन हुई।

माणक चौक थाना अधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि शुरुआती जांच में आग शॉर्ट सर्किट से लगने की बात सामने आई है। यहां ज्यादातर कपड़े और मणिहारी सामान की दुकानें हैं। बरामदों में रखा सामान भी आग की चपेट में आया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि दुकान मालिक के पास फायर एनओसी थी या नहीं।

प्रत्यक्षदर्शी गार्ड विक्रम सिंह ने बताया कि छोटू भाई के चूड़ियों और मणिहारी सामान के गोदाम में आग लगी थी। उस समय वह तीन सफाईकर्मियों के साथ वहां मौजूद था। आग बढ़ने पर सभी ने बाहर निकलकर जान बचाई। विक्रम के मुताबिक, गोदाम का ताला तोड़कर शटर ऊंचा करके बाहर निकलना पड़ा। शटर गर्म होने के कारण उसका हाथ भी जल गया। गार्ड ने बताया कि गोदाम के बाहर बरामदे में भी बड़ी मात्रा में सामान रखा हुआ था। आग फैलने के बाद यह सामान भी चपेट में आ गया और आग ने आसपास की दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने के बाद सेठी कॉम्प्लेक्स से उठने वाला धुआं आसपास के बड़े इलाके में फैल गया। धुएं का गुबार सुभाष चौक से चांदपोल तक दिखाई दिया। इससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को परेशानी हुई। कई लोगों ने सांस लेने में तकलीफ और आंखों में जलन की शिकायत की।

छात्रा का गला दबाया, पेट में लात मारी
फिर दी जान से मारने की धमकी, अलवर के निजी विश्वविद्यालय में हंगामा

अलवर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। अलवर के निजी विश्वविद्यालय में तृतीय वर्ष की छात्रा ने द्वितीय वर्ष के छात्र पर मारपीट, गला दबाने, पेट में लात मारने, जातिसूचक शब्द कहने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

अलवर जिले के एक निजी विश्वविद्यालय में स्नातक तृतीय वर्ष की छात्रा से मारपीट, गला दबाने और जातिसूचक शब्द कहकर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। छात्रा ने द्वितीय वर्ष के एक छात्र के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एससी-एसटी अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 16 सितंबर को सुबह करीब 11:30 बजे वह विश्वविद्यालय परिसर में मौजूद थी। इसी दौरान द्वितीय वर्ष का आरोपी छात्र वहां पहुंचा और उसके साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज करने लगा। छात्रा ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने उसका गला दबाया, पेट में लात मारी और जान से मारने की धमकी दी। घटना के दौरान विभागाध्यक्ष मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर छात्रा को बचाया। छात्रा ने पुलिस से विश्वविद्यालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कराने की मांग की है, ताकि घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सके।

पीड़िता ने शिकायत में आरोप लगाया कि आरोपी छात्र पहले भी उसके साथ इस तरह की हरकत कर चुका है। उसने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से कश्मीर में आयोजित ऑल इंडिया वुशू प्रतियोगिता के दौरान भी आरोपी ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया था। छात्रा के अनुसार, कश्मीर में होटल में आरोपी शराब के नशे में उसके साथ धक्का-मुक्की करने लगा और उसके कमरे में जबरन घुसने का प्रयास किया। आरोप है कि आरोपी पूरी रात गाली-गलौज करते हुए उसके कमरे का दरवाजा बजाता रहा। उस समय पीड़िता के साथ एक वरिष्ठ छात्रा भी मौजूद थी। छात्रा का आरोप है कि आरोपी ने उसके साथ भी इसी तरह का दुर्व्यवहार किया और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया। पीड़िता के अनुसार कश्मीर में हुई घटना के समय विश्वविद्यालय के अधिकारी भी वहां मौजूद थे। छात्रा का कहना है कि उस समय अधिकारियों ने अलवर लौटने के बाद आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया था। हालांकि, वापस लौटने पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले को शांत कराने की कोशिश की।

पंचायत चुनाव को लेकर सरकार ने तय की आरक्षण लॉटरी की तारीख

जयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायतीराज संस्थाओं के चुनावों को लेकर भजनलाल सरकार ने आरक्षण लॉटरी की तिथि तय कर दी है। जिला स्तर पर 23 सितंबर को जिला परिषद सदस्य, प्रधान एवं पंचायत समिति सदस्यों के पदों के लिए आरक्षण की लॉटरी निकाली जाएगी। वहीं, उपखंड स्तर पर 24 सितंबर को सरपंच और वार्ड पंच के पदों के लिए आरक्षण का निर्धारण किया जाएगा और लॉटरी निकाली जाएगी। आयुक्त और शासन सचिव डॉ. जोगाराम ने इसके निर्देश जारी कर दिए हैं। बता दें कि पहले प्रधान, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य के आरक्षण की लॉटरी 17 सितंबर और पंच, सरपंच की लॉटरी 18 सितंबर को निकाली जानी थी। लेकिन 15 सितंबर को इसे स्थगित कर दिया था। इसके पीछे वजह शहरी निकाय प्रमुखों का चुनाव बताया था। इससे पहले 16 अगस्त को भी पंचायत चुनाव की लॉटरी को स्थगित कर दिया गया था, तब 18 अगस्त को सरंपचों और वार्ड पंचों की लॉटरी निकाली जानी थी। लेकिन, अब पंचायतीराज आयुक्त जोगाराम ने सभी कलेक्टरों को लेटर भेजकर 23 और 24 सितंबर को आरक्षण की लॉटरी निकालने के आदेश दिए हैं। इधर, राजस्थान सरकार ने निकाय और पंचायत चुनाव में ओबीसी आरक्षण को सही ठहराया हैं। इस बारे में हाईकोर्ट में जवाब पेश किया गया है, जिसमें सरकार ने कहा है कि ओबीसी आयोग की रिपोर्ट के आधार पर लॉटरी के जरिए चुनाव में ओबीसी आरक्षण दिया गया है। सरकार का यह जवाब ऐसे समय आया है जब प्रदेश में प्रधान, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच और पंच के लिए लॉटरी निकालने की तारीख तय की गई है। जिला प्रमुख के पदों के लिए आरक्षण की लॉटरी में 41 जिलों में से 5 पद ही ओबीसी के लिए आरक्षित हुए थे।

राजगढ़ वन रेंज में 18 करोड़ का घोटाला
पीएमओ तक पहुंची जांच, 3 डीएफओ पर शिकंजा

अलवर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। अलवर जिले के राजगढ़ वन रेंज में वर्ष 2012 से 2024 के बीच प्लांटेशन, मृदा संरक्षण और दूसरे वन कार्यों के नाम पर कथित अनियमितताओं का मामला अब प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंच गया है। शिकायत के आधार पर मामले में जांच शुरू की गई है। मुख्य वन संरक्षक संस्थापन विजय एन को जांच अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने शिकायतकर्ता से आरोपों से जुड़े दस्तावेज और अन्य साक्ष्य उपलब्ध कराने को कहा है। मामले में वन विभाग के तत्कालीन अधिकारियों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायत में तीन डीएफओ समेत कई जिम्मेदार अधिकारियों के नाम होने की बात सामने आई है। जांच शुरू होने के बाद वन विभाग में इस मामले को लेकर हलचल बढ़ गई है। राजगढ़ रेंज में वन विभाग की ओर से कराए गए प्लांटेशन, मृदा संरक्षण और अन्य कार्यों में अनियमितताओं के आरोप पहले भी सामने आए थे। पूर्व सीसीएफ जयपुर की ओर से की गई जांच में भी कई गड़बड़ियों का उल्लेख होने की बात कही गई है। आरोपों में सरकारी राशि के बड़े हिस्से को नकदी के रूप में निकालने की बात भी शामिल है। पूर्व जांच रिपोर्ट में मामले को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को सौंपने की संस्तुति किए जाने की बात सामने आई थी। हालांकि बाद में जांच दूसरे अधिकारियों को सौंपे जाने और अन्य जिलों में भी जांच कराए जाने से प्रकरण की दिशा बदल गई। शिकायत में शुरुआत में राजगढ़ रेंज में करीब 18 करोड़ रुपए की कथित वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था। बाद में मामले में तीन डीएफओ के नाम सामने आने के बाद शिकायतकर्ता की ओर से आरोप लगाया गया कि कथित अनियमितताओं की राशि बढ़कर करीब 100 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है।

41.70 लाख की लूट का खुलासा, प्रेमी को कर्ज से उबारने के लिए रची साजिश; प्रेमिका के कमरे से 26.80 लाख रुपए बरामद

पुलिस फरार आरोपियों को तलाश रही है।

जयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। जगतपुरा अक्षय पात्र चौराहे के पास बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम बूथ से कैश लेकर निकले कर्मचारियों से 41.70 लाख रुपए की लूट के मामले का रामनगरिया थाना पुलिस ने 48 घंटे में खुलासा करने का दावा किया है। डीसीपी ईस्ट रंजीता शर्मा ने बताया कि मामले में नदबई के लालपुर निवासी 22 वर्षीय अंशु कुमारी जाटव को गिरफ्तार कर रामनगरिया क्षेत्र में किशनपुरा स्थित बजरंग दीप प्रथम में उसके किराए के कमरे से लूट की रकम में से 26.80 लाख रुपए बरामद किए है। आरोपी अंशु ने करौली के मासलपुर निवासी प्रेमी मस्तराम मीणा और उसके दो साथियों पुष्पेंद्र मीणा व सुमित जंगम के साथ मिलकर साजिश रची थी। अंशु के प्रेमी के कर्ज में डूबे होने की बात भी सामने आई है।

एसीबी दीपक खंण्डेलवाल ने बताया कि वारदात के लिए कई दिन से रैकी की जा रही थी। आरोपी अंशु को वारदात से एक दिन पहले भी एटीएम की स्थिति देखने भेजा गया था। उसने मशीन के चालू होने की तस्दीक की। इसके बाद 14 सितंबर की सुबह करीब साढ़े दस बजे वह दोबारा बैंक पहुंची। उस समय एटीएम से कैश निकालने के लिए तीन कर्मचारी पहुंचे। उसने तत्काल प्रेमी मस्तराम को सूचना दी। एक आरोपी कुछ दूर कार लेकर खड़ा हो गया, जबकि दो आरोपी बाइक से बैंक की ओर आ गए। उन्होंने हथियार दिखाकर कर्मचारियों से कैश से भरा बैग छीन लिया और वापस बाइक से कार सवार साथी के पास पहुंचे।

बदमाशों ने पुलिस को चकमा देने के लिए कपड़े बदले और लूटी रकम में से 26.80 लाख रुपए एक सूटकेस में रखकर अंशु के कमरे पर पहुंचा दिए, जबकि शेष रकम साथ ले गए। पुलिस ने वारदात के बाद करीब एक हजार सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। आने जाने के रास्ते की जांच के दौरान अंशु की गतिविधियां संदेह के घेरे में आईं।

कांग्रेस बाड़ेबंदी वाले होटल पर पुलिस रेड
बंधक बनाए जाने की शिकायत वाला पार्षद फिर भी नहीं मिला

झुंझुनूं, 18 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में निकाय प्रमुखों के चुनाव से पहले झुंझुनूं जिले की मलसीसर नगरपालिका में सियासत अचानक गरमा गई। कांग्रेस पार्षदों की बाड़ेबंदी बताए जा रहे मंडावा के फतेहपुर बाइपास रोड स्थित एक होटल में अचानक 50 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की टीम पहुंची और एक-एक कमरे की तलाशी शुरू कर दी। होटल में पुलिस की रेड की खबर फैलते ही निकाय चुनाव की सियासत में भूचाल आ गया।

दरअसल, मामला तब गरमा गया जब कार्रवाई के दौरान मंडावा विधायक और कांग्रेस जिलाध्यक्ष रीटा चौधरी भी होटल में मौजूद थीं। कांग्रेस ने पुलिस कार्रवाई को राजनीतिक दबाव से जोड़ते हुए भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए, जबकि पुलिस ने किसी भी राजनीतिक दबाव से साफ इनकार किया और पूरी कार्रवाई को मलसीसर एसडीएम की ओर से जारी सर्च वारंट के आधार पर की गई कानूनी कार्रवाई बताया। इधर, मीडिया रिपोर्टों में झुंझुनूं ग्रामीण डीएसपी नरेंद्र सिंह के मुताबिक, वार्ड नंबर 3 के पार्षद संतु के परिजनों ने एसडीएम के समक्ष शिकायत दी थी कि उनके व्यक्ति को बंधक बनाकर रखा गया है। शिकायत में अलग-अलग संभावित लोकेशन की जानकारी भी दी गई थी। इसी शिकायत के आधार पर सर्च वारंट जारी किया गया और पुलिस टीम होटल पहुंची। पुलिस ने होटल के कमरों की तलाशी ली, लेकिन संतु नाई वहां नहीं मिले। तलाशी के दौरान किसी भी पार्षद को हिरासत में नहीं लिया गया। अब पुलिस शिकायत में बताई गई दूसरी लोकेशन और पूरे मामले की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

इधर, पुलिस कार्रवाई के बाद मंडावा विधायक रीटा चौधरी ने भाजपा पर निशाना साधा। उनका आरोप था कि होटल में ठहरे कांग्रेस के निर्वाचित पार्षदों को पुलिस के जरिए उठाने का प्रयास किया गया। उन्होंने भाजपा के पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार पर पुलिस पर कार्रवाई के लिए दबाव बनाने का भी आरोप लगाया। रीटा चौधरी ने इसे 'जनादेश को दबाने की कोशिश' बताते हुए कहा कि मंडावा में लोकतंत्र पर हमला किया जा रहा है।' हालांकि, ये आरोप कांग्रेस विधायक के हैं। पुलिस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कार्रवाई किसी राजनीतिक दबाव में नहीं, बल्कि सर्च वारंट के आधार पर हुई। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का कहना है कि भाजपा की ओर से पूरे राजस्थान में लोकतंत्र पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। प्रदेश में जहां-जहां भाजपा को हार मिली है, वहां सरकारी मशीनरी और पुलिस तंत्र के दुरुपयोग से कांग्रेस व निर्दलीय पार्षदों को डराने-धमकाने व उठाने का खेल चल रहा है।

ट्रेन के एसी कोच से 1 करोड़ की ज्वैलरी और 8 लाख कैश चोरी, घर पहुंचने पर मां-बेटी को चला पता

बीकानेर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। मदुरई-बीकानेर एक्सप्रेस के एसी कोच में सफर कर रही मां-बेटी के बैग से करीब एक करोड़ रुपए की ज्वैलरी और आठ लाख रुपए नकदी चोरी हो गई। चोरी का पता नोखा घर पहुंचने पर चला। पीड़ित की रिपोर्ट पर बीकानेर जीआरपी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। घटना 12 सितम्बर की बताई गई है।

पुलिस के अनुसार देसलसर निवासी विक्रम राजपुरोहित ने रिपोर्ट दी है। उनका परिवार महाराष्ट्र के वरूड़ (अमरावती) में मिठाई का कारोबार करता है। उनकी मां मांगीदेवी और बहन डिंपल राजपुरोहित 11 सितम्बर को नागपुर से बीकानेर जिले नोखा आने के लिए ट्रेन में सवार हुई थीं। दोनों की सीट एसी कोच बी-1 में 25 और 28 नंबर पर थी। उनके पास दो ट्रॉली बैग सहित तीन-चार अन्य बैग थे, जिन्हें सीट के नीचे रखा गया था।

12 सितम्बर को ट्रेन नोखा पहुंची। परिजन स्टेशन से सामान लेकर गांव पहुंचे। घर पर मांगीदेवी ने ट्रॉली बैग खोला तो उसमें रखे करीब 70 तोला सोने और आधा किलो चांदी के आभूषण तथा आठ लाख रुपए नकद गायब मिले। इसके बाद जीआरपी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

परिजनों के अनुसार बैग से करीब 70 तोला सोने के आभूषण, करीब आधा किलो चांदी के आभूषण और आठ लाख रुपए नकद गायब मिले। चोरी हुए आभूषणों की कुल कीमत करीब एक करोड़ रुपए बताई जा रही है। सामान गायब मिलने के बाद परिवार ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद विक्रम राजपुरोहित ने बीकानेर जीआरपी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामला सामने आने के बाद अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी हुई है कि चोरी किसी स्टेशन पर हुई या फिर चलती ट्रेन में चोरों ने वारदात को अंजाम

मां की हत्या करने वाले बेटे को उम्रकैद की सजा

अजमेर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। अजयसर गांव में करीब दो साल पहले खाना खा रही मां की कुल्हाड़ी से हत्या करने वाले बेटे को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश नीरज गुप्ता ने मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी बाबू उर्फ बबलू को भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 के तहत दोषी माना। अदालत ने उस पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 25 गवाहों के बयान करवाए और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराया गया। अभियुक्त के खिलाफ उसके भाई कालू पुत्र शंकर चीता ने पुलिस थाना गंज में 9 नवम्बर 2024 को रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

निकाय चुनाव की री-पोलिंग में कांग्रेस 6 सीटें जीती
भाजपा की 3 में जीत; जयपुर के पुर्नमतदान में बीजेपी सभी 4 वार्ड हारी

जोधपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर, जोधपुर और कोटा नगर निगम के साथ सुकेत (कोटा) नगर पालिका के 9 वार्ड का रिजल्ट आज घोषित हो गया है। इन वार्ड के 10 बूथ की ईवीएम में खराबी के बाद बुधवार को री-पोलिंग हुई थी।

आज आए रिजल्ट में नगर निगम के 5 वार्ड में कांग्रेस और तीन वार्ड में भाजपा कैंडिडेट जीते हैं। सुकेत नगर पालिका के वार्ड में कांग्रेस ने जीत दर्ज की है।

री-पोलिंग के कारण जयपुर, जोधपुर और कोटा नगर निगम में मेयर-डिप्टी मेयर के चुनाव भी कैंसिल कर दिए गए थे। पहले ये चुनाव और 21 और 22 सितंबर को शेड्यूल थे।

कोटा की सुकेत नगर पालिका के वार्ड नंबर-4 के भी एक बूथ पर बुधवार को री-पोलिंग हुई थी। आज आए परिणाम में इस वार्ड से कांग्रेस मोहम्मद रफीक ने जीत दर्ज की है। उन्होंने भाजपा के सत्यराम को 117 वोटों से हराया है।

री-पोलिंग के कारण आयोग ने 14 सितंबर को इन तीनों नगर निगम में मेयर-डिप्टी मेयर के चुनाव स्थगित कर दिए थे। री-पोलिंग के रिजल्ट के बाद इन यहां मेयर-डिप्टी मेयर के चुनाव का शेड्यूल जल्द ही घोषित हो सकता है।

जयपुर और कोटा नगर निगम में भाजपा के पास बहुमत है। वहीं, जोधपुर में री-पोलिंग के रिजल्ट के बाद भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बन गई है।

राजस्थान की 10 नगर निगम की 856 पार्षद सीट के लिए 9 और 11 सितंबर को वोटिंग हुई थी। इनमें से 848 सीटों के नतीजे 14 सितंबर को घोषित किए थे। जबकि 8 वार्ड के नतीजे री-पोलिंग के कारण गुरुवार को घोषित किए गए।

कुल 856 सीटों में से भाजपा के पास 406 और कांग्रेस के पास 312 सीटें हैं। जबकि 138 सीटों पर निर्दलीय व अन्य पार्टियों ने जीत दर्ज की थी।

1.520 किलोग्राम अवैध गांजे के साथ बाइक सवार तस्कर गिरफ्तार

उदयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। उदयपुर जिले की खेरोदा थाना पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर नाकाबंदी के दौरान एक बाइक सवार तस्कर को 1.520 किलोग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस टीम को देखकर बाइक को गलत दिशा में मोड़कर भागने लगा, लेकिन पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। आरोपी की पहचान भींडर क्षेत्र के भीखावानिया फला निवासी लोगरलाल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खेरोदा थानाधिकारी परमेश्वर पाटीदार ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

गणेश विसर्जन के लिए फायर सर्विस और एसडीआरएफ के तैराक तैनात किए जाएंगे

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश मूर्ति विसर्जन के दौरान डूबने की घटनाओं को रोकने के लिए तेलंगाना फायर सर्विस विभाग और स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) के तैराकों को राज्य भर के प्रमुख जलाशयों पर तैनात किया जाएगा।

तेलंगाना में विसर्जन कार्यक्रमों के जोर पकड़ने के साथ, प्रशासन ने पाटनचेरू में डूबने की घटना में छह छात्रों की दुखद मौत के बाद सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए हैं। अधिकारियों ने कहा कि त्योहार के दौरान ऐसी घटनाओं को रोकने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जब झीलों, तालाबों और अन्य विसर्जन स्थलों के पास भारी भीड़ जमा होती है। फायर सर्विस और एसडीआरएफ के विशेषज्ञ तैराक विसर्जन स्थलों के किनारों पर तैनात रहेंगे और प्रक्रिया की निगरानी के लिए नावों से जलाशयों में गश्त भी करेंगे।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scor.indianrailways.gov.in

खुली ई-निविदा सूचना सं.-डीआरएम /वर्क्स/बीजेडए/30/2026, दि,15-09-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु तत्संबंधित विवरित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

1. **निविदा संख्या:** ई-16-मध्य-बीजेडए-2026 **कार्य विवरण:** बीजेडए डिवीजन: बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन:डीइएन /मध्य/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन /इइ सब-डिवीजन के एसएसइ/वर्क्स/इइ में पावरपेटा, गन्नावरम, पुल्ला स्टेशनों पर सुधार कार्य & पैसेंजर प्लेटफार्म को उंचा उठाना।
निविदा मूल्य रु.7,61,75,669.00 अग्रधन रु.15,23,500.00 बंद करने की तिथि: 06-10-2026

2. **निविदा संख्या:** इ-28-पूर्व-बीजेडए-2026 **कार्य विवरण** : एसडब्ल्यू.I-बीजेडए-एडीइएन/बिल्डिंग्स/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/डब्ल्यू/पूर्व/बीजेडए सेक्शन में छत या रूफ की मरम्मत& सर्विस बिल्डिंग्स की खराब जर्जर हुई दरवाजों, खिडकियों तथा टाइल्स का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट कार्य। एसडब्ल्यू.II-(I)- बीजेडए एसएसइ/डब्ल्यू/जीवीपीटी/बीजेडए के तहत आफिसर्स कालोनी में जर्जर खराब दरवाजों,कपबोर्ड्स, मेश डोर्स, कम्पाउंड वाल की मरम्मत & चमकाना या ब्राइटनिंग। (II) एसएसइ/डब्ल्यू/बीजेडए सेक्शन के तहत ट्राफिक, लोको & ग्रीन पार्क कालोनी में जर्जर खराब दरवाजों, खिडकियों, मास्किटो रूफ मेश, रूफ लीकेज, टाइल्स, ड्रेनेज & सेफ्टी ग्रील्स की मरम्मत। एसडब्ल्यू-III-एसटीपीएम- एडीइएन/बिल्डिंग्स/बीजेडए क्षेत्राधिकार केतहतएसएसइ/वर्क्स/एसटीपीएम के इस्ट (टेम्पल) कालोनी में नालियों या ड्रैन्स, रियर साइड कम्पाउंड वाल, जर्जर खराब दरवाजो, सेफ्टी ग्रिल्स, मास्कीटो मेश, रूफ लीकेजेस आदि की मरम्मत। एसडब्ल्यू IV-एडीइएन/बिल्डिंग्स/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/डब्ल्यू/पश्चिम/बीजेडए सेक्शन मे विन्चपेट, अपयार्ड क्वार्टर्स & ट्राफिक कालोनियो मे मरम्मत कार्य(जैसे रूफ लीकेज को रोकने के कार्य, जर्जर खराब दरवाजो & खिडकियों, मेश डोर्स & मेश टू विंडोज की मरम्मत, बालकोनी ड्राप्स & पैरापेट वाल्स & सेफ्टी ग्रिल्स आदि) की मरम्मत। एसडब्ल्यू-V-एसएसइ /डब्ल्यू/पूर्व/बीजेडए सेक्शन के तहत नवीनीकरण & पुराने कैश आफिस का एसआर. डीएससी /आरपीएफ आफिस में रुपांतरण या कन्वर्शन। एसडब्ल्यू- VI-बीजेडए-एसएसइ /डब्ल्यू/पूर्व/बीजेडए सेक्शन के तहत डीआरएम आफिस कम्पाउंड पर पीआरइएम आफिस की मरम्मत। कार्य पूरा करने की अवधि:12(बारह महिने), निविदा मूल्य रु.5,52,42,173/-अग्रधन रु.11,04,900/-बंद करने की तिथि:06-10-2026

1.वेबसाइट:www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य की जानकारी, उपरोक्त कार्य की तत्समान प्रकृति, योग्यता मानदंड आदि दिया गया है।
2. भावी निविदाकारो को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा की कोईभी परिवर्तनो /शुध्दिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइट: www.ireps.gov.in देखें।
विभागीय रेल प्रबंधक, (कार्य), विजयवाडा

निविदा सूचना सं. वीएसकेपी-एसएनटी-26-27-वर्क्स-08

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्या: वीएसकेपी-एसएनटी-26-27-कार्य-08, **कार्य विवरण:** एएसटीइ/पीएसए के तहत विभिन्न एलसी गेट्स एमएल-333, एमएल-335, एमएल-336, एमएल-337, एमएल-338, एमएल-339, एमएल-340, एमएल-342, एमएल-350, एमएल-352, एमएल-356, एमएल-364, एमएल-381, एमएल-395, एमएल-396, एमएल-399, एमएल-404, एमएल-411, एमएल-422, एमएल-424, एमएल-425, एमएल-428, एमएल-435, एमएल-436 पर प्रस्तावित पुल के उपर सडकें (आरओबी) कार्य से संबंधित एस&टी पोर्शन वर्क। मात्रा: निविदा दस्तावेज में उल्लेखित नुसार, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महिने, निविदा मूल्य रु.5,29,39,395.22 (रु.पांच करोड उन्तीस लाख उनचालीस हजार तीनसौ पिच्यानवे & बाइस पैसे मात्र), बोली सुरक्षा /जमा किया जानेवाला अग्रधन रु.10,58,800.00 (रु.दस लाख अट्ठावन हजार & आठसौ मात्र), निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य, आफर वैध: निविदा खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा का प्रकार: कार्य संबध्द जीसीसी-2022 द्वारा अधिशासित कार्य निविदा, टेंडरिंग प्रणाली: खुली निविदा-सिंगल पैकेट, निविदा बंद करने की तिथि & समय: 05-10-2026 के 15.00 बजे, निविदा दस्तावेज & शुध्दिपत्र: वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in देखें। पत्राचार हेतु डाक का पता: एसआर.डीएसटीई /वीएसकेपी का कार्यालय, डीआरएम आफिस बिल्डिंग, डोन्डापर्थी, विशाखापत्तनम-530004, आंध्र प्रदेश

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल& दूरसंचार अभियंता, विशाखापत्तनम

महिला की हत्या कर आत्महत्या का रूप देने वाला लिव-इन पार्टनर गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिबटला पुलिस स्टेशन की टीम ने नादरगुल श्रीपुरम कॉलोनी में हुई एक महिला की सनसनीखेज हत्या के मामले का पर्दाफाश करते हुए आरोपी लिव-इन पार्टनर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी की पहचान आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम निवासी 35 वर्षीय दासरी नरसिम्हा मूर्ति के रूप में हुई है, जो फिलहाल नादरगुल में एक हॉस्टल इंचार्ज के रूप में काम कर रहा था।

मृतका कोरापाटी कल्याणी और आरोपी पिछले कुछ समय से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। जांच में सामने आया कि शराब पीने की आदत को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। इसी विवाद के चलते 13 सितंबर 2026 की रात को आरोपी ने कल्याणी के गले में नायलॉन की रस्सी बांधकर उसका दम घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस जघन्य अपराध को अंजाम देने के बाद आरोपी ने इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की, घटनास्थल से सबूत मिटाए और मृतका के फोन से उसके पति व अन्य लोगों को झूठे संदेश भेजकर गुमराह किया। इस मामले में मृतका की मां कंदीमल्ला श्यामला (58) द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर आदिबटला पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

आदिबटला पुलिस स्टेशन के एसएचओ एस. रमेश ने अपनी टीम के साथ त्वरित कार्रवाई करते हुए गुरूवार को सुबह करीब 11:00 बजे आरोपी दासरी नरसिम्हा मूर्ति को नादरगुल से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। इस मामले को सुलझाने के लिए शमशाबाद के पुलिस उपायुक्त ने एसएचओ एस. रमेश, सब-इंस्पेक्टर डी. वेंकटेश व एन. नोएल राज सहित पूरी क्राइम टीम की जमकर सराहना की है।

रजाकारों से लोहा लेने वाले पूर्व विधायक उप्पला मल्सूर के परिवार को मिलेंगे दो इंदिरम्मा आवास

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रजाकारों के निरंकुश शासन के खिलाफ संघर्ष करने वाले चार बार के पूर्व विधायक और प्रमुख कम्युनिस्ट नेता स्वर्गीय उप्पला मल्सूर के परिवार की दयनीय स्थिति सामने आने के बाद मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने तत्काल दो इंदिरम्मा आवास मंजूर करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि उप्पला मल्सूर ने जीवनभर जनता के लिए संघर्ष किया और चार बार विधायक निर्वाचित होकर लोगों की आवाज बने। उनके परिवार के पास आज रहने के लिए उचित आवास नहीं होने की जानकारी मिलने पर उन्हें गहरा दुख हुआ।मुख्यमंत्री ने कहा कि समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर पर संज्ञान लेते हुए उन्होंने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद स्वर्गीय उप्पला मल्सूर की बहुओं उप्पला पुष्पलता और उप्पला यशोदा के नाम पर दो इंदिरम्मा आवास मंजूर किए गए। आवास मंजूरी से संबंधित कार्यवाही की प्रतियां जिला कलेक्टर तेजस नंदलाल पवार ने स्वयं उप्पला मल्सूर के परिवार के सदस्यों को सौंपीं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछले दस वर्षों के बीआरएस शासन के दौरान कल्वकुंतला परिवार ने सरकारी और दलितों की जमीनों पर कब्जा कर फार्महाउस बनाने पर ध्यान दिया, जबकि गरीबों के लिए पर्याप्त आवास नहीं बनाए गए। उन्होंने कहा कि उप्पला मल्सूर के परिवार की स्थिति इसका उदाहरण है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि हर गरीब परिवार के अपने घर के सपने को साकार करना इंदिरम्मा सरकार का लक्ष्य है।

तेज़ रफ़्तार कार की टक्कर से एक छात्रा की मौत, दूसरी घायल

करीमनगर, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार आधी रात को करीमनगर शहर के बाहरी इलाके थिम्मापुर में एक कार की टक्कर से पॉलिटेक्निक डिप्लोमा की एक छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी छात्रा घायल हो गई। एसआई सैयद अनवर ने बताया कि सिरसिल्ला की रहने वाली और एक प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में डिप्लोमा की सेकंड ईयर की छात्रा श्रीविद्या (17) को रात 11 बजे से 12 बजे के बीच हुई टक्कर में सिर में गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना में उसकी सहेली भावना (मंचेरियल की रहने वाली) के हाथों और पैरों में कई जगह फ्रैक्चर हो गए। उसे करीमनगर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। पता चला है कि ये छात्राएं बेकरी से अपने हॉस्टल लौट रही थीं, तभी यह हादसा हुआ। जब वे अपने हॉस्टल के पास पहुँचने वाली थीं, तभी एक तेज़ रफ़्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। वहाँ से गुज़र रहे एक वाहन चालक ने घायल छात्रा को तुरंत अस्पताल पहुँचाया। दुर्घटना में शामिल कार की पहचान करने और उसे खोजने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

हैदराबाद में आज दक्षिणी राज्यों के कृषि मंत्रियों का सम्मेलन

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान होंगे शामिल

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से दक्षिणी राज्यों के कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों का सम्मेलन-2026 शुक्रवार, 18 सितंबर को हैदराबाद के ट्राइडेंट होटल में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के कृषि मंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारी तथा केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उच्चाधिकारी भाग लेंगे। सम्मेलन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन का उद्घाटन सत्र सुबह 9.30 बजे शुरू होगा। सुबह 10.40 बजे से समीक्षा बैठक होगी, जिसमें केंद्रीय अतिरिक्त सचिव डॉ. प्रमोद कुमार मेहेरडा डिजिटल कृषि मिशन, किसान रजिस्ट्री और उर्वरक ऐप की प्रगति की समीक्षा करेंगे।

इसके बाद तेलंगाना सरकार की ओर से किसान-केंद्रित विस्तार व्यवस्था 'रैतु नेस्तम' कार्यक्रम पर प्रस्तुति दी जाएगी, जबकि आंध्र प्रदेश सरकार जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों पर अपना पक्ष रखेगी। सम्मेलन में मसालों, काजू, कोको, नारियल और बागवानी क्षेत्र की प्रगति पर चर्चा होगी। इसके अलावा दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन, राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन तथा राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। नकली कीटनाशकों एवं उर्वरकों पर नियंत्रण तथा उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा होगी। 'श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों' के प्रदर्शन के तहत कर्नाटक दलहन उत्पादन, केरल कृषि उपज की खरीद एवं विपणन और तमिलनाडु आधुनिक सटीक एवं उच्च तकनीक कृषि के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा करेगा। सम्मेलन का समापन सत्र दोपहर 2.15 बजे शुरू होगा।

सितंबर की गर्मी से तापमान सामान्य से ज़्यादा, लोग बेहाल

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सितंबर में आमतौर पर दक्षिण-पश्चिम मॉनसून से पतझड़ और फिर सर्दियों की ओर बढ़ते हुए मौसम में जो ठंडी और हल्की हवाएं चलती हैं, वे इस साल हैदराबाद में गायब हैं। साल के इस समय अधिकतम तापमान आमतौर पर लगभग 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है, लेकिन इसके बजाय हैदराबाद के लोग दम घोंटू मौसम का सामना कर रहे हैं।

सुबह का तापमान लगातार कम से कम 3 से 4 डिग्री सेल्सियस ज़्यादा रहा है और साथ ही उमस भी ज़्यादा है। नतीजतन, पिछले कुछ दिनों में तेलंगाना के लोगों को मौसम ने अक्सर गर्मियों के मुश्किल दिनों की याद दिलाई है।

टीएसडीपीएस के डेटा के अनुसार, तापमान में बेमौसम बढ़ोतरी के कारण बुधवार को नलगोंडा के गुर्राम्पोड में तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया। यह 23 सितंबर, 2024 को खम्मम के कोनिजेरला में दर्ज राज्य के सितंबर महीने के अब तक के सबसे ज़्यादा तापमान (39.6 डिग्री सेल्सियस) से सिर्फ़ 0.1 डिग्री सेल्सियस कम था। जबकि आईएमडी, हैदराबाद के तापमान डेटा में 2015 में सितंबर में लगभग 36.5 डिग्री सेल्सियस की भीषण गर्मी दर्ज की गई थी।

ई-निविदा सूचना संख्या:20-2026 दि.15-09-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय अभियंता/को-आर्ड./गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है। बंद करने की **तिथि&समय:12-10-2026 के 15.00 बजे**

1. **निविदा संख्या:** इएनजीजी-जीटीएल-को-आर्ड.-2149 कार्य विवरण: गुंटकल - तत्संबंधित गुंटकल पर 3 महिनों की अवधि हेतु पीने योग्य पानी की आपूर्ति। **विज्ञापित मूल्य** रु.62,10,000.00पैसे, **अग्रधन रु.1,24,200.00 पैसे।**

2. **निविदा संख्या:** इएनजीजी-जीटीएल-को-आर्ड.-2150 **कार्य विवरण:** दक्षिण तट रेलवे के गुंटकल डिवीजन पर डिवाइसेज पर साफ्टवेयर स्थापना सहित 02 वर्षो हेतु मौजूदा (650 नंबर्स) जीपीएस ट्रैकिंग डिवाइसेज, रिलाप्प टेक्नालाजीस प्रा. लि. ब्रान्ड की तत्संबंधित डिवाइसेज या उपकरणों के लिए वार्षिक रखरखाव ठेका (एएमसी)**विज्ञापित मूल्य रु.27,37,163.00पैसे, अग्रधन रु.54,800.00**

बोली दस्तावेज & अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लाग इन करें। शुध्दिपत्र को केवल आनलाइन पर जारी किया जायेगा।
विभागीय रेल प्रबंधक/ कार्य/गुंटकल

निविदा नियम शर्ते/ज्यादा जानकारी&निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स : https://www.ireps.gov.in या www.scor.indianrailways.gov.in देखें।

पीएम नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन के मौके पर जामबाग के पूर्व कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने भंजी खेराज ब्लड बैंक, कोटी में ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित किया। इसमें बडी संख्या में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। डॉ. विजय कुमार, शब्बीर अली, शंकर कुबेर, नरसिंह ठाकुर, बालाजी ठाकुर, मधु, श्रीकांत आदि ने रक्तदान कर पीएम के दीर्घायु और यशस्वी होने की कामना की।

डीजीपी कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया प्रजा पालन दिवस

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कार्यालय में गुरुवार को प्रजा पालन दिवस बेहद धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर आयोजित मुख्य समारोह में आईजी गजराव भूपाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए, जिनमें एआईजी (लीगल) रमनकुमार, एआईजी (एडमिन) जे. अन्योन्या, एसपी (लीगल) सतीश, पेशी डीएसपी भास्कर, स्टोर्स डीएसपी सत्यनारायण और सीएसओ योगेश्वर राव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ ही कई प्रशासनिक अधिकारी (एओ), अधीक्षक (सुपरिटेंडेंट), अन्य पुलिस अधिकारी और कार्यालय के कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर इस आयोजन को सफल बनाया।

अभिषेक शर्मा का सबसे तेज टी20 इंटरनेशनल शतक

*** रोहित शर्मा का रिकॉर्ड टूटा**
*** भारत ने पावरप्ले में रचा इतिहास**

नई दिल्ली, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अभिषेक शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल में भारत के लिए सबसे तेज शतक बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने रोहित शर्मा का 9 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। रोहित शर्मा ने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ इंदौर में 35 गेंद पर शतक लगाया था।

अब अभिषेक ने 30 गेंद पर शतक पूरा कर भारत के लिए सबसे तेज टी20 इंटरनेशनल शतक का रिकॉर्ड बनाया। अभिषेक शर्मा ने रोहित ही नहीं फिन एलन और सिकंदर रजा का भी रिकॉर्ड तोड़ा है। वह फुल मेंबर यानी टेस्ट प्लेइंग नेशन में सबसे तेज शतक लगाने वाले दुनिया के बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे आगे अब टर्की के मोहम्मद फहाद (29 गेंद) और एस्टोनिया के साहिल चौहान (27 गेंद) हैं। यह दोनों ही फुल मेंबर टीम का हिस्सा नहीं हैं। अभिषेक शर्मा ने अपनी पारी में 34 गेंद पर 108 रन बनाए। उन्होंने इस पारी में 11 छक्के और 9 चौके लगाए।

राशिद खान ने उनकी पारी का अंत किया और इससे पहले वह अफगानिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उद्धेड़ चुके थे। भारत ने भी इस मैच में पावरप्ले का अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

हत्या-आत्महत्या की कोशिश में किसान और बेटी की मौत; बेटा गंभीर घायल

खम्मम, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िले के नेलाकोंडापल्ली मंडल में हत्या और आत्महत्या की कोशिश की एक घटना में, एक किसान और उसकी बेटी की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा ज़िंदगी के लिए संघर्ष कर रहा है। मृतक, पुसुलुरी श्रीनिवास राव (44), जो इसी मंडल के अप्पाला नरसिम्हापुरम के रहने वाले थे, आंध्र प्रदेश के एनटीआर ज़िले के गांडराई गाँव में किराए पर ली गई ज़मीन पर खेती कर रहे थे।

बुधवार सुबह, वह अपनी बेटी लास्या (14) और दस साल के बेटे निखिल को गांडराई स्थित अपने खेत में ले गए, जहाँ उन्होंने ज़हर मिला हुआ कोल्ड ड्रिंक पिया और वही ड्रिंक अपने दोनों बच्चों को भी पिलाया। श्रीनिवास राव ने अपने जीजा को फ़ोन करके बताया कि उन्होंने खरपतवार नाशक पी लिया है और तुरंत अपना फ़ोन बंद कर दिया। घबराए हुए जीजा ने रिश्तेदारों, ग्रामीणों और पुलिस को सूचित किया, जिन्होंने उनकी तलाश शुरू कर दी।

छह छात्रों के डूबने के बाद हॉस्टल के वार्डन को गिरफ़्तार किया गया

संगारेड्डी, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर प्रतीक जैन ने पेड्डा कंजेरला गाँव का दौरा किया, जहाँ बुधवार शाम गणेश विसर्जन के दौरान छह छात्र झील में डूब गए थे। उन्होंने झील में डूबे सभी छह छात्रों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। कलेक्टर ने घटना का सही कारण जानने के लिए छात्रों और कर्मचारियों से बातचीत की। इस बीच, पाटनचेरु पुलिस ने लापरवाही के आरोप में सिरिशा मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित हॉस्टल के वार्डन जयप्रकाश को गिरफ़्तार कर लिया। जयप्रकाश को अदालत में पेश करने के बाद रिमांड पर भेज दिया गया। वहीं, अधिकारी ने शवों को उनके पैतृक स्थानों पर भेजने की व्यवस्था की। मृतकों में से दो विजयवाड़ा के थे, जबकि दो छात्र वारंगल ज़िले के थे।

ऑटो-रिक्शा पलटने से सात लोग घायल

निर्मल, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को पाल्सी और पारडी गांवों के बीच एक ऑटो-रिक्शा के पलटने से सात यात्री घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि दोनों गांवों के बीच एक मोड़ पर तीन पहिया वाहन के पलटने से दो यात्रियों को गंभीर चोटें आईं, जबकि पांच को मामूली चोटें आईं। पुलिस को शक है कि लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण यह हादसा हुआ होगा। घायलों को भैंसा के एक अस्पताल में ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल दो यात्रियों की हालत स्थिर बताई गई।

वे महाराष्ट्र के पलाज में गणेश पंडाल देखने जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। वाहन के ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जांच चल रही है।

जन कल्याण, सुरक्षा और विकास ही प्रजा पालन का मुख्य लक्ष्य: डॉ.एम. रमेश

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रजा पालन दिवस के शुभ अवसर पर साइबराबाद के पुलिस आयुक्त (सीपी) डॉ. एम. रमेश ने सभी पुलिस कर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और पुलिस विभाग के मुख्य कर्तव्यों को रेखांकित किया। इस मौके पर संबोधित करते हुए सीपी डॉ. एम. रमेश ने कहा कि जनता के कल्याण, सुरक्षा और प्रगति को ध्यान में रखकर सरकारी मशीनरी का आपसी समन्वय के साथ काम करना ही प्रजा पालन (लोक शासन) की असली पहचान है। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि लोगों को पारदर्शी, त्वरित और जवाबदेह सेवाएं प्रदान करना ही इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ जनता की समस्याओं का समाधान करने और उनके लिए उपलब्ध रहने के निर्देश दिए। सीपी ने स्पष्ट किया कि साइबराबाद पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने, यातायात नियंत्रण और विशेष रूप से महिलाओं, बालिकाओं, बुजुर्गों व प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने नागरिकों से भी कानूनों का सम्मान करने और पुलिस का सहयोग करने की अपील की ताकि समाज में आपसी विश्वास और मजबूत हो सके। इस महत्वपूर्ण बैठक में एडमिन डीसीपी अन्नपूर्णा, एसबी डीसीपी वाई.वी.एस. सुधींद्रा, हेडक्वार्टर डीसीपी संजीव, एडिशनल डीसीपी शमीर समेत कई अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'बंगाल में 'लाल ...

मैं यह साफ़ कर देना चाहता हूं कि पश्चिम बंगाल सरकार हमारे राज्य की सीमाओं के अंदर 'लाल आतंक' के नेटवर्क को फिर से शुरू करने या बढ़ाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगी। किसी भी कट्टरपंथी सोच को लोगों की सुरक्षा और हमारे राज्य के विकास को खतरे में डालने की इजाज़त नहीं दी जाएगी। कानून ऐसी किसी भी हिम्मत वाली कोशिश को खत्म करने के लिए अपना सबसे सख्त तरीका अपनाएगा।

2.20 करोड़ का था इनाम

असीम मंडल को पकड़ने में मदद करने वाली जानकारी के लिए 2.20 करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की गई थी। झारखंड सरकार ने उसकी गिरफ्तारी पर 1 करोड़ रुपये के इनाम का ऐलान किया था, जबकि ओडिशा सरकार ने उस पर 1.20 करोड़ रुपये का इनाम रखा था।

माओवादियों की टूटी कमर

बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में मोदी सरकार ने माओवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। इसका असर यह हुआ है कि देश को नक्सली मुक्त भी घोषित किया जा चुका है। कुछ महीने पहले ही माओवादी संगठन के शीर्ष कमांडर और प्रमुख 'रणनीतिकार' तिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवजी ने तेलंगाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था। उसके आत्मसमर्पण को प्रतिबंधित माओवादी संगठन के लिए झटका माना जा रहा था।

दवाओं की बिक्री ...

इससे अनधिकृत बिक्री पर प्रभावी रोक लगेगी और एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग और नशे के लिए दवाओं के इस्तेमाल जैसी समस्याओं पर काबू पाया जा सकेगा।

सरकार ने इस ड्राफ्ट पर सभी हितधारकों, दवा व्यापारियों, फार्मासिस्ट संगठनों और आम जनता से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। अगर किसी को इस प्रस्ताव पर कोई सुझाव देना है, तो वह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के पते पर लिखित रूप में भेज सकता है। इसके अलावा ईमेल के जरिए भी अपनी राय दी जा सकती है।

'भारत पर दुनिया ...

उन्होंने कहा, 'इसी सितंबर में भारत की क्वार्टरली जीडीपी रिपोर्ट आई और इस संकट के दौर में भी भारत ने 7.8 प्रतिशत ग्रोथ हासिल की है। इसी दौरान जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की सॉवरिन रेटिंग में सुधार किया है, यह करीब 35 साल बाद हुआ है। एक तरफ भारत की इकोनॉमी बढ़ रही है, दूसरी तरफ भारत पर दुनिया का भरोसा भी बढ़ता जा रहा है।' पीएम ने आगे कहा, 'विकसित भारत बनाने के लिए हर देशवासी एक कमिटमेंट के साथ जुटा है। अगर हम बीते 15 दिनों को ही देखें तो अंदाजा लगता है, भारत किस दिशा में किस तेजी से आगे बढ़ रहा है।

'भारत चिप कंपनियों के लिए गोल्डमाइन'

पीएम मोदी ने कहा की सेमीकंडक्टर मिशन के पहले फेज में 8 बिलियन डॉलर के निवेश का लक्ष्य रखा गया था, जिसे दूसरे फेज में बढ़ाकर 30.5 बिलियन डॉलर कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब भारत की कंपनियां सेमीकंडक्टर डिजाइन करने के लिए बाहर की कंपनियों से साझेदारी कर रही हैं। इतना ही नहीं देश में चिप फैब्रिकेशन और सिलिकन फोटोनिक्स पर भी तेजी से काम चल रहा है। इसके लिए जरूरी बुनियादी आधार तैयार किया जा चुका है। हम भारत में चिप कंपनियों को सुनहरा अवसर दे रहे हैं, देश उनके लिए किसी 'गोल्डमाइन' से कम नहीं है।

1 लाख से ज्यादा चिप इंजीनियर्स होंगे तैयार

पीएम मोदी ने बताया कि देश को बड़े स्तर पर स्किल्ड चिप इंजीनियर्स की जरूरत है, जिसके लिए बड़े स्तर पर स्किलिंग का काम जारी है। सरकार का लक्ष्य 1 लाख इंजीनियरिंग छात्रों को प्रशिक्षण देने का है, जिनमें से 70 हजार से अधिक छात्रों को अब तक ट्रेनिंग दी जा चुकी है। पीएम ने विदेशों में रिसर्च कर रहे भारतीय युवाओं से भी अपील करते हुए कहा कि वे भारत लौटें और देश में एडवांस टेक्नोलॉजी के विकास में योगदान दें। वे यहां रिसर्च एंड डेवलपमेंट को नेतृत्व दे सकते हैं और नई तकनीकों के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

पीएम ने मंच से कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल के साथ पिछले दो वर्षों में वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग की वृद्धि 20 प्रतिशत से अधिक रही है। ऐसे में चुनौती सिर्फ चिप निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके आसपास विकसित हो रहे पूरे इकोसिस्टम को मजबूत करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया को सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए भरोसेमंद जगहों की जरूरत है।पीएम मोदी ने कहा कि चिप उद्योग के लिए ऊर्जा सुरक्षा भी एक बड़ी चुनौती है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे टीम में रोहित-विराट

जडेजा की 8 महीने बाद वापसी, हार्दिक-पंत को जगह नहीं

टी-20 में सूर्यवंशी बरकरार

तिरुवनंतपुरम, 17 सितंबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है। वनडे में रोहित शर्मा और विराट कोहली बरकरार हैं। शुभमन गिल कप्तान और केएल राहुल उपकप्तान होंगे। रवींद्र जडेजा 8 महीने बाद लौटे हैं। उन्होंने अपना पिछला वनडे जनवरी 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत को टीम में जगह नहीं मिली। पंजाब के नमन धीर और जम्मू-कश्मीर के आकीब नबी को पहली बार वनडे टीम में चुना गया है।

टी-20 में श्रेयस अय्यर कप्तान और तिलक वर्मा उपकप्तान होंगे। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को भी टीम में शामिल किया गया है। नीतीश कुमार रेड्डी को एशियन गेम्स की टीम से हटाकर वनडे में जगह दी गई है।

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेली थी। तीसरे वनडे में रोहित ने लॉर्ड्स पर 137 रन की पारी खेली थी। विराट ने दूसरे वनडे में 65 और तीसरे में 74 रन बनाए थे। तीन मैचों में उनके नाम 144 रन रहे। रोहित की जगह को लेकर इंग्लैंड दौरे के दौरान चर्चा जरूर हुई थी, लेकिन चयनकर्ताओं ने वेस्टइंडीज सीरीज के लिए उन्हें टीम में बनाए रखा है।

श्रेयस अय्यर एशियन गेम्स के लिए जापान जाएंगे। इसलिए राहुल को उप कप्तान बनाया गया है। राहुल विकेटकीपर-बल्लेबाज भी हैं। ध्रुव जुरेल को उनके बैकअप विकेटकीपर के रूप में चुना गया है।

नमन को इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुना गया था। 2026 में शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग के 10 मैचों में उन्होंने 655 रन बनाए। स्ट्राइक रेट 217.61 और बेस्ट स्कोर 173 रन रहा। वे बल्लेबाजी के साथ ऑफ स्पिन भी कर सकते हैं। जम्मू-कश्मीर के आकीब नबी का यह पहला सीनियर इंडिया कॉल-अप नहीं है। वे पहले वनडे और टेस्ट स्क्वॉड का हिस्सा रह चुके हैं, लेकिन अब तक इंटरनेशनल डेब्यू नहीं किया। 2025-26 रणजी सीजन में जम्मू-कश्मीर की खिताबी जीत में उन्होंने 60 विकेट लिए थे। वे भारत ए के लिए भी खेल चुके हैं और अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में भारतीय टीम के साथ नेट बॉलर रहे थे। हार्दिक पंड्या आईपीएल 2026 के बाद से क्रिकेट से बाहर हैं। वे अभी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस क्लीयरेंस का इंतजार कर रहे हैं। उनकी वापसी भारत ए की ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से होनी है। मुकाबले 6, 9 और 11 अक्टूबर को पुडुचेरी में होंगे। भारत के लिए हार्दिक का आखिरी मुकाबला मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल था। मयंक यादव को चोट से वापसी के बाद एक बार फिर टी-20 टीम में जगह मिली है। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ जुलाई सीरीज में वापसी की थी। पहले मैच में दो विकेट लेने के बाद तीसरे मुकाबले में उन्होंने 4 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट लिए थे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत पहला वनडे 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में खेलेगी। 30 सितंबर को गुवाहाटी और 3 अक्टूबर को न्यू चंडीगढ़ में दूसरा और तीसरा मैच होगा। इसके बाद 5 टी-20 मैच खेले जाएंगे।

वेस्टइंडीज सीरीज के साथ बीसीसीआई ने जापान के खिलाफ 22 सितंबर के एकमात्र टी-20 और एशियन गेम्स के लिए भी टीम अपडेट की है।

वरुण चक्रवर्ती साइड स्ट्रेन के कारण बाहर हो गए हैं। उनकी जगह विप्रज निगम को शामिल किया गया है। यह निगम का पहला सीनियर इंटरनेशनल कॉल-अप है। उन्होंने 2026 में इंडिया ए की श्रीलंका वनडे ट्राई सीरीज के 5 मैचों में 7 विकेट लिए थे। अपडेटेड टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी, यश ठाकुर और विप्रज निगम। ऋषभ पंत ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की कप्तानी करेंगे। सरफराज खान उपकप्तान होंगे। रेस्ट ऑफ इंडिया और रणजी चैंपियन जम्मू-कश्मीर के बीच मुकाबला 1 से 5 अक्टूबर तक श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में खेला जाएगा।

टीम में सनत सांगवान, शिखर मोहन, सुदीप घरामी, स्मरण रविचंद्रन, मानव सुथार, सारांश जैन, आकाश दीप, मुकेश कुमार, मुकेश चौधरी, आर्यन जुयाल, आर्यन पांडे, अनुकूल रॉय और आयुष दोसजा शामिल हैं। आकाश दीप का चयन फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन है।

टीम इंडिया से मिले जापान के एंबेसडर

ऐतिहासिक मुकाबले को दिया नया नाम सुजुकी कप

आइची (जापान), 17 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और जापान के बीच होने वाले मुकाबले को सुजुकी कप का नाम दिया गया है. लेकिन, टीम इंडिया से मुलाकात के बाद ओनो केइची ने इसे एक नया नाम दिया. उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर इसे- दोस्ती की नई इनिंग- से संबोधित किया.

भारत और जापान पहली बार क्रिकेट के मैदान पर आमने-सामने होने जा रहे हैं. तो क्या इस वजह से ये मुकाबला ऐतिहासिक है. जी नहीं, इसके ऐतिहासिक होने की वजह है उसके पीछे का मकसद. दरअसल, ये मैच भारत और जापान के कूटनीतिक रिश्तों के 75वीं सालगिरह पूरे होने के अवसर पर खेला जा रहा है.

भारत और जापान के आपसी सहयोग को खेलों के क्षेत्र में बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने इस साल एक खास मुलाकात में 'स्पोर्ट 75' मुहिम की शुरुआत की थी. ये टी20 मैच उसी दिशा में पहला कदम है. भारत और जापान के बीच मुकाबला 22 सितंबर को भारतीय समयानुसार सुबह के साढ़े 9 बजे से खेला जाएगा. बीसीसीआई के अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने कहा कि इस मुकाबले के जरिए क्रिकेट नए दर्शकों को खुद से जोड़ सकता है.

पंत इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया के कप्तान होंगे

सरफराज खान उप-कप्तान, जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 1 से 5 अक्टूबर तक श्रीनगर में मुकाबला

श्रीनगर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने ईरानी कप के लिए रेस्ट ऑफ इंडिया की 15 सदस्यीय टीम घोषित की। ऋषभ पंत को कप्तान बनाया गया है।

सरफराज खान उप-कप्तान होंगे। टीम रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू-कश्मीर के खिलाफ खेलेगी। मुकाबला 1 से 5 अक्टूबर तक श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में होगा।

तेज गेंदबाज आकाश दीप को टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा। टीम में मुकेश कुमार और मुकेश चौधरी को भी जगह मिली है। मानव सुथार और सारांश जैन स्पिन विभाग संभालेंगे।

स्पिनर वरुण चक्रवर्ती साइड स्ट्रेन के कारण जापान T20I और एशियन गेम्स में नहीं खेलेंगे। चयन समिति ने उनकी जगह विप्रज निगम को टीम में शामिल किया है। यह विप्रज का पहला इंटरनेशनल कॉल-अप है।

ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को एशियन गेम्स की टीम से

वापस बुलाया गया है। वे वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। एशियन गेम्स के लिए उनकी जगह किसे शामिल किया जाएगा, इसकी जानकारी बीसीसीआई ने नहीं दी है।

सदस्यीय टीम : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), सरफराज खान (उप-कप्तान), सनत सांगवान, शिखर मोहन, सुदीप घरामी, स्मरण रविचंद्रन, मानव सुथार, सारांश जैन, आकाश दीप*, मुकेश कुमार, मुकेश चौधरी, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), आर्यन पांडे, अनुकूल रॉय और आयुष दोसेजा।

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी, यश ठाकुर और विप्रज निगम।

बिना मैच खेले ही चीन की क्रिकेट टीम हुई एशियन गेम्स से बाहर

निशिन (जापान), 17 सितंबर (एजेंसियां)। एशियन गेम्स 2026 में महिला क्रिकेट का आगाज हो चुका है. इसकी शुरुआत बांग्लादेश और चीन के बीच पहले क्वार्टर फाइनल से हुई. हालांकि, ये मुकाबला नहीं हो सका. नतीजा ये हुआ कि चीन की महिला क्रिकेट टीम को बिना खेले ही एशियन गेम्स से बाहर होना पड़ गया. अब सवाल है क्यों? जब मैच में एक भी गेंद का खेल नहीं हुआ तो फिर बिना खेले चीन की टीम बाहर कैसे हुई? बड़ी बात ये कि वो वजह क्या रही, जिसके चलते बांग्लादेश और चीन की महिला क्रिकेट टीम के बीच मुकाबला ही नहीं हुआ? बांग्लादेश और चीन की महिला क्रिकेट टीम के बीच क्वार्टर फाइनल में एक भी गेंद का खेल नहीं हो सका. बारिश के चलते इस मैच को रद्द कर दिया गया. मुकाबला रद्द होने के बाद बांग्लादेश को सेमीफाइनल का टिकट मिला, जबकि चीन की महिला क्रिकेट टीम को घर वापसी का. अब सवाल है ऐसा क्यों? इसके पीछे की वजह है एशियन गेम्स क्रिकेट का नियम.

मानव सुथार ने काउंटी चैंपियनशिप में 5 विकेट लिए

वारविकशायर ने एसेक्स को 8 विकेट से हराया, साई किशोर ने अर्धशतक लगाया

एजबेस्टन, 17 सितंबर (एजेंसियां)। काउंटी चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का मिला-जुला प्रदर्शन रहा। वारविकशायर के लिए खेल रहे मानव सुथार ने एसेक्स के खिलाफ दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। उनकी गेंदबाजी से वारविकशायर ने दो दिन में 8 विकेट से जीत हासिल की। टीम ने 133 रन का लक्ष्य 26 ओवर में हासिल किया। इस जीत से वारविकशायर डिवीजन-1 की टाइटल रेस में टॉप पर पहुंच गया।

पहली पारी में विकेट नहीं लेने वाले सुथार ने दूसरी पारी में 24 ओवर किए। उन्होंने 75 रन देकर 5 विकेट लिए। एसेक्स की पूरी टीम 189 रन पर ऑलआउट हो गई। सुथार के पांच मैचों में 26 विकेट हो गए हैं। यह इस सीजन उनका दूसरा 5 विकेट हॉल है।

वारविकशायर को 133 रन का लक्ष्य मिला था। जेन मलिक ने 55 गेंदों पर 51 रन बनाए। उन्होंने चार छक्के लगाए। डैन मौसली और सैम हेन ने टीम को जीत तक पहुंचाया। वारविकशायर की पांच मैचों में यह चौथी जीत है।

ग्लोस्टरशायर के लिए खेल रहे आर. साई किशोर ने मिडिलसेक्स के खिलाफ पहली पारी में 131 गेंदों पर 71 रन बनाए। उनकी पारी से ग्लोस्टरशायर पहली पारी

में मिडिलसेक्स से सिर्फ 30 रन पीछे रही। साई किशोर ने गेंदबाजी में भी 2 विकेट लिए।

डरहम के लिए खेल रहे मयंक अग्रवाल ने 220 गेंदों पर 177 रन बनाए। उनकी पारी से टीम को पहली पारी में मजबूत स्कोर बनाने में मदद मिली।

ससेक्स के लिए खेल रहे जयदेव उनादकट ने पहली पारी में 83 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं, नोटिंघमशायर के मुकेश कुमार को ससेक्स के खिलाफ पहली पारी में कोई विकेट नहीं मिला। उन्होंने 56 रन दिए।

यॉर्कशायर के लिए समरसेट के खिलाफ खेल रहे कुलदीप यादव ने पहली पारी में 7 ओवर में 31 रन दिए। वे कोई विकेट नहीं ले सके। उन्होंने बल्लेबाजी में 11 रन बनाए।

सरे के लिए खेल रहे आकिब नबी ने ग्लैमॉर्गन के खिलाफ पहली पारी में 36 रन देकर 4 विकेट लिए थे। दूसरी पारी में वे 63 रन देकर विकेट नहीं ले सके। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक ग्लैमॉर्गन ने 5 विकेट पर 339 रन बना लिए थे।

पाकिस्तान की न्यूट्रल वेन्यू की मांग खारिज

हॉकी इंडिया बोला-एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खेलनी है तो भारत आना होगा

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने भारत में होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर कराने की मांग की है। फेडरेशन ने सुरक्षा और भारत-पाकिस्तान के मौजूदा तनाव का हवाला दिया। हॉकी इंडिया ने इस मांग को खारिज कर दिया है। महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान को टूर्नामेंट खेलना है तो भारत आना होगा। अगर पाकिस्तान नहीं आता है, तो उसकी जगह बांग्लादेश या ओमान में से किसी एक टीम को शामिल किया जा सकता है। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब में होगी। टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, मलेशिया, चीन, जापान और साउथ कोरिया की टीमें हिस्सा लेंगी। जालंधर में लीग स्टेज के मुकाबले होंगे। सेमीफाइनल और फाइनल मोहाली में खेले जाएंगे।

पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन के अंतरिम अध्यक्ष मोहिउद्दीन अहमद वानी ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए खिलाड़ियों और अधिकारियों की सुरक्षा जरूरी है। उन्होंने एएचएफ से टूर्नामेंट को दूसरे देश में कराने या पाकिस्तान के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर शिफ्ट करने का अनुरोध किया। वानी ने कहा कि पाकिस्तान एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेगा और भारत समेत सभी एफआईएच सदस्य देशों के खिलाफ खेलने को तैयार है। उन्होंने खेल को राजनीति से अलग रखने की बात कहते हुए एएचएफ से अपने प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार करने की उम्मीद जताई।

पाकिस्तान ने इससे पहले 2025 में चेन्नई और मदुरै में हुए एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप से नाम वापस लिया था। उस समय भी सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया गया था। उसकी जगह ओमान को टूर्नामेंट में शामिल किया गया था।

शतरंज ओलंपियाड: भारतीय पुरुष टीम ने थाईलैंड को हराया

समरकंद, 17 सितंबर (एजेंसियां)। विश्व चैंपियन डी. गुकेश, निहाल सरीन और विदित गुजराती की शानदार जीत से भारतीय पुरुष टीम ने 46वें विश्व शतरंज ओलंपियाड में अपने अभियान का आगाज थाईलैंड पर 3-1 की जीत से किया। भारत के पास क्लीन स्वीप करने का मौका था, लेकिन अर्जुन एरिगेसी की अंतिम क्षणों में हुई चूक के कारण यह मौका हाथ से निकल गया। सरीन ने थानाडोन कुलप्रुएथानोन को हराकर भारत के लिए पहला अंक हासिल किया। इसके बाद गुकेश ने आक्रामक खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुए फारिस

महिला टीम ने डोमिनिकन गणराज्य को दी मात

राशिद अलरियामी को मात दी। गुजराती ने भी तुपफा खुम्नोरकाएव के खिलाफ आसान जीत दर्ज की।

अर्जुन सफेद मोहरों से खेलते हुए प्रिन लाओहाविरापाप के खिलाफ अधिकांश समय मजबूत स्थिति में थे, लेकिन छह घंटे से अधिक चले मैराथन मुकाबले के अंतिम चरण में जीत का मौका गंवा बैठे। 20 वर्षीय लाओहाविरापाप ने समय की कमी के बावजूद धैर्य बनाए रखा और अर्जुन की गलती का फायदा उठाकर शानदार जीत दर्ज की।

भारतीय महिला टीम ने भी प्रतियोगिता का शानदार आगाज करते हुए डोमिनिकन गणराज्य को 4-0 से शिकस्त दी।

भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी कोनेरू हम्पी ने सफेद मोहरों से फ्रांचेस्का रामिरेज लूजोन को हराकर जीत के साथ शुरुआत की। आर. वैशाली ने भी मिगुएलीना डे ला रोजा मार्टिनेज के खिलाफ सहज जीत दर्ज की। वंतिका अग्रवाल को मैरी लोली गोंजालेज पेगुएरो के खिलाफ जीत के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ी, जबकि बी. सविता श्री ने भी ओलंपियाड में अपने पदार्पण को जीत के साथ यादगार बनाया।

कार्लोस अल्काराज ने दिखाया दम

पांचवीं बार लगातार किया क्वालीफाई; सिनर-ज्वेरेव के क्लब में शामिल

ट्यूरिन (इटली), 17 सितंबर (एजेंसियां)। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने 2026 के सीजन के अंत में होने वाले निट्टो एटीपी फाइनल्स में अपनी जगह पक्की कर ली है। वह लगातार पांचवीं बार इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे। अल्काराज के क्वालीफाई करने के साथ ही टूर्नामेंट के लिए जगह बनाने वाले खिलाड़ियों में यानिक सिनर और अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी शामिल हैं। अल्काराज के लिए 2026 का सीजन खास रहा है। उन्होंने मेलबर्न पार्क में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। इसके अलावा उन्होंने दोहा में भी खिताब अपने नाम किया और मोंटे-कार्लो में एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंचे। एटीपी के मुताबिक, इस सीजन अल्काराज का जीत-हार का रिकॉर्ड 26-4 है। 26 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अब तक 26 टूर-लेवल खिताब जीते हैं। अल्काराज से पहले यानिक सिनर और अलेक्जेंडर ज्वेरेव एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर चुके थे। सिनर इस साल विंबलडन जीतने के बाद टूर्नामेंट के लिए जगह बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने थे।

ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने किया संन्यास का ऐलान

बीबीएल समेत क्रिकेट के सभी फॉर्मेट को कहा अलविदा

सिडनी, 17 सितंबर (एजेंसियां)। दो साल पहले इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने वाले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने अब घरेलू क्रिकेट से भी संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है. मैथ्यू ने अक्टूबर 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी. वहीं, गुरुवार, 17 सितंबर को उन्होंने बिग बैश लीग समेत पूरे घरेलू क्रिकेट से अपने रिटायरमेंट की जानकारी दी. इसी के साथ मैथ्यू का ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट में करीब दो दशक का सफर समाप्त हो गया. उन्होंने अपने कोचिंग करियर पर ध्यान देंगे.

2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट से

संन्यास लेने के बाद भी मैथ्यू वेड बिग बैश लीग में होबार्ट हरिकेंस और तस्मानिया के लिए लिस्ट ए क्रिकेट खेलते रहे. मैथ्यू ने 2011-12 में मेलबर्न स्टार्क के साथ अपने बीबीएल करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद उन्होंने मेलबर्न रेनेगेड्स और फिर होबार्ट हरिकेंस का प्रतिनिधत्व किया. हालांकि, अब मैथ्यू ने BBL के साथ-साथ घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले लिया है. उन्होंने बीबीएल में खेले 119 मैचों में 142.35 के स्ट्राइक रेट से 2978 रन बनाए.

हरिकेन्स के हेड कोच जेफ वॉन ने वेड की जमकर तारीफ की. उन्होंने कहा, "वह उन क्रिकेटरों में से एक हैं जिन्हें आप हमेशा अपनी टीम में रखना चाहते हैं. जब भी वह मैदान पर उतरते थे, वह पूरी ताकत से खेलते थे और उनमें मैच का रुख बहुत जल्दी बदलने की क्षमता थी. उनके पास क्रिकेट की शानदार समझ है और वह हमेशा अपना ज्ञान साझा करने और अपने आसपास के खिलाड़ियों को बेहतर बनने के लिए प्रेरित करने को तैयार रहते हैं."

मैथ्यू वेड की सबसे यादगार पारी यूएई और ओमान में खेले गए 2021 टी20 वर्ल्ड कप में देखने को मिला था. वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल मुकाबले में मैथ्यू ने तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की गेंदों पर लगातार तीन छक्के लगाकर पाकिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था. उस समय पाकिस्तान को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन वेड ने सेमीफाइनल में धमाकेदार पारी खेलते हुए सबको चौंका दिया. इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया था.

मेसी का इंटर मियामी के लिए 100वां गोल

क्रूज एजुल को हराकर पहली बार कैंपियोनेस कप जीता, कासेमिरो ने दिलाई 2-0 से जीत

मियामी, 17 सितंबर (एजेंसियां)। लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के लिए 100वां गोल किया। उन्होंने मियामी के न्यू स्टेडियम में क्रूज एजुल के खिलाफ कैंपियोनेस कप फाइनल में 24वें मिनट में हेडर से गोल दागा।

मेसी के गोल और कासेमिरो के 81वें मिनट में किए गोल की मदद से इंटर मियामी ने मुकाबला 2-0 से जीता। इसके साथ ही टीम ने पहली बार कैंपियोनेस कप का खिताब अपने नाम किया।

मेसी ने 24वें मिनट में लुइस सुआरेज के क्रॉस पर हेडर से गोल किया। यह इंटर मियामी के लिए उनका 100वां गोल था। उन्होंने

सभी कॉम्पिटिशन्स में 115 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की।

खास बात यह रही कि मेसी ने मियामी के लिए पहला गोल भी क्रूज एजुल के खिलाफ ही किया था। जुलाई 2023 में डेब्यू मैच में उन्होंने इंजरी टाइम में फ्री-किक से गोल कर टीम को 2-1 से जीत दिलाई थी।

इंटर मियामी को 81वें मिनट में दूसरी सफलता मिली। मेसी की कॉर्नर किक पर कासेमिरो ने हेडर से गोल किया। इसके साथ ही मियामी ने 2-0 की बढ़त बना ली।

कासेमिरो ने पिछले पांच मैचों में चार गोल किए हैं। उनके सभी चार गोल हेडर से आए हैं।

मेसी के इंटर मियामी से जुड़ने के बाद टीम ने चार ट्रॉफी जीती हैं। मियामी ने 2023 में लीग्स कप, 2024 में सपोर्टर्स शील्ड, 2025 में एमएलएस कप और अब 2026 में कैंपियोनेस कप अपने नाम किया।

कैंपियोनेस कप में पिछले सीजन के एमएलएस कप विजेता और मैक्सिको की 'कैंपियोन डी कैंपियोनेस' विजेता टीम के बीच मुकाबला होता है।

यह इस टूर्नामेंट का आठवां संस्करण था।

मियामी की जीत से पहले पिछले तीनों सीजन में मैक्सिको की टीमों ने खिताब जीता था। क्रूज़ एज़ुल अब तक यह कप नहीं जीत पाई है। टीम 2021 के फाइनल में भी हार गई थी।

ग्लोबल समिट में फ्यूचर सिटी के मास्टर प्लान का अनावरण किया जाएगा : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने प्रजा पालना दिनोत्सवम में भाग लिया

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को घोषणा की कि तेलंगाना दिसंबर 2026 में इन्वेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट के दौरान अपने आगामी 'फ्यूचर सिटी' के लिए व्यापक मास्टर प्लान का अनावरण करेगा।

नामपल्ली के पब्लिक गार्डन्स में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद प्रजा पालना दिनोत्सवम (जन शासन दिवस) में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने इस मेगा-प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने वाली प्रमुख वैश्विक तकनीकी प्रतिबद्धताओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने फ्यूचर सिटी में भारत का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर बनाने के लिए 70,000 करोड़ रुपये देने का वादा किया है, जबकि अमेज़न ने पहले ही 1 लाख करोड़ रुपये के एक अलग डेटा सेंटर हब का निर्माण शुरू कर दिया है। रेवंत रेड्डी ने कहा, हम फ्यूचर सिटी का विकास कर रहे हैं जिसमें यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी, लाइफ साइंसेज हब, ईवी पार्क, एआई सिटी, हेल्थ सिटी और एजुकेशन सिटी सहित विशेष क्षेत्र शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना को एक आर्थिक महाशक्ति में बदलने के लिए डिज़ाइन की गई कई प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं पर प्रकाश डाला, जिनमें क्षेत्रीय रिंग रोड, ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे, ड्राई पोर्ट और हैदराबाद को नागपुर, बेंगलुरु और विजयवाड़ा से जोड़ने वाले रणनीतिक औद्योगिक गलियारे शामिल हैं। राज्यव्यापी परिवहन संपर्क को मजबूत करने के लिए, सरकार ने सड़क एवं भवन विभाग के तहत 13,000 करोड़ रुपये और पंचायत राज विभाग के तहत 6,294 करोड़ रुपये की सड़क निर्माण परियोजनाओं को शुरू किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण गांवों और मंडलों से जिला मुख्यालयों और राज्य की राजधानी तक निरंतर संपर्क प्रदान करना है।

रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 4,18,931 तक पहुंच गई है, जो राष्ट्रीय औसत से लगभग 91% अधिक है। उन्होंने कहा कि हमारा प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास केवल आंकड़ों में ही नहीं, बल्कि हमारे नागरिकों के दैनिक जीवन में भी परिलक्षित हो। पर्यावरण और उपयोगिता संबंधी चुनौतियों का समाधान करते हुए, मुख्यमंत्री ने अल नीनो से जुड़ी वर्तमान वर्षा की कमी और बिजली की मांग में हुई बढ़ोतरी को स्वीकार किया। रेवंत रेड्डी ने जनता को आश्वासन दिया कि राज्य भर में निर्बाध पेयजल और बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन योजना बनाई जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार प्रभावित स्थानीय समुदायों को सहायता प्रदान करने के लिए ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनाओं के तहत कार्यदिवसों को बढ़ाने पर भी काम कर रही है।

राजस्व अधिकारियों ने केसीआर के फार्महाउस में भूमि अभिलेखों का ऑडिट किया

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व अधिकारियों ने सिद्दिपेट जिले के मरकूक मंडल के एर्रावल्ली गांव में पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के कृषि फार्महाउस से जुड़े भूमि अभिलेखों का व्यापक सत्यापन शुरू कर दिया है। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के विधानसभा में दिए गए हालिया निर्देश के बाद की जा रही है, जिसमें उन्होंने संपत्ति की जांच का आदेश दिया था। स्थानीय राजस्व अधिकारी वर्तमान में आसपास की सरकारी भूमि के सर्वेक्षण क्रमांक, पूर्व भूमिधारकों की पहचान और वर्तमान राजस्व प्रविष्टियों से संबंधित रिपोर्ट संकलित कर रहे हैं। गुरुवार को सिद्दिपेट कलेक्टर हैमावती ने जिला अधिकारियों के साथ प्रारंभिक दस्तावेजों की समीक्षा की। बैठक के बाद, गजवेल की आरडीओ चंद्रकला, जिला सर्वेक्षकों और मरकूक तहसीलदार सरिता के साथ एर्रावल्ली का दौरा करने गईं, जहां उन्होंने सीमावर्ती भूमि का निरीक्षण किया और मरकूक तहसीलदार कार्यालय में अभिलेखों की पुष्टि की।

टीपीसीसी प्रमुख और व्हिप के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर

काला जादू संबंधी टिप्पणियों को लेकर पूर्व मंत्री की कार्रवाई

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधानसभा दल के उप नेता टी. हरीश राव ने गुरुवार को टीपीसीसी अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ और सरकारी सचेतक अड्लुरी दयाकर के खिलाफ उनकी हालिया मंदिर यात्रा के संबंध में कथित तौर पर मानहानिकारक टिप्पणी करने के लिए आपराधिक मानहानि का मामला दर्ज किया।

हरीश राव की कानूनी टीम ने नामपल्ली स्थित सांसदों और विधायकों के लिए विशेष न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट न्यायालय में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 356 के तहत दोनों कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। दस्तावेजी सबूतों के साथ-साथ वीडियो साक्ष्य और मीडिया क्लिप पेन ड्राइव के माध्यम से प्रस्तुत किए गए। यह विवाद पिछले महीने कर्नाटक के कोल्लूर मूकाम्बिका देवी मंदिर में हरीश राव के परिवार के साथ हुई यात्रा से जुड़ा है। बीआरएस नेता ने इस यात्रा को एक नियमित आध्यात्मिक तीर्थयात्रा बताया, लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने उन पर तेलंगाना में बारिश रोकने के लिए "काला जादू" करने का झूठा आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि ये बयान गांधी भवन में दिए गए और उनकी व्यक्तिगत आस्था और प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक रूप से प्रसारित किए गए। हरीश राव ने इन आरोपों को कांग्रेस की छह गारंटियों के कार्यान्वयन, सिंचाई प्रबंधन, सूखा राहत और किसानों की शिकायतों सहित महत्वपूर्ण मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने के लिए एक सोची-समझी राजनीतिक चाल बताया। पिछले महीने दोनों नेताओं को भेजे गए उन कानूनी नोटिसों को अनसुना कर दिया गया था जिनमें उनसे बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की गई थी। इसके बाद कानूनी कार्रवाई की गई है। शिकायत के अनुसार, महेश कुमार गौड़ ने नोटिस स्वीकार करने से इनकार कर दिया, जबकि अड्लुरी दयाकर ने लिखित जवाब में अपनी टिप्पणियों का बचाव किया। सात बार विधायक और पूर्व वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री के रूप में अपने 20 साल के करियर पर जोर देते हुए, हरीश राव ने कहा कि वे अब व्यक्तिगत मानहानि बर्दाश्त नहीं करेंगे और न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा जताया।

दक्षिण मध्य रेलवे को गृह मंत्रालय स्तर पर मिला 'उत्कृष्ट श्रेणी' का सम्मान

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) के मुख्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4 (नराकास-4), हैदराबाद को गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा 'उत्कृष्ट श्रेणी' में सम्मानित किया गया है। उल्लेखनीय है कि इस समिति का अध्यक्ष कार्यालय, महाप्रबंधक कार्यालय (दक्षिण मध्य रेलवे) है और इसके अध्यक्ष स्वयं दमरे के महाप्रबंधक हैं। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी की अध्यक्षता में 14-15 सितंबर को सिडको एग्जिबिशन सेंटर, वाशी, नवी मुंबई में आयोजित हिंदी दिवस तथा छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के भव्य समारोह के दौरान प्रदान किया गया। दक्षिण मध्य रेलवे की ओर से इस गौरवशाली पुरस्कार को राजेश पी. खाडे (उपाध्यक्ष/नराकास-4 एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी व प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/दमरे) और एम.के. नागराजु (सदस्य सचिव/नराकास-4 एवं उप महाप्रबंधक-राजभाषा/दमरे) ने ग्रहण किया।

वंदे भारत एक्सप्रेस की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार की मौत

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार सुबह औशापुर के पास घाटकेसर और बीबीनगर स्टेशनों के बीच रेलवे ट्रैक पर सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस की टक्कर से 25 साल के एक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब 6.10 बजे हुई, जब तिरुपति जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ने उस व्यक्ति को पीछे से टक्कर मारी।

रेलवे पुलिस के अनुसार, वह व्यक्ति औशापुर के पास बीबीनगर की तरफ रेलवे ट्रैक के किनारे अपनी मोटरसाइकिल पर बैठा था और उसे पैरों से धकेल रहा था। तेज़ रफ़्तार ट्रेन ने उसे टक्कर मारी और लगभग 99 स्लीपर की लंबाई तक घसीटते हुए ले गई, फिर उसे ट्रैक के किनारे फेंक दिया। उसे गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

हैदराबाद के मुक्ति नायकों के बलिदान से आने वाली पीढ़ियां प्रेरित होंगी : शुक्ला

राज्यपाल ने शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने गुरुवार को हैदराबाद मुक्ति संघर्ष के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका बलिदान, साहस और संघर्ष की भावना आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के साथ सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में आयोजित तेलंगाना मुक्ति दिवस समारोह में भाग लिया।

राज्यपाल ने कहा कि 17 सितंबर, 1948 को तत्कालीन हैदराबाद राज्य के लोगों ने स्वतंत्रता प्राप्त की और भारतीय संघ का हिस्सा बने। उन्होंने कहा कि हैदराबाद मुक्ति संघर्ष भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय है, और उन्होंने किसानों, युवाओं और महिलाओं द्वारा किए गए बलिदानों को याद किया। राज्यपाल ने हैदराबाद राज्य को भारतीय संघ में एकीकृत करने में सरदार वल्लभभाई पटेल की निर्णायक भूमिका को भी याद किया। उन्होंने कहा कि मुक्ति दिवस केवल एक ऐतिहासिक घटना को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का भी अवसर है। उन्होंने लोगों से मुक्ति नायकों के बलिदानों से प्रेरणा लेने और एक मजबूत, समृद्ध और विकसित तेलंगाना के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। इससे पहले दिन में, राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने तेलंगाना मुक्ति दिवस समारोह में शामिल होने के लिए हैदराबाद पहुंचने पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का बेगमपेट हवाई अड्डे पर स्वागत किया।

केटीआर ने रेवंत को परिवार की संपत्ति की न्यायिक जांच की चुनौती दी

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए उन्हें चुनौती दी कि वे पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और रेवंत रेड्डी के परिवारों की जन्म से लेकर अब तक की संपत्तियों की न्यायिक जांच के लिए उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के किसी मौजूदा न्यायाधीश से सहमत हों।

केटीआर ने न्यायपालिका पर पूर्ण विश्वास जताते हुए मांग की कि जांच सरकार द्वारा गठित विशेष जांच टीमों (एसआईटी) के बजाय किसी मौजूदा न्यायाधीश के नेतृत्व में की जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी गलत कार्य सिद्ध होता है तो बीआरएस नेतृत्व किसी भी कानूनी परिणाम का सामना करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, अगर मुख्यमंत्री में साहस है, तो उन्हें तुरंत इस चुनौती को स्वीकार करना चाहिए और निष्पक्ष जांच के लिए तैयार रहना चाहिए। तेलंगाना राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, केटीआर ने राज्य की जनता को शुभकामनाएं दीं और कहा कि उच्च संवैधानिक पदों पर आसीन लोगों को गरिमापूर्ण व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने विधानसभा को झूठे और मनगढ़ंत दावे करने का मंच बना दिया है, जिससे उनके पद की गरिमा कम हुई है। केटी रामाराव ने बताया कि रेवंत रेड्डी ने पहले दावा किया था कि केसीआर के पास 1,000 एकड़ का फार्महाउस है, लेकिन बाद में विधानसभा में स्वीकार किया कि जमीन का क्षेत्रफल केवल 67 एकड़ है। मुख्यमंत्री को शेष 933 एकड़ भूमि की पहचान करने की चुनौती देते हुए, केटी रामाराव ने कहा कि यदि दावा साबित हो जाता है तो बीआरएस तुरंत राज्य सरकार के पक्ष में भूमि को पंजीकृत कर देगी। उन्होंने कहा, केसीआर ने अपने वैधानिक चुनावी हलफनामों में इन 67 एकड़ भूमि की पारदर्शी रूप से घोषणा की थी, जिसमें स्टांप शुल्क और आयकर के प्रत्येक रुपये का विधिवत हिसाब दिया गया था। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री केसीआर से 'दुर्भावनापूर्ण कीचड़ उछालने' के लिए बिना शर्त माफी मांगें। केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि प्रशासनिक गतिरोध और शासन की विफलता के 1,000 दिनों के बाद उसकी 420 चुनावी गारंटी 'फर्जी' साबित हुई हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि बीआरएस विधानमंडल पार्टी को सदन से अलोकतांत्रिक तरीके से निलंबित कर दिया गया क्योंकि सत्ता पक्ष के सदस्यों को प्रमुख चुनावी वादों को पूरा करने में कथित विफलता के लिए जवाबदेह ठहराए जाने का डर था।

सड़क चौड़ी करने के लिए घर तोड़े जाने के प्रस्ताव के खिलाफ़ लोगों का विरोध, तनाव बढ़ा

खम्मम, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम शहर के 'थ्री टाउन' इलाके में तनाव फैल गया, क्योंकि बड़ी संख्या में लोग सड़क चौड़ी करने के लिए घर तोड़े जाने के प्रस्ताव के खिलाफ़ सड़कों पर उतर आए। स्थानीय लोगों के अनुसार, अधिकारियों ने एक हफ़्ते पहले घरों पर निशान लगाए थे और उन्हें नोटिस दिए थे। श्रीनिवास नगर के लोगों ने शाम को चर्च कंपाउंड इलाके में विरोध प्रदर्शन किया, जो देर रात तक जारी रहा। विरोध प्रदर्शन के बाद इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। एसीपी (टाउन) ए.वी. रमना मूर्ति स्थिति पर नज़र रखने के लिए मौके पर पहुँचे। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ़ नारे लगाए। विरोध कर रहे लोगों ने कहा कि वे अपना आंदोलन तब तक नहीं रोकेंगे जब तक ज़िला कलेक्टर दिवाकर और स्थानीय विधायक व कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव मौके पर आकर उनके घरों की सुरक्षा के बारे में स्पष्ट आश्वासन नहीं देते।

कांग्रेस सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से मेदक का कायापलट : मंत्री विवेक

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा और खान मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के तहत मेडक जिला विकास के एक मॉडल के रूप में उभर रहा है, और उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में कल्याण और विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन पर प्रकाश डाला। तेलंगाना प्रजा पालन दिवस समारोह में बोलते हुए मंत्री ने शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और याद दिलाया कि हैदराबाद राज्य को 17 सितंबर, 1948 को भारतीय संघ में एकीकृत किया गया था।

मेदक जिले में महिलाओं को 4.73 करोड़ रुपये मूल्य की मुफ्त बस यात्रा का लाभ मिला और महालक्ष्मी योजना के तहत उन्हें 171.04 करोड़ रुपये का लाभ प्राप्त हुआ।नगृह ज्योति योजना के तहत, 1,29,756 उपभोक्ताओं को शून्य बिजली बिल प्राप्त हुए, जिसमें 113.80 करोड़ रुपये की सब्सिडी शामिल थी। इसके अलावा, रैतू भरोसा योजना के तहत 2,66,674 किसानों को 222.69 करोड़ रुपये वितरित किए गए। मंत्री ने बताया कि आरोग्यश्री योजना की कवरेज सीमा बढ़ाकर 10 लाख रुपये किए जाने के बाद 40,351 गरीब लोगों को इसका लाभ मिला। सरकार ने मेडक मेडिकल कॉलेज भवन के लिए 180 करोड़ रुपये और नर्सिंग कॉलेज के लिए 26 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए। उन्होंने कहा कि 9,682 इंदिराम्मा घरों को 484.10 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत किया गया है, जबकि 177.08 करोड़ रुपये पहले ही 6,483 लाभार्थियों के खातों में जमा किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि जिले में 1,00,344 किसानों से 4,25,305 मीट्रिक टन धान की खरीद भी की गई, जिसके लिए 1,116.06 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। मंत्री ने कहा कि सरकार मेदक में विकास को गति देने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, रोजगार और महिला कल्याण पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

पांच लाख की रिश्वत लेते एसआई गिरफ्तार इंस्पेक्टर भी एसीबी के शिकंजे में

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने मलकाजगिरी पुलिस कमिश्नरेट के कीसरा थाने में तैनात इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर के खिलाफ रिश्वतखोरी के मामले में कार्रवाई की है। एसीबी के मुताबिक, सब-इंस्पेक्टर ज्ञानेंद्र रेड्डी को पांच लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया।

मामले में थाना प्रभारी व इंस्पेक्टर अर्कापल्ली अंजनयुलु को भी आरोपी बनाया गया है। एसीबी के अनुसार, 16 सितंबर की रात करीब 11:25 बजे इंस्पेक्टर के निर्देश पर सब-इंस्पेक्टर ने शिकायतकर्ता से पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगी और स्वीकार की। यह रकम कीसरा थाने में दर्ज एक मामले में शिकायतकर्ता और उसके दोस्त को स्टेशन बेल दिलाने तथा उन्हें परेशान नहीं करने के एवज में मांगी गई थी। एसीबी की सिटी रेंज-1 यूनिट ने कार्रवाई करते हुए सब-इंस्पेक्टर को रिश्वत की रकम के साथ पकड़ लिया। उसके बताए अनुसार पांच लाख रुपये की रकम बरामद की गई। एसीबी ने दोनों पुलिस अधिकारियों पर अपने पद का अनुचित और बेईमानी से इस्तेमाल कर अवैध लाभ हासिल करने का आरोप लगाया है।

दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए नामपल्ली स्थित एसपीई एवं एसीबी मामलों की प्रधान विशेष अदालत के समक्ष पेश किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान उजागर नहीं की गई है। एसीबी ने लोगों से अपील की है कि किसी सरकारी कर्मचारी या लोक सेवक द्वारा रिश्वत मांगने पर टोल-फ्री नंबर 1064 पर शिकायत करें। एसीबी ने व्हाट्सऐप नंबर 9440446106 के माध्यम से भी शिकायत की सुविधा उपलब्ध होने की जानकारी दी है।

दक्षिण मध्य रेलवे के पी.सी. विग्नेश ने विश्व रेलवे टेनिस चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के लालागुडा वर्कशॉप में ऑफिस सुपरिंटेंडेंट के पद पर कार्यरत पी.सी. विग्नेश ने बुल्गारिया में आयोजित यूएसआईसी विश्व रेलवे टेनिस चैंपियनशिप-2026 में स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे का नाम रोशन किया है।

प्रतियोगिता 11 से 16 सितंबर 2026 तक आयोजित हुई। इस उपलब्धि के साथ पी.सी. विग्नेश ने वर्ष 2007 से अब तक अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में कुल छह पदक अपने नाम कर लिए हैं। इनमें पांच स्वर्ण और एक रजत पदक शामिल हैं। उन्होंने प्रतिष्ठित चार वर्षीय विश्व रेलवे चैंपियनशिप में भारतीय रेलवे का प्रतिनिधित्व करते हुए लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने पी.सी. विग्नेश को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि विग्नेश की सफलता ने भारतीय रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे को गौरवान्वित किया है। महाप्रबंधक ने उनके आगामी खेल प्रयासों के लिए निरंतर सफलता की शुभकामनाएं भी दीं।

पोलावरम ईसीआरएफ बांध पर सुरक्षा परीक्षण तेज

सीएसएमआरएस के विशेषज्ञों का एक्शन

पोलावरम, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मृदा और सामग्री अनुसंधान केंद्र (सीएसएमआरएस) के विशेषज्ञों की एक टीम ने लगातार दूसरे दिन पोलावरम परियोजना में अपना क्षेत्रीय निरीक्षण जारी रखा, जिसमें अर्थ-कम-रॉक फिल (ईसीआरएफ) बांध पर ध्यान केंद्रित किया गया। हरेंद्र प्रकाश, दीपमुद्रा नायक और गौरव पांडे सहित विशेषज्ञों ने ईसीआरएफ बांध के 350 मीटर और 800 मीटर के बीच विभिन्न स्थानों पर मिट्टी की मजबूती, पानी के रिसाव और सामग्री की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए परीक्षण किए।

टीम ने बांध में प्रयुक्त मिट्टी और चट्टानी सामग्रियों की जांच करने के साथ-साथ नमी की मात्रा, घनत्व और पारगम्यता की भी जांच की। बांध के कोर और ईसीआरएफ खंड से पानी के प्रवाह की दर पर भी परीक्षण किए गए। परियोजना निर्माण क्षेत्र के भीतर स्थित प्रयोगशाला में विभिन्न स्थानों से एकत्र किए गए नमूनों की जांच की गई। परियोजना अधिकारियों ने जांच के लिए आवश्यक तकनीकी जानकारी और लॉजिस्टिक सहायता प्रदान की।न एमईआईएल के महाप्रबंधक ए. गंगाधर, उप महाप्रबंधक मुरली पम्मी और गुट्टापति शंकरैया, जल संसाधन विभाग के कार्यकारी अभियंता डी. श्रीनिवास और अन्य इंजीनियरिंग अधिकारियों ने चल रहे परीक्षणों और क्षेत्र जांचों की समीक्षा की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.